वर्ष-31, अंक- 209, पृष्ठ-12 | ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 05, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नंः आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
शनिवार
17 मई 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹3.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 12

एक नजर

जंगल में देसी बम फटने से ग्रामीण घायल, पुलिस ने शुरू की जांच

गुमला। जिले के रायडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत खटखोर पहाड़ के जंगल में गुरुवार रात्रि देसी बम फटने से एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान असारू मुंडा (57 वर्ष), पिता स्व. कोल्हा मुंडा कुलमुंडा रायडीह के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार असारू मुंडा रात में अपनी गुम हुई बकरी की तलाश में जंगल की ओर गया था। इस दौरान उसने जंगल में एक काले रंग की छोटी गोल वस्तु देखी। उसे उठाते ही विस्फोट हो गया। विस्फोट की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल अवस्था में असारू मुंडा को तुरंत गुमला सदर अस्पताल में भर्ती कराया। वहां उसका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के मुताबिक फिलहाल उसकी हालत स्थिर है और वह खतरे से बाहर है। घटना की जानकारी मिलते ही रायडीह थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुंची और जांच प्रारंभ की। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि क्षेत्र में जंगली सुअरों (बाराह) से फसलों की सुरक्षा और शिकार के उद्देश्य से कई ग्रामीण बारूद युक्त देसी बम जैसे उपकरण खेतों और जंगल में लगाते हैं, जो इस हादसे का कारण बना। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मौके से सबूत जुटाए जा रहे हैं और घायल व्यक्ति असारू मुंडा का बयान दर्ज कर लिया गया है। रायडीह थाना पुलिस ने मामले की जांच जारी है। इस तरह के अवैध विस्फोटकों के उपयोग पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाने की तैयारी की जा रही है।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर **72094 53444** पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर **72094 03444** संपर्क करें।

बारातीडीजे लूट कांड का पुलिस ने किया उद्भेदन

- **अपराधी गिरफ्तार, चोरी की बाइक, मोबाइल, हथियार, डीजे सेट बरामद**

नवीन मेल संवाददाता

प्रतापपुर (चतरा)। थाना क्षेत्र के मरका मोड़ पर बाराती डीजे गाड़ी लूट कांड का पुलिस ने तीन दिन के अंदर उद्भेदन कर लिया। पुलिस ने वारदात में शामिल 8 अपराधियों में 7 को धर दबोचा है। एक अपराधी अभी भी पुलिस के पकड़ से बाहर है। बता दें कि 13 मई को एक बाराती गाड़ी के डीजे को मरका मोड़ के पास अपराधियों ने बंदूक की नोक पर रोक कर लूट पाट करने के साथ डीजे सेट लेकर चलते बने थे। घटना को लेकर हंटरगंज थाना क्षेत्र के खजुरिया निवासी विमल भुइयां भुक्तभोगी द्वारा प्रतापपुर थाना में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी। पूरे मामले को लेकर एसडीपीओ चतरा ने बताया कि घटना की गंभीरता को समझते हुए पुलिस घटना के बाद से ही लगातार दबिश दे रही थी। शक के आधार पर पूछताछ के लिए एक दो युवकों को थाना लाया गया था। उनसे कड़ाई से पूछताछ के बाद पुलिस को जो जानकारी मिली उसके आधार पर अलग-अलग स्थानों से गुरुवार की रात्रि छापेमारी कर घटना में शामिल थाना के बसबूटा गांव निवासी अरुण कुमार यादव, प्रदीप कुमार, संदीप कुमार और इसी थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव निवासी मुकेश कुमार, राकेश कुमार चंद्रवंशी, कुंदा थाना क्षेत्र के बरवाडीह निवासी आशीष कुमार यादव तथा एक बिहार के इमामगंज थाना क्षेत्र के पुरुषोत्तमपुर निवासीा सुमन कुमार को गिरफ्तार किया गया। एक अन्य की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार लोगों के पास से लूटे गए 5 डीजे सेट, एक देसी पिस्टल, 6 मोबाइल फोन, 3 मोटर साइकिल बरामद किया गया है। बताया जा रहा है कि इस गैंग में और भी कई युवक शामिल हो सकते हैं, जो क्षेत्र में लगातार लूटपाट व चोरी की घटना को अंजाम देते आ रहे हैं।
पुलिस सभी पहलू पर जांच कर रही है। पुलिस लगातार इन लोगों के गिरफ्तारी को लेकर अभियान चला थी है। लूटकांड के उद्भेदन में थाना प्रभारी कासिम अंसारी, पुअनि रंजीत कुमार, पुअनि जुबेल गुड़िया, पुअनि प्रेम कुमार सांगा व अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे। पुलिस ने जनता से अनुरोध किसी है किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। आम लोगों का सहयोग पुलिस को सुरक्षित समाज की दिशा में आगे बढ़ाता है।

टीएसपीसी कमांडर दिवाकर सहित दो उग्रवादी गिरफ्तार

- **देसी पिस्तौल, कारतूस, मोबाइल एवं अन्य सामग्री बरामद**

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बुढ़मू थाने की पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के कमांडर दिवाकर गंझू सहित दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो देसी पिस्तौल, छह कारतूस, टीएसपीसी का पर्चा, चार राउटर, तीन पावर बैंक, पांच मोबाइल और चार मोबाइल चार्जर एवं अन्य सामान बरामद किए गए हैं।
डीआईजी सह एसएसपी, रांची चंदन सिन्हा ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि अपने दस्ते के साथ दिवाकर चैनगढ़ा, गम्हरिया में लेवी वसूलने और क्षेत्र में दहशत फैलाने के लिए किसी बड़ी योजना को अंजाम देने के फिराक में है। साथ ही, पतरातू की आरे से आने वाले राहगीरों को रोककर उन लोगों का मोबाइल चेक कर रहे हैं और मारपीट कर रहे हैं। सूचना के बाद खलारी डीएसपी के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए बुढ़मू थाना क्षेत्र के चैनगढ़ा, गम्हरिया जंगल से दिवाकर गंझू और अक्षय गंझू को गिरफ्तार किया है। वहीं, तीन-चार उग्रवादी जंगल-झाड़ी का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे।
दिवाकर उग्रवादी जगु गंझू के कहने पर करीब 15 साल पहले टीएसपीसी संगठन में शामिल हुआ था। जगु गंझू का वर्ष 2018 में पुलिस काउंटर में मारे जाने और एरिया कमांडर दिनेश राम के जेल जाने के बाद दिवाकर टीएसपीसी के एरिया कमांडर बना दिया गया। ये बुढ़मू, उरीमारी, भुरकुंडा, पतरातू, बड़कागांव, केरेडारी क्षेत्र में हो रहे विकास कार्य में, क्रशर मालिक, ईंट भट्ठा मालिक और जमीन कारोबारी से रंगदारी लेते थे। रंगदारी नहीं देने वालों के विरुद्ध आगजनी, तोड़फोड़ और फायरिंग की कार्रवाई कर दहशत फैलाते थे। एसएसपी ने बताया कि उग्रवादी दिवाकर के खिलाफ कुल 18 मामले दर्ज हैं।

हेमंत सोरेन सरकार में आंगनबाड़ी केंद्रों को किया जा रहा सशक्त

एक डिजिटल छलांग है झारखंड में स्मार्ट फोन क्रांति

- **स्मार्ट फोन शिक्षा और आर्थिक विकास का भी बन रहा महत्वपूर्ण माध्यम**
- **मुख्यमंत्री सोरेन ने आंगनबाड़ी सेविकाओं को प्रदान किए थे स्मार्ट फोन**

नवीन मेल डेस्क

फाइल फोटो

रांची। हेमंत सोरेन सरकार राज्य की प्रगति के साथ-साथ बच्चों और महिलाओं के विकास एवं उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रतिबद्ध है। महिला सशक्तीकरण मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की प्राथमिकता में शामिल है। बच्चों और महिलाओं की बेहतरी में आंगनबाड़ी केंद्रों की महत्वपूर्ण भूमिका है। वर्तमान में, आंगनबाड़ी केंद्र मात्र सेवा वितरण संस्थान नहीं रह गए हैं, बल्कि ये अबुआ सरकार में एक प्रगति और अवसरों के उत्प्रेरक के रूप में भी उभर रहे है। इसलिए आंगनबाड़ी केंद्रों को सशक्त किया जा रहा है। इसके लिए आधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल किया जा रहा है।
हाल ही में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आंगनबाड़ी सेविकाओं को स्मार्ट फोन प्रदान किए थे। वास्तव में झारखंड एक डिजिटल परिवर्तन के दौर में गुजर रहा है। यहां स्मार्ट फोन न केवल संचार, शिक्षा और आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है, बल्कि पोषण और प्रारंभिक शिक्षा सेवाओं को प्रभावी और सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। हाल ही में महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा 37,810 आंगनबाड़ी सेविकाओं को स्मार्ट फोन प्रदान किए गए हैं।
बता दें कि आईसीडीएस सेवाओं का लाभ उठाने के लिए आधार सत्यापन और लाभार्थी का चेहरा प्रमाणीकरण अनिवार्य है। सेविकाओं के लिए यह कार्य अब सरल हो गया है, क्योंकि स्मार्ट फोन के मिल जाने से उन्हें किसी अन्य के फोन पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। आगनबाड़ी सेविकाएं अब स्वतंत्र रूप से और दक्षतापूर्वक अपने दैनिक कार्यों का निष्पादन कर रही है। वास्तव में, आधार सत्यापित लाभार्थियों की संख्या मार्च 2023 में 17,44,100 (48.03%) था जो बढ़कर 31 मार्च 2025 तक 30,11,829 (97.22%) हो गई है और उक्त कार्य के फलीभूत होने में ऑगनवाड़ी सेविका को प्रदत स्मार्ट फोन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राज्य भर में 38.523 आगनबाड़ी केंद्रों में सेवाएं प्रदान करने वाली आगनबाड़ी सेविकाएं वास्तविक समय पर आंकड़ों का अंकन कर रही हैं। इस प्रकार, मोबाइल तकनीक उनके कार्यों को अधिक प्रभावी बना रही है, और स्मार्ट फोन आईसीडीएस सेवा वितरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आगनबाड़ी सेविकाओं द्वारा प्रदान किए गए डाटा इनपुट के आधार पर जिला एवं राज्य स्तर पर आईसीडीएस के तहत विभिन्न सेवाओं/ क्रियाकलापों की नियमित प्रगति की निगरानी की जा रही है। साथ ही, गुणवत्तापूर्ण सेवा वितरण को सुदृढ़ बनाने और आंगनबाड़ी केंद्रों के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए डाटा-संचालित निर्णय लेने में अत्यधिक सहायता मिलती है। विगत दिनों में सरकार ने सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को आवश्यक बर्तन उपलब्ध कराए है तथा 16,775 केंद्रों को प्राथमिक तौर पर एलईडी टीवी, आरओ जल शुद्धिकरण यंत्र, विद्युत कनेक्शन, पंखे, शौचालय तथा सुरक्षित पेयजल सुविधाओं सहित आधुनिक बुनियादी ढांचा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की है। इसके अतिरिक्त, सरकार ने 1,200 से अधिक आदिवासी बहुल गांवों की पहचान की है, जहां नए आंगनबाड़ी केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि हमारे जनजाति समुदाय को पोषण, स्वास्थ्य ती प्रारंभिक शिक्षा सेवाएं प्रदान की जा सके और उनको समाज की मुख्य धारा में जोड़ ने की प्रयास किया जा रहा है। इन नए आंगनबाड़ी केंद्रों में शीघ्र ही सेविकाओं और सहायिका की नियुक्ति भी की जा रही है।

स्मार्ट फोन से मुझमें आंकड़ों के अंकन कौशल का विकास हुआ है : सरिता

कांके परियोजना के सुकरुहुटू आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका सरिता कुमारी कहती हैं- स्मार्ट फोन से मेरे आंकड़ों के अंकन कौशल का विकास हुआ है। मुझे इससे आत्मविश्वास पूर्वक लाभार्थियों की तस्वीर कैप्चर करने, उनकी पुष्टि करने, तथा टीएचआर सहित अन्य सेवाओं को सुचारु रुप से प्रदान करने में सहायता मिलती है।

गुजरात के भुज एयरबेस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा-

अभी खत्म नहीं हुआ है 'ऑपरेशन सिंदूर'

- **जो हुआ, वह सिर्फ ट्रेलर था, समय आने पर पूरी पिक्चर भी दिखाएंगे**
- **भारत ने आतंकवाद के माथे पर खींच दी है खतरे की लाल लकीर**

भुज (आईएएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुजरात के भुज एयरबेस से भारतीय वायुसेना के जवानों को संबोधित करते हुए पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को एक बार फिर चेताया और कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है। जो कुछ भी हुआ, वह सिर्फ एक ट्रेलर मात्र था। जब सही समय आएगा, हम पूरी पिक्चर भी दुनिया को दिखाएंगे। रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सेना को सफलता की बधाई देते हुए कहा कि मैं बस इतना कहूंगा कि आपके पराक्रम ने यह दिखा दिया कि यह वह सिंदूर है, जो श्रृंगार का नहीं, बल्कि शौर्य का प्रतीक है। यह वह सिंदूर है, जो सौंदर्य का नहीं, बल्कि संकल्प का प्रतीक है। यह सिंदूर, खतरे की वह लाल लकीर है, जो भारत ने अब आतंकवाद के माथे पर खींच दी है। मैं इस अवसर पर, आप सभी के साथ-साथ, देश की जनता का भी आभार प्रकट करता हूं। भारत की जनता ने, एकजुटता और समझदारी का परिचय देते हुए, आपका सहयोग किया। इस लड़ाई में न केवल सरकार, आर्म्ड फोर्सेज और सुरक्षाबल एकजुट थे, बल्कि भारत का हर नागरिक, एक सिपाही की तरह इसमें भागीदार बना।
राजनाथ सिंह ने कहा कि हम, हमारे आराध्य श्रीराम के उस मार्ग का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, जिसमें वह आसुरी शक्तियों के विनाश का प्रण लेते हैं। 'निसिचर हीन करउं महि, भुज उठाइ पन कीन्ह।' अर्थात, जिस प्रकार भगवान राम ने, अपनी भुजाओं को उठाकर, धरती को राक्षस विहीन करने का प्रण लिया था। ठीक उसी प्रकार, प्रभु श्री राम के आदर्शों का पालन करते हुए, हमने भी आतंकवाद को, जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आपने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी बुनियादी ढांचे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की है, लेकिन पाकिस्तान इस कोशिश में लग गया है कि ध्वस्त हुए आतंकी ढांचे को फिर से खड़ा किया जाए। वहां की सरकार पाकिस्तानी आम लोगों से लिया गया टैक्स जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी जैसे मसूद अजहर को करीब 14 करोड़ रुपए देने में खर्च करेगी। जबकि, वह यूएन से आतंकी घोषित हो चुका है। पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से प्राप्त धन का एक बड़ा हिस्सा अपने देश में आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर खर्च करेगा, ऐसा मेरा मानना है। भारत चाहता है कि आईएमएफ पाकिस्तान को दिए जाने वाले वित्त पोषण पर पुनर्विचार करे, और आगे भी किसी भी तरह की सहायता देने से आईएमएफ परहेज करे।

आज / कल

पश्चिमी सिंहभूम के छोटानागरा में सीआरपीएफ के अधिकारी शहीद

नवीन मेल डेस्क

रांची। नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) 26 बटालियन के सेकंड इन कमान अफसर (द्वितीय कमान अधिकारी) एम प्रोबो सिंह शहीद हो गए हैं। इधर, सीआरपीएफ ने माओवादी विरोधी अभियान के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से सेकंड इन कमान एम प्रोबो सिंह की मौत पर दुख जताया है। कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा बल शोक संतप्त परिवार के साथ एकजुटता से खड़ा है। वहीं, झारखंड पुलिस ने भी द्वितीय कमान अधिकारी एम प्रोबो सिंह, सीआरपीएफ 26 बटालियन के बलिदान पर उन्हें अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किया है। रांची पुलिस मुख्यालय से शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार नक्सलियों के खिलाफ पश्चिमी सिंहभूम जिले में लगातार अभियान जारी है। गुरुवार देर शाम को अभिनान के दौरान छोटानागरा थाना क्षेत्र के बलिबा के आसपास जंगली पहाड़ी क्षेत्र में तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने से सीआरपीएफ 26 बटालियन के सेकंड कमान अफसर एम प्रबो सिंह, सहायक समादेष्टा सुबीर कुमार मंडल तथा पश्चिमी सिंहभूम जिला बल के सअनि सुरेश भगत और सअनि चंदलाल हांसदा गंभीर रूप से झुलस गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान सीआरपीएफ 26 बटालियन के सेकंड कमान अफसर एम प्रबो सिंह शहीद हो गए। सीआरपीएफ सहायक समादेष्टा सुबीर कुमार मंडल तथा झारखंड पुलिस (पश्चिमी सिंहभूम जिला बल) के सअनि सुरेश भगत और सअनि चंदलाल हांसदा की स्थिति स्थिर है।

गिरिडीह में हथियारों से भरी पानी टंकी जंगल से बरामद

नवीन मेल डेस्क

गिरिडीह। गिरिडीह पुलिस को नक्सलियों के खिलाफ शुक्रवार को बड़ी सफलता हाथ लगी। प्रतिबंधित संगठन भाकपा माओवादी के नक्सलियों के खिलाफ पुलिस और सीआरपीएफ के जवान लगातार कार्रवाई कर रहे है। इसी क्रम में शुक्रवार को जिले के पारसनाथ पहाड़ी के नक्सल प्रभावित खुखरा थाना क्षेत्र के चतरो के कानाडीह और गार्दी के घने जंगल मे छिपाकर पानी टंकी में रखे गए विस्फोटक पदार्थ और हथियारों को बरामद किया गया। बरामद पानी टंकी से हथियार और कारतूस के साथ विस्फोटक पदार्थ जब्त किए गए हैं। खुखरा थाना क्षेत्र में मिली सफलता के बाद एसपी डॉ विमल कुमार, एएसपी सुरजीत कुमार और सीआरपीएफ 154 बटालियन के असिस्टेंट कंमाडेंट दलजीत सिंह भाटी ने प्रेसवार्ता में कहा कि सुरक्षाबलों ने छापेमारी कर जमीन से पानी टंकी को निकाला है। इसमें कई बंदूकें, देसी कट्टा, सेमी ऑटोमेटिक कट्टा सहित कई हथियार और विस्फोटक पदार्थ रखे हुए थे, जिसे जब्त कर लिया गया है। बरामद समानों में 12 राइफल, एक डबल बैरल गन, एक एसएलआर, दो वायर कटर, तीन मैगजीन पाउच, आठ इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर, 14 बंडल कोडेक्स वायर, दो देसी कट्टा , एक सेमीऑटोमैटिक राइफल एवं अन्य सामान शामिल हैं।

इंडिया

स्लीपर बस में 5 ज़िंदा जले राजस्थान यूपी में कार्रवाई झारखंड खामोश

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

गुरुवार की सुबह एक मनहूस खबर आई कि लखनऊ के पास तड़के चलती स्लीपर बस में आग लगने से पांच लोग जिंदा जल गए। बिहार के बेगूसराय से दिल्ली जा रही बस में क्षमता से दोगुना 80 यात्री सवार थे और चालक और परिचालक ने यात्रियों को उठाने का प्रयास किया पर देर होते देख भाग निकले। बस में क्षमता से अधिक यात्रियों के सवार होने की वजह से जान बचाने के लिए एक दूसरे पर चढ़कर भागने की कोशिश करने में सात लोग घायल हो गए। यात्रियों के अनुसार आग लगने के बाद बस कुछ देर तक जलती हुई हालत में दौड़ती रही। ड्राइवर और कंडक्टर कांच तोड़कर निकल भागे। मुख्य गेट आग लगने की वजह से जाम हो गया। जो लोग दूसरे रास्तों से निकल पाए वो बच गए। पुलिस की जांच में सामने आया कि बस का इमरजेंसी गेट नहीं खुला इस वजह से पीछे बैठे लोग बस में फंस गए। यात्रियों ने बताया कि चालक और परिचालक मना करने पर भी अतिरिक्त सवारी भर रहे थे। लोगों ने विरोध किया तो बस से उतारने की धमकी दी। दो लोगों की सीट पर चार लोगों को बिठा रहे थे। आग लगने पर बस में धुआं भरने पर लोग खांसने लगे। नींद खुली तो देखा बस खड़ी है और हर तरफ धुंआ भरा है। इससे पहले की कुछ समझ पाते बस धू-धूकर जलने लगी। आग लगने पर लोग जान बचाकर भागे, लेकिन उनका सारा सामान जलकर राख हो गया। आग में झुलसे अफरोज ने बताया कि वह परिवार के साथ दिल्ली कमाने जा रहे थे। उनके साथ दोनों बेटे आसिफ और राशिद भी थे। दोनों आग से झुलस गए। सभी कुछ हासिल करने के लिए निकले थे, लेकिन आग में सबकुछ जलकर राख हो गया। घटना के बाद यूपी में 9 डग्गामार बसें जब्त की गई हैं, 12 से ज्यादा बसों पर भारी जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई केंद्र सरकार के सेंट्रल मोटर व्हीकल एक्ट एंड रूल्स, 1989 के नियम 125C पर आधारित है। यह नियम यात्री सुरक्षा और वाहन संरचना के मानकों को तय करता है। बिना मान्यता के बदलाव करना कानूनी अपराध है। स्लीपर बसों का संचालन मोटर व्हीकल एक्ट के तहत होता है, जिसमें सुरक्षा और यात्री सुविधाओं के लिए कई नियम और विनियम दिए गए हैं। कुछ विशिष्ट सुरक्षा मानक निर्धारित हैं, जैसे कि सीटों की संख्या, आपातकालीन द्वार, अग्निरोधी सामग्री और 11 मीटर निश्चित लंबाई। यदि स्लीपर बस संचालक इन नियमों का उल्लंघन करने पर चालान, जुर्माना या यहां तक कि बस को जब्त भी किया जा सकता है। स्लीपर बसों में सीटों की संख्या निर्धारित होती है, और बस संचालक नियमों का उल्लंघन करके अतिरिक्त सीटें नहीं लगा सकते हैं। बस में अतिरिक्त भार होने से दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए स्लीपर बस के नियमों का पालन करना महत्वपूर्ण है। कुछ स्लीपर बस संचालक अतिरिक्त सीटें लगाकर यात्रियों की संख्या बढ़ा देते हैं, जो मोटर व्हीकल एक्ट के नियमों का उल्लंघन है। कुछ बस संचालक सीट बढ़ाने के लिए आपातकालीन द्वार बंद कर देते हैं, जो यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरनाक है। कुछ स्लीपर बसें ओवरलोड होकर चलती हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। आसानी से टिकट मिलने के कारण स्लीपर बसें तेजी से अंतर-शहर यात्रा का पसंदीदा माध्यम बनती जा रही हैं। बस संचालकों ने भारत में बसों की मूल संरचना के इर्द-गिर्द बदलाव करना शुरू कर दिया है, बस की पिछली छत को ऊपर की ओर मोड़कर अतिरिक्त बर्थ के लिए जगह बनाने के लिए ऊंचाई बढ़ाई जा रही है। कुछ लोग एक कदम आगे बढ़कर फ्लोर रूम को कम कर देते हैं ताकि निचली बर्थ में यात्रियों के लिए कुछ अतिरिक्त जगह हो। किसी भी दृष्टिकोण से, स्लीपर कोच के लिए एक विनियमन जरूरी है ताकि बस निर्माताओं को अपने मुनाफे के लिए बसों के निर्माण में अपने तरीके से चलने से रोका जा सके। जुलाई 2018 में आदेश आया था कि अगर झारखंड में स्लीपर बस चलानी है, तो आपको केन्द्र सरकार की एजेंसी से स्वीकृति लेनी होगी। झारखंड मोटरगाड़ी करारोपण संशोधन अधिनियम 2011 में व्हील बेस के अनुरूप क्षमता का निर्धारण किया गया है। इस अधिनियम के तहत परिवहन विभाग ने गाइडलाइन जारी करते हुए कहा था कि किसी स्लीपर बस में अगर 40 लोगों के बैठने की क्षमता है और आठ स्लीपर हैं तो उसके रजिस्ट्रेशन सर्टीफिकेट में 56 सीटें दर्शाई जाएंगी। राजस्थान के परिवहन विभाग ने मई 2018 में ही 10 स्लीपर बसों का रजिस्ट्रेशन रद्द किया था । झारखंड में स्लीपर बसों पर अभी किसी भी कार्रवाई से अधिकारियों ने अनभिज्ञता जाहिर की है जबकि हजारों निजी बसों में से स्लीपर बसें भी बड़ी संख्या में हैं जिनमें यात्रियों से मनमानी, सुरक्षा मानकों की अनदेखी, आग बुझाने की सुविधा का घोर अभाव है तो दूसरी ओर बसों में पर्दे लगे होते हैं जिससे यूपी में बिहार की बस जलकर ख़ाक हो गई ।

बिहार के गया शहर का नाम अब 'गया जी' हुआ

पटना (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार की शाम मंत्रिमंडल की हुई बैठक में मोक्ष और ज्ञान की भूमि गया का नाम बदलकर 'गया जी' रख दिया गया है। आज की बैठक में कुल 69 एजेंडों पर मुहर लगी है। कैबिनेट ने बिहार सरकार के कर्मचारियों के लिए डीए 53 प्रतिशत से बढ़ाकर इसे 55 प्रतिशत कर दिया है। बिहार सरकार पर सप्तम केंद्रीय पुनरीक्षित वेतन संरचना में वेतन पेंशन प्राप्त कर रहे सरकारी सेवकों और पेंशन भोगियों को 53 प्रतिशत से 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) करने पर 1070 करोड़ रुपये का भार पड़ेगा। मंत्रिमंडल ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में सशस्त्र सेना एवं केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के शहीद कर्मियों के निकटतम आश्रितों को अनुग्रह अनुदान के रूप में 50 लख रुपए देने की स्वीकृति दी गई है। पर्यटन मंत्रालय के स्वदेश दर्शन स्कीम 2.0 के अंतर्गत बौद्ध ध्यान एवं अनुभव केंद्र बोधगया के निर्माण के लिए 165 करोड़ 44 लाख 30000 रुपए की स्वीकृति दी गई।

मुखिया की पिटाई के बाद नकद, चेन व अंगूठी की छिनतई

तीन समेत अज्ञात के खिलाफ थाना में मामला दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। थाना क्षेत्र अंतर्गत पथरा पंचायत के मुखिया नरेश पासवान को जपला से अपने घर जाने के क्रम में फातमाचक मोड़ के समीप पिस्तौल और तेज धार हथियार से लैस लोगों ने लाठी डंडे से जमकर पिटाई कर दी। मुखिया नरेश पासवान को ग्रामीणों के सहयोग से अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद भर्ती कराया गया। घटना के बाद मुखिया नरेश पासवान ने हुसैनाबाद थाना को लिखित आवेदन गुरुवार

की शाम को दिया है। उन्होंने आवेदन में कहा है कि 13 मई की शाम 6:15 बजे वह बराही धाम से अपने घर पथरा वापसी के क्रम में फातमा चक मोड़ के पास अचानक मुना कुमार देव, सोनू कुमार व शाहील कुमार समेत अन्य अज्ञात थे। वह सभी अपने हाथ में पिस्टल लिए हुए थे। उन्होंने मारपीट करना शुरू कर दिया। मुखिया ने आवेदन में कहा है कि मारपीट के क्रम उनका गले से सोने की चैन, अंगूठी भी छीन लिया गया। साथ ही मोबाइल फोन को छीन कर पटक दिया। साथ में छह हजार रुपये भी छीन लिया। मुखिया ने कहा है कि उन लोगों ने धारदार हथियार से हमला भी किया। उन्होंने कहा कि इसके पूर्व चाचा ब्रहमदेव पासवान द्वारा बार-बार गांव-वाले के सामने गोली मारने की धमकी दी जाती थी। जिसके कई गवाह है। उन्होंने कहा कि मारपीट की घटना के भी गवाहों की सूची थाना को उन्होंने दिया है। आवेदन प्राप्त होने के बाद हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि मामला भूमि विवाद से संबंधित है।

न्यूज बॉक्स

शासी निकाय की बैठक में शिक्षक प्रतिनिधि का चयन करने का निर्णय

हुसैनाबाद। शहीद भगत सिंह इंटर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रेमनाथ ने शिक्षक प्रतिनिधि के तौर पर व्याख्याता संजय कुमार सिंह को निर्विरोध चुने जाने का प्रमाण पत्र दिया है। उन्होंने कहा है कि झारखंड अधिविद परिषद के निर्देश पर 9 अप्रैल को शासी निकाय की बैठक में शिक्षक प्रतिनिधि का चयन चुनावी प्रक्रिया से कराने का निर्णय लिया गया था। व्याख्याता संजय कुमार सिंह को निर्विरोध शिक्षक प्रतिनिधि चुन लिया गया है। इस आशय का पत्र प्राचार्य प्रेमनाथ ने संजय कुमार सिंह को दे दिया है। संजय कुमार सिंह के प्रतिनिधि बनने से शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों में काफी खुशी है।

अनुष्का सिंह ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में 96.4 अंक लाकर प्रखंड का बढ़ाया मान

पांकी। प्रखंड के नीमाचक गांव निवासी अनुज कुमार चौहान की पुत्री अनुष्का सिंह ने सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में 96.4% अंक लाकर पूरे प्रखंड का मान बढ़ाया है। छात्रा की सफलता की जानकारी जैसे ही प्रखंड प्रमुख पंचम प्रसाद, उप प्रमुख अमित कुमार चौहान, मुखिया प्रेम प्रसाद सहित अन्य लोगों को मिली, उन्होंने छात्रा के आवास पहुंच कर उसे मिठाई खिलाकर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। बातचीत के दौरान छात्रा अनुष्का सिंह ने बताया कि वह गुरु गोविंद सिंह विद्यालय में अध्यनरत है। इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व पूरे परिवार के साथ गुरुजनों को देते हुए कहा कि वह आगे जेईई की तैयारी करना चाहती है। मौके पर मौजूद छात्रा के पिता अनुज कुमार चौहान ने बताया कि पांकी में रहकर बिना कोचिंग क्लास के ही उनकी पुत्री ने अपनी मेहनत से इतना अंक प्राप्त किया है। उन्होंने अपनी बच्ची की सफलता पर गर्व महसूस करते हुए कहा कि पुत्री की शैक्षणिक इच्छा के अनुसार उसकी हर जरूरतों को वह पूरा करेंगे। मौके पर समाज सेवी गुड्डू प्रसाद, पप्पू यादव,अखिलेश गुप्ता, मदन प्रासाद सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

हुसैनाबाद में सरकारी उर्दू विद्यालय के लिए भूमि आवंटन की मांग

हुसैनाबाद। हुसैनाबाद नगर पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 7 स्थित उर्दू प्राथमिक विद्यालय के पास भूमि की कमी की वजह हो रही परेशानी को देखते हुए शुक्रवार को नागरिकों ने हुसैनाबाद अनुमंडल पदाधिकारी गौरांग महतो के नाम ज्ञापन अंचल पदाधिकारी हुसैनाबाद को सौंपा गया। वर्तमान में विद्यालय में सिर्फ दो कक्ष हैं, जो सैकड़ों बच्चों की शिक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त नहीं हैं। विद्यालय के पास अतिरिक्त कमरों के निर्माण के लिए भूमि उपलब्ध नहीं है। पोशाक क्षेत्र के लोगों ने लंबे समय से इसकी व्यवस्था सुधारने की मांग कर रहे हैं। नागरिकों द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि विद्यालय के समीप खाता संख्या 344, प्लॉट संख्या 727 एक सरकारी बंजर भूमि वर्षों से अनुपयोगी स्थिति में पड़ी हुई है। यह भूमि ईदगाह के सामने, पश्चिम से पूरब दिशा में कब्रिस्तान तक फैली हुई है, जिसकी आकृति तालाब के पिंड जैसी है। आम जनता ने मांग की है कि इस भूमि का एक हिस्सा विद्यालय के विस्तार हेतु आवंटित किया जा सकता है। ताकि बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण, कक्षाएं और सुविधाएं मिल सकें। ज्ञापन सौंपने के दौरान हुसैनाबाद के अंचल पदाधिकारी, कर्मचारी आशीष रंजन, प्रशांत कुमार, एहसान अली तथा हुसैनाबाद थाना पुलिस भी मौजूद थी। हुसैनाबाद अंचल अधिकारी अपने सहयोगियों के साथ लेकर खाता 344 प्लॉट 727 की मापी के लिए लंबी गली तालाब पर पहुंचे। इस अवसर पर हुसैनाबाद नगर पंचायत कार्यपालक अधिकारी भी मौजूद थे। नागरिकों ने कहा कि यह विद्यालय मुस्लिम समुदाय के बच्चों की शिक्षा का एकमात्र सरकारी विद्यालय है। इसका विकास सामाजिक और शैक्षिक दृष्टि से अत्यंत आवश्यक है।ज्ञापन सौंपने वालों में हसीबुर्रहमान उर्फ बबन, मोबीन अहमद ,वसीम खान, सब्बीर अहमद, साबिर अहमद, जफर अहमद, असगर हुसैन, अरशद हुसैन समेत कई लोग उपस्थित थे।

तीसरी किस्त भुगतान के बाद भी आवास निर्माण पूरा नहीं, लाभुकों को नोटिस

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। अबुआ आवास निर्माण बालू के अभाव में ससमय पूरा होना मुश्किल नजर आती है। इसके बावजूद आवास निर्माण कार्य पूरा नहीं कर रहे लाभुकों को नोटिस थमाया जाने लगा है। बताया गया कि तीसरी किस्त के भुगतान के बाद भजनियां पंचायत के 17, गोड़ाडीह, कोल्हुआ-सोनबरसा 9-9, कादलकुर्मी 6, लटपौरी 18, पंसा 8 और रामबांध पंचायत के 17 लाभुकों ने आवास निर्माण कार्य को फाइनल नहीं किया है। उन्होंने आवास निर्माण के फाइनल की डेडलाइन जारी किए जाने पर चिंता जताई है। बताया गया कि राजनडीह गांव में भी तीसरी किस्त 1 लाख रुपए भुगतान प्राप्त करने के बाद आवास निर्माण पूरा नहीं करने की स्थिति में मोहम्मदगंज के पंचायत सचिव अविनाश कुमार ने नोटिस थमाया। उन्होंने बताया कि इस पंचायत में अबुआ आवास योजना के 22 लाभुकों को तीसरी किस्त लेकर छत की ढ़लाई नहीं कर पाने पर 20 मई तक आवास का काम फाइनल करने को लेकर नोटिस दिए गए हैं। हर लाभुकों ने कार्य पूरा नहीं कर पाने की वजह बालू की समस्या सुनाया। उन्होंने इस समस्या के समाधान के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी को लिखित आवेदन कर बालू की मांग करने की बात कही।

सामूहिक दुष्कर्म की घटना के विरोध में विधायक के नेतृत्व में निकला गया कैंडल मार्च

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। नाबालिग के साथ हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना के विरोध में पांकी विधायक कुशवाहा डॉक्टर शशिभूषण मेहता के नेतृत्व में कर्पूरी ठाकुर चौक से विशाल कैंडल मार्च निकाला गया। कैंडल मार्च में भाजपा जिला अध्यक्ष अमित तिवारी, मंडल अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, भाजपा नेता शंकर प्रसाद, भाजपा नेत्री लवली गुप्ता, मंजू लता, विधायक प्रतिनिधि विनटी वर्मा समेत आदिवासी समाज के सैकड़ों लोग शामिल हुए। कैंडल मार्च के दौरान लोग हाथों में तख्ती लेकर व मोमबत्ती लेकर दोषियों को फांसी देने और पीड़ित परिवार को तत्काल न्याय देने की मांग करते हुए प्रखंड के भगत सिंह चौक मुख्य बाजार का भ्रमण किया। मौके पर विधायक कुशवाहा डॉक्टर शशिभूषण मेहता ने कहा कि प्रखंड क्षेत्र में एक विशेष समुदाय के लोगों द्वारा लगातार इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है, जिसे वह अब बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि इस घटना में शामिल सभी दोषियों पर कानूनी कार्रवाई नहीं हुई तो वह उग्र आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि जब से हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बने हैं तब से इस तरह की घटनाओं में वृद्धि हुई है। कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने भी दोषियों को तत्काल फांसी देने की मांग सरकार से की। इधर भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी के लोगों ने भी नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना पर विरोध जताते हुए प्रशासन व झारखंड सरकार से इस घटना में शामिल सभी दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की है। घटना की घोर निंदा करते हुए सिताराम दास, आजाद समाज पार्टी जिला महासचिव, अजय राम, भीम आर्मी प्रखंड अध्यक्ष, गुलशन अंसारी आजाद समाज पार्टी प्रखंड अध्यक्ष ,चुनमुन आंबेडकर प्रखंड कोषाध्यक्ष, धनंजय कुमार रवि ने कहा कि दोषियों को ऐसी सजा मिले ताकि भविष्य में इस तरह की घटना ना हो।

अधिक गर्मी से सब्जियों की खेती पर असर

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। भीम बराज के डाउन स्ट्रीम में कोयल नदी के कछार पर वर्षों तक गर्मा सब्जियों के साथ ककड़ी, खीरा और तरबूज की खेती कर रहे गैर पेशेवर कई परिवार इससे वंचित हो गए हैं। जबकि यह काम उनके भरण-पोषण का ऑफ सीजन बड़ा साधन बन गया था। वहीं स्थानीय बाजार में सुबह-सुबह ताजी और हरी सब्जियों के साथ गर्मी से राहत के पदार्थ भी सहज और सस्ते में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हो जाते थे। स्थानीय मंडी में कारोबारियों को भी बाहर से इनके मार्केटिंग की जरूरत नहीं होती थी। खासकर, कद्दू,करेला,भिंडी, नेनुआं जैसी सब्जियां और लाल-हरा साग सहित अन्य के अतिरिक्त सरसों की अच्छी उपज प्राप्त हुआ करता था। मगर, लगातार दूसरे साल स्वावलंबन की दिशा में सकारात्मक पहल करने वाले परिवार के लोग इससे वंचित रह गए हैं। इसकी वजह उन्होंने अधिक गर्मी और हीट वेव का प्रकोप बताया और कहा कि बाढ के समय भीमबराज के डाउन स्ट्रीम में फाटकों को खोलने से भी नदी के कछार पर जमी मिट्टी की मोटी परत के बह जाने से खेती योग्य जमीन नहीं रह गई है। अव्वल, तो मुख्य नहर के लाइनिंग वर्क को लेकर भीमबराज के जल-प्रवाह को रोक देने से भी नदी के कछार पर जलस्तर काफी नीचे चले जाने सिंचाई करना मुश्किल काम बन गया था।

जलमीनार खराब होने से ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही परेशानी

नौडीहा। प्रखंड चराई टू पंचायत के खडार में पेयजल आपूर्ति विभाग द्वारा लगाया गया जलमीनार पिछेल दो महीने से खराब है। इस कारण गर्मी के दिनों में खडार गांव में पेयजल के लिए ग्रामीण क्षेत्रों काफी कठिनाई हो रही है। विभाग द्वारा इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। बताया जाता है खडार गांव हरीजन, दलित और पिछड़ी जातियों का गांव है। इस इलाके में पेयजल के लिए काफी कठिनाई होती है। गांव में एक दो चापनल है। वह भी खराब है, जिसके कारण और दिक्कत होती है।

बिजली विभाग की छापेमारी में 7 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर अवर विद्युत प्रमंडल जपला के अभियंताओं ने गुरुवार की देर शाम तक हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बिजली चोरी को लेकर छापेमारी अभियान चलाया गया। उक्त सभी आरोपियों पर 1 लाख 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। छापेमारी अभियान में 7 लोगों को बिजली का अवैध ढंग से उपयोग करते रंगे हाथ पकड़ा गया। जिन लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर जुर्माना लगाया गया हैं, उसमें, लखन यादव पर 50 हजार रुपये, जय प्रकाश राम पर 10 हजार रुपये, सूर्य प्रताप पर रुपये 10 हजार रुपये, गंगा यादव पर 25 हजार रुपये, रामनाथ साव पर 10,000 रुपये ,रामपति साव पर 10,000 रुपये व अजय कुमार गुप्ता पर 10 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सभी आरोपियों के खिलाफ हुसैनाबाद थाना में विद्युत अधिनियम के तहत सहायक अभियंता राम प्रसाद महतो ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। हुसैनाबाद के थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि सहायक अभियंता रामप्रसाद महतो के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। सहायक अभियंता राम प्रसाद महतो ने बताया कि छापेमारी दल में उनके अलावा मानव दिवस कर्मी उबैद अहमद, राजकुमार यादव एवं कमलेश कुमार सिंह, अशोक मेहता, राजकुमार यादव व दशरथ कुमार शामिल थे।

1 लाख 25 हजार का जुर्माना लगा

प्रशासन से जांच कर कार्रवाई करने की मांग

कंपाउडर बने चिकित्सक, निजी हॉस्पिटलों की भरमार के बीच फंसते हैं ग्रामीण

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। पलामू जिले के निजी क्लीनीकों व हॉस्पिटलों की जांच के नाम पर मोटी रकम की उगाही की जाती है। अव्वल तो यह है कि वर्तमान में भी विभिन्न स्थानों पर निजी हॉस्पिटलों की भरमार के बीच ग्रामीण क्षेत्र के भोले भाले मरीज फंसते आये हैं। मुखिया संघ अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह, कमल कुमार पासवान, पंचायत समिति सदस्य गुप्तेश्वर पांडेय ने कहा कि निजी शिक्षा के बाद चिकित्सा के क्षेत्र में मोटी रकम की उगाही करने का बड़ा खेल हो रहा है। उन्होंने गैर कानूनी रूप से बिना पंजीकृत अस्पतालों की जांच कर प्रशासन से कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा किआज भी किसी चिकित्सक के साथ मरीजों को स्लाईन चढ़ाने से लेकर इंजेक्शन लगाने वाले कथित कंपाउडर भी चिकित्सक का बोर्ड लगाकर पग पग पर सुसज्जित निजी अस्पताल खोलने पर भारी भरकम राशि का व्यय किया है। इस हालात को संपूर्ण हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र के जपला, हैदरनगर व मोहम्मदगंज बाजार क्षेत्र के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में सहज देखा जाने लगा है। इन अस्पतालों के बेहतर व्यवसाय संचालित करने के लिये अनभिज्ञ नर्स, कर्मियों को भी महज दो से तीन हजार रुपये पारिश्रमिक पर रखा गया है। साथ ही किसी पंजीकृत चिकित्सक को साथ में हाइजैक अपने अपने अस्पतालों में किया जाता है, जो महीनों में एक दिन भी नहीं आते और उनके नाम पर अनगिनत मरीजों के विभिन्न रोगों में चिर-फाड़ (सर्जरी) तक करते हैं। इन अस्पतालों में किसी भी मरीज की हालात बिगड़ते ही इनके पास आगे निजी अस्पतालों में रेफर करने से लेकर इलाज कराने की सुविधा भी बहाल की गई है। उन्हें सहायक स्वास्थ्यकर्मी से व एंबुलेंस भी दिये जाते हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर इन अस्पतालों में कोई हादसा व हंगामा होने के बाद विभागीय अधिकारियों, पुलिस प्रशासन की गाड़ियों तक तत्काल दौड़ लगाना शुरू कर देती है। संबंधित कथित चिकित्सक फरार और कुछ दिनों के लिये उनके अस्पताल में ताला लग जाता है। किन्तु दुनिया से चल बसे किसी भी मरीजों के जान लौटाने का काम कियी भी स्तर से नहीं किया गया। होता यही आया है कि पहुंच, पैरवी व पैसों के मुआवजा के बल अधिकांश दिवंगत मरीजों के परिजनों पर दवाब बनाकर समझौता करा दिया जाता है। इतना ही इनके व्यवसाय को फलने फूलने के लिये संबधित अस्पतालों के प्रबंधन ने कई बिचौलियों को खड़ा कर रखा है। जो सरकारी अस्पतालों के आसपास भी प्रतिदिन मंडराते रहते हैं। उन्होंने कहा कि इनका काम मरीजों को प्रेरित कर निजी अस्पतालों तक पहुंचाना और संबधित अस्पतालों के कथित चिकित्सकों से इलाज का सौदा कराने तक होता है। इसके लिये उन्हें बंधी बंधाई पारिश्रमिक भी अस्पताल प्रबंधन की ओर से दी जाती है। उन्होंने कहा कि इससे संबधित विभागीय अधिकारी और प्रशासन इन अस्पतालों पर कर्तवयनिष्ठा व समर्पण भाव से नकेल नहीं कसी तो आये दिन कितने मरीजों की जान जाती रहेगी।

गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में 'इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप' आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर पीतांबरपुर। गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज पलामू में शुक्रवार को संस्थान नवाचार परिषद के तत्वावधान में एक ज्ञानवर्धक व उत्साहपूर्ण क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्रों को स्टार्टअप योजनाओं, हालिया तकनीकी प्रगति और बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे समसामयिक, नवाचार आधारित विषयों पर जागरूक करना और उनकी सोच को व्यावहारिक दृष्टिकोण देना था। प्रतियोगिता में छात्रों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया और अपने उत्कृष्ट ज्ञान व त्वरित निर्णय क्षमता का परिचय दिया। इस आयोजन के दौरान कॉलेज के अनेक प्रतिष्ठित शिक्षक व अधिकारी उपस्थित थे। निर्णायक मंडल में डॉ. मुरली मनोहर,डॉ. दीपेश कुमार, डॉ राजेश नारायण देव जैसे वरिष्ठ संकाय सदस्य सम्मिलित थे। जिन्होंने अपने अनुभवों से छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया। कॉलेज के अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर, प्राचार्य डॉ. संजय कुमार सिंह ने प्रतियोगिता में विशेष रूप से सहभागिता की और छात्रों को नवाचार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। डॉ. मुरली मनोहर ने अपने प्रेरणादायक भाषण में कहा कि आज का समय युवाओं के लिए स्टार्टअप एवं नवाचार की दिशा में कार्य करने का उपयुक्त अवसर है, और यदि कोई विचार उपयोगी है, तो उसे समाज के लिए उत्पादक पहल में बदला जा सकता है। प्राचार्य डॉ. संजय कुमार सिंह ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए इस प्रकार की प्रतियोगिताओं को शैक्षणिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बताया और नवाचार आधारित सोच को प्रोत्साहित किया।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना पर मुस्लिम समाज ने जताया दुख

नवीन मेल संवाददाता

पांकी। नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना के बाद से विभिन्न राजनीतिक व सामाजिक संगठनों द्वारा लगातार विरोध प्रदर्शन कर सरकार व प्रशासन से तत्काल इस घटना में संलिप्त सभी दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है। इस बीच पांकी में अब मुस्लिम समाज के लोगों ने भी इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार के साथ होने की बातें कही है। मुस्लिम समाज के प्रतिनिधि सह पूर्व मुखिया नेहाल अंसारी, अबुल हसन, आफताब आलम ,रबूज अंसारी सहित अन्य लोगों ने कहा कि यह घटना बेहद दुखद है। इस घटना में शामिल सभी दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना ना हो। उन्होंने कहा कि इस घटना में शामिल लोगों का सामाजिक बहिष्कार भी किया जाएगा। समाज में अपराधियों की कोई जगह नहीं होगी। उन्होंने प्रशासन से इस मामले की गहनता से जांच कर कार्रवाई करने की मांग की ताकी दोषी बचे नहीं और निर्दोष फंसे नहीं। इस दौरान मौके पर मुस्लिम समाज के दर्जनों लोग उपस्थित थे।

डीडीयू ग्रामीण कौशल योजना के तहत बेरोजगार युवाओं को ट्रेनिंग व जॉब का ऑफर

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत युवाओं को ट्रेनिंग और जॉब का ऑफर दिया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए जेएसएलपीएस के जॉब रिसोर्स पर्सन उदय कुमार ने बताया कि 1 लड़का कैंडिडेट जिसकी उम्र सीमा 18 से 35 वर्ष और शैक्षणिक योग्यता मैट्रिक पास या उससे ऊपर ट्रेड का हो उसे एंड्रायड मोबाइल, एलईडी टीवी स्किन बनाने का जॉब हरियाणा में उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें ड्यूटी की अवधि 12 घंटा होगी। एक वक्त का खाना और नाश्ता फ्री दिया जाएगा। आवासन की सुविधा कंपनी उपलब्ध कराएगी, लेकिन रुम का भाड़ा स्वयं कैंडिडेट को देना पड़ेगा। वेतन 23 हजार मिलेगा। नौकरी पर जाने के लिए कैंडीडेट को स्वयं से किराया अदा करना पड़ेगा। इसमें लगभग तीन हजार रुपए खर्च होगा। उन्होंने बताया कि 2 लड़की कैंडिडेट जिनकी उम्र सीमा 18 से 35 वर्ष और शैक्षणिक योग्यता मैट्रिक, आठवीं, पांचवी या उससे ऊपर भी हो, उन्हें वेतन 12500 की नौकरी तमिलनाडु के तिरुपुर एवं तिरछी में उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें कैंडिडेट को तीन टाइम भोजन और रहने की सुविधा बिलकुल फ्री मिलेगी। उन्हें सिलाई मशीन ऑपरेटर एवं कपड़ा पैकर की नौकरी करनी होगी। वहां जाने का खर्चा कंपनी खाना-पीना के साथ वहन कराएगी। उन्होंने बताया कि इनके अलावा रांची में प्रशिक्षण के बाद होटल मैनेजमेंट की लड़का एवं लड़की दोनों कैंडिडेट के लिए नौकरी उपलब्ध है।

फुलिया का डाकघर बंद रहने से ग्रामीण परेशान

ऊंटारी रोड़। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत फुलिया पंचायत के ग्राम फुलिया में स्थित डाकघर (पोस्ट ऑफिस) कई महीनों से बंद रह रहा है, जिससे ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि डाकघर महीने में केवल दो-चार दिन ही खुलता है और उस दौरान भी कोई निश्चित समय नहीं होता। स्टाफ की अनियमितता और गैर-जिम्मेदाराना रवैया ग्रामीणों के लिए चिंता का विषय बन गया है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार डाकघर के कर्मचारियों से इस बारे में समझाने की कोशिश की गई, लेकिन उन्हें कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला।

प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में बुलावा के लिए दिया जा रहा आमंत्रण पत्र

कार्यक्रम को अंतिम तैयारी देने में जुटे ग्रामीण

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। सनातनियों के पूज्य गुरुदेव त्रिदंडी स्वामी जी महाराज के परम शिष्य श्री लक्ष्मीप्रप्पन्न जीयर स्वामी जी महाराज के सान्निध्य में सहार विहरा में आयोजित 6 दिवसीय (19-24 मई) धार्मिक कार्यक्रम में बुलावा को लेकर आसपास के प्रमुख ग्रामीणों को आमंत्रण पत्र दिया जा रहा है। इसे लेकर सहार विहरा निवासी फुलेंद्र शर्मा, कौशलेंद्र शर्मा, अमित सहार सहित अन्य कई ग्रामवासी सक्रियता के साथ जुटे हुए हैं। आयोजन समिति के अध्यक्ष उमाशंकर शर्मा भट्ट, केके शर्मा उपाध्यक्ष, मानिक चंद शर्मा सचिव, अजीत शर्मा भट्ट कोषाध्यक्ष सहित अन्य ग्रामीण कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर तैयारी को अंतिम रूप दे रहे हैं। इस धार्मिक आयोजन को लेकर ग्रामीणों में उत्साह है। बताया गया कि कार्यक्रम को दिव्य और भव्य बनाने की कोशिश की जा रही है।

नवाह्नपारायण यज्ञ 17 से

नौडीहा। प्रखंड के करकटा पंचायत में 17 से 25 मई तक नवाह्नपारायण यज्ञ का आयोजन किया गया है। यज्ञ में देश के विभिन्न जगहों से कथा वाचक पधार रहे हैं। यह जानकारी यज्ञ कमेटी के अध्यक्ष रामबली पासवान ने दी। उनहेंने बताया कि इस यज्ञ में जगत गुरु रामानुजन आचार्य, अनुरागी जी महाराज व अंतर्राष्ट्रीय संगीत कथा वाचक शिवम शुक्ला जी महाराज पधारेंगे।

कुलसुम ने 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रौशन किया

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। बेटियां, पिता के दिल की धड़कन होती है और पिता का अभिमान भी। आज इसे चरितार्थ कर दिखाया है उर्दू मध्य विद्यालय बुधुआ बाजार के प्रधानाध्यापक इकबाल अहमद की पुत्री उम्मे कुलसुम ने। उम्मे कुलसुम ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा आयोजित एमएएच-एमसीए सीईटी 2025 मे 99 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। उम्मे कुलसुम की इस सफलता पर उनके माता पिता के साथ शिक्षक समाज भी काफी आह्लादित है। अजाप्टा के सोशल मीडिया प्रभारी पलामू प्रमंडल राजेश कुमार गुप्ता, प्रखंड अध्यक्ष जुबैर अंसारी, सचिव निर्मल कुमार, प्रखंड कार्यकारिणी के सक्रिय सदस्यों में मनोज कुमार चौधरी, प्रमोद पासवान, महेंद्र बैठा, जितेंद्र राम सहित दर्जनों शिक्षकों ने सफल होने वाली बच्ची व उनके माता पिता को बधाई दी है।

कैरम प्रतियोगिता में गुनगुन व शीतल प्रखंड चैंपियन बनी

नौडीहा। प्रखंड के पीएम श्री हाई स्कूल के छात्र-छात्राओं ने प्रथम टैलेंट कैरम जिला स्तरीय प्रतियोगिता में गुनगुन कुमारी, शीतल कुमार जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में उपविजेता बनी। प्रखंड स्तर पर दोनों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता पलामू जिला स्कूल में आयोजित की गई थी। कोच आनंद के नेतृत्व में यह उपलब्धि प्राप्त हुई। स्कूल के प्राचार्य रोहित कुमार ने विजयी छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

चेहरा प्रमाणीकरण में लापरवाही पर महिला पर्यवेक्षिकाओं का वेतन स्थगित

- आंगनबाड़ी सेविकाओं का भी रुकेगा मानदेय, योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा को लेकर उप विकास आयुक्त सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त शशि रंजन के निर्देश पर आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने की। बैठक में समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान समेत सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में चेहरा प्रमाणीकरण एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की प्रगति असंतोषजनक पाई गई। नीलांबर-पीतांबरपुर परियोजना को छोड़ बाकी सभी परियोजनाओं की महिला पर्यवेक्षिकाओं का वेतन अगले आदेश तक स्थगित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही 22 मई तक 70% एवं 31 मई तक 100% चेहरा प्रमाणीकरण पूरा करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 70% से कम उपलब्धि वाले पर्यवेक्षिकाओं का वेतन भी स्थगित करने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही 25 मई तक 100% लक्ष्य प्राप्त करने और 30 मई तक सभी लाभुकों की प्रविष्टि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि चेहरा प्रमाणीकरण व मातृ वंदना योजना के कार्यों में शिथिलता बरतने वाली आंगनबाड़ी सेविकाओं का मानदेय भी रोका जाएगा। संबंधित सेविकाओं की सूची जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिले के 2625 आंगनबाड़ी केंद्रों में 37 सेविका और 264 सहायिका पद रिक्त हैं। पाटन, डालटनगंज ग्रामीण और तरहसी परियोजना पदाधिकारियों द्वारा अब तक चयन की सूचना प्रकाशित नहीं किए जाने पर नाराजगी जताई गई।

दो दिनों के भीतर आमसभा की सूचना प्रकाशित करने के निर्देश दिए गए। किराए के भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों में बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित करने और सरकारी भवनों वाले केंद्रों में एक सप्ताह के भीतर विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं जलापूर्ति और शौचालय सुविधा सुनिश्चित करने को लेकर पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से समन्वय का निर्देश दिया गया।

पाटन प्रखंड में योजनाओं की समीक्षा अतिक्रमण हटाने व पारदर्शिता पर जोर

जनहित के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी: राधा कृष्ण किशोर

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। राज्य के वित्त, वाणिज्यकर, योजना एवं संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने शुक्रवार को पाटन प्रखंड सभागार में प्रखंड और अंचल स्तर पर संचालित योजनाओं की समीक्षा की। बैठक के दौरान अंचल क्षेत्र में भूमि से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान दिया गया।

मंत्री ने कहा कि कई क्षेत्रों में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण की शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने अंचल अधिकारी को निर्देश दिया कि चिन्हित अतिक्रमित भूमि को मुक्त कराते हुए अतिक्रमण शून्य स्थिति सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने हल्का कर्मचारियों के सरकारी आवास में निवास नहीं करने पर नाराजगी जताई। कहा कि सभी हल्का कर्मचारी अपने-अपने हल्का क्षेत्र में बने सरकारी आवास में ही रहें, यह सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए जाने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

बैठक में म्यूटेशन, जाति प्रमाण पत्र, सीमांकन, दोहरी जमाबंदी जैसे विषयों की समीक्षा करते हुए सभी लंबित कार्यों को समयबद्ध ढंग से निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। मंत्री ने स्पष्ट किया कि जनहित के कामों में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना और अबुआ आवास योजना की समीक्षा करते हुए उन्होंने पारदर्शिता पर विशेष जोर दिया। कहा कि योजनाओं का लाभ केवल पात्र लाभुकों को ही मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। अपात्र व्यक्तियों को लाभ मिलने की स्थिति पर रोक लगाने की बात भी कही।

बैठक के दौरान मंत्री ने कहा कि गरीबों को उनका अधिकार सरलता से मिले, यही सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने अधिकारियों को जिम्मेदारी से कार्य करने की अपील की, ताकि योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक पहुंच सके।

बैठक में शामिल अधिकारी और प्रतिनिधि

इस मौके पर भू-अर्जन सह भू-अभिलेख निदेशक भोर सिंह यादव, उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, ग्रामीण विकास विभाग के अवर सचिव सज्जाद अहमद, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, बीडीओ, सीओ समेत जिला स्तरीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि और प्रखंडकर्मी उपस्थित थे।

वार्ड 21 में अवैध कनेक्शन के खिलाफ कार्रवाई, नगर निगम ने जब्त की चार मोटर

- पानी चोरी के आरोप में चार लोगों पर दस-दस हजार रुपये का जुर्माना, आगे की कार्रवाई की चेतावनी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। नगर निगम की पाइपलाइन टीम ने शुक्रवार को वार्ड संख्या 21 में कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से जल आपूर्ति लाइन से पानी खींचने के आरोप में चार मोटर जब्त किए हैं। यह कार्रवाई नगर आयुक्त जावेद हुसैन के निर्देश पर पाइपलाइन निरीक्षक छोटे लाल गुप्ता के नेतृत्व में की गई।

जब्त मोटर नवकेतन सिनेमा रोड से नीचे की ओर जाने वाली गली में रामप्रसाद साहू, विजय प्रकाश, युगल किशोर सिंह और सुरेंद्र ठाकुर के आवास से बरामद किए गए। निगम की टीम ने इन सभी पर मोटर के माध्यम से नगर निगम की जलापूर्ति लाइन से अवैध रूप से पानी चोरी करने का आरोप लगाया है।

13 लोगों के खिलाफ हो चुकी है कार्रवाई : नगर निगम से मिली जानकारी के अनुसार, अब तक कुल 13 लोगों के खिलाफ पानी चोरी के मामले में मोटर जब्त की जा चुकी है। शुक्रवार को की गई कार्रवाई के अंतर्गत चार लोगों पर दस-दस हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। निगम ने चेतावनी दी है कि यदि संबंधित व्यक्ति समय पर जुर्माना नहीं भरते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई में शामिल रहे निगमकर्मी : इस अभियान में नमित शाह, विवेक दुबे, मिथुन कुमार, अजय यादव, गुड्डू कुमार सहित कई निगमकर्मी शामिल रहे। निगम ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान आगे भी अन्य वार्डों में जारी रहेगा ताकि जल आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त किया जा सके और अवैध कनेक्शन पर रोक लगाई जा सके।

251 बर्खास्त अनुसेवकों ने वित्त मंत्री से मुलाकात कर जताया आभार

- कैबिनेट बैठक में मुद्दा उठाने पर जताई उम्मीद, सेवा में बहाली को लेकर दिखी सकारात्मकता

मेदिनीनगर। विज्ञापन संख्या 01/2018 के तहत नियुक्त 251 अनुसेवकों की सेवा रद्द होने के बाद अब उनकी बहाली की उम्मीदें फिर से जागी हैं। सुप्रीम कोर्ट में लंबित सिविल अपील संख्या (ए) 13952/2024, 13953/2024, 13954/2024 एवं 13955/2024 में 10 फरवरी 2025 को पारित आदेश के आलोक में उपायुक्त, पलामू ने 1 मार्च 2025 को उक्त विज्ञापन को रद्द कर दिया था, जिससे ये अनुसेवक प्रभावित हुए। इस निर्णय से प्रभावित 251 अनुसेवक हाल ही में राज्य के वित्त मंत्री के मेदिनीनगर के नई मुहल्ला स्थित आवास पर पहुंचे। उन्होंने मंत्री को माला पहनाकर और गुलदस्ता भेंट कर आभार व्यक्त किया। अनुसेवकों ने कहा कि मंत्री ने उनकी बात को गंभीरता से लिया और यह आश्वासन दिया कि वे इस मुद्दे को मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और कैबिनेट बैठक में प्रमुखता से उठाएंगे। इससे बर्खास्त अनुसेवकों और उनके परिवारों में एक नई उम्मीद जगी है। अनुसेवकों ने कहा कि उन्हें आशा है कि मंत्री उनके प्रति प्रतिबद्ध रहेंगे और पुनः सेवा में बहाली के प्रयास जारी रखेंगे। मुलाकात के दौरान उपस्थित प्रमुख अनुसेवकों में विवेका कुमार शुक्ला, सुधाकर दुबे, अनिल कुमार शुक्ला, अश्वनी कुमार शुक्ला, उपेंद्र कुमार पासवान, पुरुषोत्तम शुक्ला, राकेश कुमार, विकास कुमार शुक्ला, शशिकांत कुशवाहा, अक्षय कुमार, दीपक कुमार पांडे, राजकुमार, शैलेश राय, ललन कुमार, ददन कुमार, अरुंजय कुमार साहू, नागेंद्र कुमार, अनुज कुमार, राकेश कुमार चौरसिया, अरुण कुमार सिंह, उमेश यादव, दिनेश राय समेत कई अनुसेवक शामिल थे।

भीषण गर्मी के बीच चिकनपॉक्स के मरीजों में बढ़ोतरी अलगाव व सावधानी रख इलाज करने की सलाह

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। भीषण गर्मी के कारण जिले के कई क्षेत्र से लू लगने की शिकायत के बीच चिकन पॉक्स के मामले में बड़ी संख्या में वृद्धि हुई है। बताते चले कि मेदिनी राय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रतिदिन चिकन पॉक्स से पीड़ित पांच से दस मरीज पहुंच रहे हैं।अधिकतर अनुमंडलीय अस्पताल व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भी कमोबेश यही हाल है। इनमें बड़े से लेकर बड़े तक शामिल है हालांकि यह समस्या अत्यधिक बच्चों के बीच देखी जा रही है। बताते चलें कि चिकन पॉक्स बुखार और दाने के साथ शुरू होती है, जो बाद में खुजली वाले चकत्ते में बदल जाते हैं।आमतौर पर 15 दिनों के अंदर चला जाता है लेकिन चिकन पॉक्स अधिक खतरनाक रूप न धारण करें इसके लिए काफी सावधानी बरतनी पड़ती है। इसमें सबसे अधिक अलगाव व आराम करने की आवश्यकता होती है हालांकि इसके ठीक होने के बाद भी इसमें हुए दाग के मिटने में काफी समय लगता है।

वैक्सीन नहीं लेने वालों में समस्या अधिक : डॉ.आर के रंजन की मानें तो चिकन पॉक्स वैक्सीन नहीं लेने वाले बच्चों में यह समस्या अधिक देखने को मिलती है अगर बचपन में ही यह वैक्सीन दे दी जाए तो इस तरह की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता।आमतौर पर वैक्सीन लेने वाले को चिकन पॉक्स नहीं होता, अगर हो जाए तो इसका असर कम होता है।हालांकि एक बार अगर किसी को चिकन पॉक्स हो जाए तो वह जीवन में दूसरी बार कभी नहीं होता।

सरकारी अस्पतालों में चिकन पॉक्स वैक्सीन अनुपलब्ध : स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिले के सरकारी अस्पतालों में चिकन पॉक्स वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। सरकारी प्रक्रिया के तहत इस वैक्सीन को नहीं रखा गया है जिस कारण सरकारी स्वास्थ्य केदो में यह मौजूद नहीं। चुकी यह जानलेवा बीमारी नहीं है इस कारण इसे सरकारी अस्पताल में नहीं रखा गया हालांकि निजी स्वास्थ्य केदो में चिकन पॉक्स में वैक्सीन आसानी से मिलते हैं लेकिन इस वैक्सीन के लिए मोटी रकम चुकानी पड़ती है।

कई परिवार चिकन पॉक्स से पीड़ित : शाहपुर के एक परिवार के सदस्यों ने नाम नहीं छापने के साथ पर बताया कि उनके परिवार में पांच लोगों को अब तक चिकन पॉक्स हो चुका है।जिनमें दो लोग ठीक हो चुके हैं हालांकि तीन लोग अब भी इससे पीड़ित है। निमिया के रहने वाले अजय पांडेय ने बताया कि उनके घर के सभी चार सदस्य वर्तमान में चिकन पॉक्स से पीड़ित हो चुके हैं। मिली जानकारी के अनुसार चैनपुर के करसो गांव में चिकन पॉक्स की समस्या धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है और यहां के दो दर्जन लोग इससे पीड़ित हो चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग को इस ओर संज्ञान लेना चाहिए।

वाहन चेकिंग अभियान, 11 बाइक जब्त, कुल 57, 561 रुपये का जुर्माना

- बिना हेलमेट, लाइसेंस व शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर प्रशासन की सख्ती

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के छः मुहान चौक पर जिला परिवहन कार्यालय एवं पुलिस प्रशासन की ओर से विशेष वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। जांच के क्रम में कई दोपहिया वाहन चालक आरटी बिना हेलमेट एवं बिना लाइसेंस के पाए गए। नियमों का उल्लंघन करने वाले 11 दोपहिया वाहनों को जप्त कर शहर थाना परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया है। वहीं, बीती रात एक मिनी ट्रक चालक को शराब के नशे में वाहन चलाते हुए पकड़ा गया। उसके विरुद्ध चालान काटकर फाइन के लिए भेजा गया है।

जिला परिवहन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 16 मई 2025 को कुल 15 दोपहिया वाहनों का चालान काटा गया, जिससे कुल 24,000 की फाइन राशि वसूलने के लिए भेजी गई है। इसके अतिरिक्त, शराब पीकर गाड़ी चला रहे दो बाइक चालकों का चालान भी काटा गया, जिनसे 33,561 की फाइन राशि निर्धारित की गई है। इस प्रकार कुल 57,561 की फाइन राशि वसूलने के लिए चालान जिला परिवहन विभाग द्वारा जारी किया गया है।

गर्मी बढ़ी पर देसी फ्रीज की नहीं बढ़ी मांग, घड़े-सुराही की बिक्री ठप

- बाजार में सजी मिट्टी के बर्तनों की दुकानें, कुम्हारों को लागत निकालने की चिंता

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। गर्मी अपने चरम पर है, लेकिन बावजूद इसके देसी फ्रीज कहे जाने वाले घड़े और सुराही की बिक्री में खास उछाल नहीं देखा जा रहा है। मुख्य बाजार स्थित घड़ा पट्टी समेत शहर के कई हिस्सों में घड़े-सुराही की दुकानें सज चुकी हैं, मगर खरीदारों की संख्या बेहद कम है। इससे मिट्टी के बर्तन बेचने वाले दुकानदारों और कुम्हारों में मायूसी है। स्थानीय दुकानदार दीपक प्रजापति ने बताया कि इस साल गर्मी देर से शुरू होने के कारण बिक्री पर बुरा असर पड़ा है। पहले जहां गर्मी की शुरुआत के साथ ही लोग बड़ी संख्या में घड़े और सुराही खरीदते थे, वहीं अब बिजली और फ्रिज की पहुंच बढ़ने से इनकी मांग लगातार घटती जा रही है। पुराने समय में लोग न सिर्फ घरों में बल्कि यात्राओं में भी सुराही साथ लेकर चलते थे। लेकिन बोतलबंद पानी और फ्रिज के चलन ने इस परंपरा को लगभग खत्म कर दिया है।

डॉक्टरों की मानें तो घड़े के पानी को पीना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है, फिर भी लोग आधुनिक साधनों की ओर ज्यादा आकर्षित हैं। शहर में इन दिनों नल लगे मिट्टी के घड़े 150 से 180 रुपये, बिना नल वाले छोटे घड़े 50 रुपये, माध्यम आकार के 100 रुपये और बड़े घड़े 130 रुपये में बिक रहे हैं। सुराही की कीमत 100 से 150 रुपये के बीच है।

घड़े-सुराही बेचने वाली सुगनी कुंवर बताती हैं कि वह ये बर्तन नेउरा, चियांकी, रजवाडीह और लेस्लीगंज से खरीदकर लाती हैं। इस बार उन्हें चिंता है कि कहीं उनकी लागत भी न फंसी रह जाए। कारीगरों की संख्या भी घट रही है क्योंकि इस पेशे में अब आय की संभावना सीमित होती जा रही है।

स्थानीय कारीगरों पर भी संकट

बिक्री में गिरावट से मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कुम्हारों की आमदनी पर सीधा असर पड़ा है। मांग घटने के कारण अब बहुत से कारीगर या तो पेशा छोड़ चुके हैं या फिर किसी वैकल्पिक रोजगार की तलाश में हैं। ऐसे में देसी परंपरा से जुड़ा यह शिल्प और व्यवसाय दोनों ही संकट में हैं।

2जी ई-पॉस मशीनों से हो रहा राशन वितरण 4जी अपग्रेड नहीं होने से लाभुकों को परेशानी

मेदिनीनगर। पलामू जिले के लगभग 1500 जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानों में अभी भी पुरानी 2जी ई-पॉस मशीनों का उपयोग किया जा रहा है, जिससे राशन वितरण व ई-केवाईसी प्रक्रिया में भारी कठिनाइयाँ उत्पन्न हो रही हैं। राज्य सरकार द्वारा बीते वर्ष 4जी ई-पॉस मशीनों को लागू करने की घोषणा के बावजूद अब तक इसे धरातल पर लागू नहीं किया जा सका है। विदित हो कि फरवरी 2024 में तत्कालीन मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने राज्य में राशन वितरण व्यवस्था को सुचारु और पारदर्शी बनाने हेतु सभी पीडीएस दुकानों में 4जी ई-पॉस मशीन लगाने की पहल की थी।

एफपीओ सदस्यों ने चलाया स्वच्छता अभियान

मेदिनीनगर। झारखंड राज्य कोऑपरेटिव बैंक एवं राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के निर्देश पर जिले के कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ) द्वारा एक दिवसीय स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान में एफपीओ से जुड़े सदस्यों और किसानों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। स्वच्छता कार्यक्रम के तहत रेडमा दक्षिणी एफपीओ कार्यालय से लेकर हवाई अड्डा रोड तक सफाई अभियान चलाया गया। इस दौरान आम लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया और यह भरोसा दिलाया गया कि एफपीओ जरूरत पड़ने पर सामाजिक अभियानों में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा। एफपीओ की यह पहल न सिर्फ क्षेत्र की साफ-सफाई में योगदान है, बल्कि इससे ग्रामीणों में जागरूकता का संचार भी हुआ है। एफपीओ की इस सामाजिक भागीदारी को स्थानीय लोगों ने सराहा।

पीएम श्री स्कूल कांडा में 'बिरसा मुंडा लर्निंग फेस्टिवल' का आयोजन

- समरसता को लेकर विद्यार्थियों ने दी प्रभावशाली प्रस्तुतियां

नवाबाजार। पीएम श्री स्तोरण्नत्त प्लस टू उच्च विद्यालय कांदा में शुक्रवार को सांस्कृतिक बदलाव कार्यक्रम सह 'बिरसा मुंडा लर्निंग फेस्टिवल' एवं 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बीडीओ रेनू बाला, प्रमुख विद्या देवी सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

छात्राओं ने सुस्वागतम नृत्य के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन छात्र नीतीश कुमार और राजकुमार ने शिक्षिका मेहनाज के निर्देशन में किया। विद्यालय परिवार की ओर से सभी अतिथियों को पौधा भेंटकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता, गर्व और सामाजिक समरसता की भावना को प्रोत्साहित करना था। यह आयोजन नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत पीएम श्री योजना के तहत किया गया, जिसमें मनोरंजन के साथ-साथ सांस्कृतिक मूल्यों को भी उजागर किया गया। बीडीओ रेनू बाला ने कहा कि सरकारी विद्यालयों में इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होना एक सराहनीय पहल है। इससे बच्चों को विभिन्न संस्कृतियों को समझने और आत्मविश्वास के साथ मंच पर आने का अवसर मिलता है। प्रमुख विद्या देवी ने झारखंड की सांस्कृतिक विरासत और नृत्य कला की सराहना की। राजद प्रखंड अध्यक्ष उपेंद्र चौधरी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्रों को अपनी कला, इतिहास और विरासत को जानने का मौका मिलता है। गिरजा राम ने इसे सामाजिक कौशल, टीमवर्क और संचार कौशल के विकास से जोड़ते हुए विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। प्रधानाध्यापक ने धन्यवाद ज्ञापन में बताया कि कार्यक्रम में प्रस्तुत आदिवासी लोकनृत्य 'जंगल रखवाला' सहित विभिन्न नाट्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सबको अपनी विरासत पर गर्व करने का अवसर दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शिक्षक, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष संतोष सिंह और अभिभावकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

छात्राओं को किया गया जागरूक, बताया गया हेल्पलाइन नंबर व अधिकारों की जानकारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पुलिस अधीक्षक महोदया के निर्देशानुसार शुक्रवार को महिला थाना प्रभारी एवं उनकी टीम द्वारा सी.एम. स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (गर्ल्स) के.जी. स्कूल, मेदिनीनगर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में छात्राओं को पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी दी गई और इनके सही उपयोग के बारे में विस्तार से समझाया गया। पलामू पुलिस द्वारा आयोजित इस अभियान में पोस्टर के माध्यम से गुड टच और बैड टच की अवधारणा स्पष्ट की गई।

इस दौरान छात्राओं को नशा पान के दुष्परिणाम, यौन शोषण से बचाव, बाल विवाह, दहेज प्रथा, जातिवाद, छुआछूत और डायन प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूक किया गया। महिला सशक्तिकरण पर भी चर्चा करते हुए उन्हें उनके अधिकारों से अवगत कराया गया।

साथ ही सोशल मीडिया व मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से होने वाले नुकसान बताए गए तथा शिक्षा के महत्व को समझाते हुए छात्राओं को पढ़ाई के प्रति प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं स्टाफ से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई।

आपसी मारपीट में एक पक्ष के तीन लोग घायल

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। खरौंधी थाना क्षेत्र अंतर्गत गटीयरवा गांव में गुरुवार की रात दो पक्षों के बीच हुई मारपीट की घटना में एक पुरुष व दो महिला समेत कुल तीन लोग घायल हो गए। घायलों में रामप्रीत पासवान, उसकी पत्नी सुनीता देवी, पुत्री नीरज कुमारी का नाम शामिल है। उक्त सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवनाथपुर में भर्ती कराया गया है। अस्पताल में इलाजरत रामप्रीत पासवान ने बताया कि सात मई को मेरी बेटी के बारात आई थी। द्वारपूजा के दौरान मेरे गोतिया ब्रजेश पासवान, दिनेश, शिवकुमार, टुनटुन पासवान, सुदर्शन पासवान, जोगेंद्र पासवान व दीपक पासवान ने बारातियों पर पत्थरबाजी करने लगे। वहां अन्य लोगों द्वारा उन्हें खदेड़े जाने पर देख लेने की धमकी दिया था। बताया कि पिछले तीन दिनों से वे लोग गाली गलौज कर रहे थे। गुरुवार की रात भी उपरोक्त लोग गाली गलौज कर रहे थे। जब वह उन लोगों को गाली गलौज करने से मना किया तो उक्त सभी एकजुट होकर लाठी, डंडे से लैस होकर घर में घुस गए और मारपीट कर सभी को घायल कर दिया।

बेकाबू हाथी सड़क पर दिखा युवक ने भाग कर बचायी जान

वन विभाग ने ग्रामीणों से सर्तक रहने की अपील की

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। थाना क्षेत्र के तहले टांडिल मुख्य मार्ग पर शुक्रवार की शाम 5:30 बजे एक हाथी के अचानक सड़क पर आ जाने से ग्रामीणों ने भय व्याप्त है। हाथी को सड़क पर देखते ही राह चलते लोगों की रफ्तार थम गई। इस दौरान अपने घर लौट रहे हेताड कला पंचायत के मुखिया का बेटा राजू परहिया हाथी का शिकार बनते किसी तरह बचा। राजू अपनी मोटरसाइकिल पर थे। तभी

हाथी अचानक जंगल से निकल कर सड़क पर आ गया। खतरा को देखते हुए राजू ने किसी तरह सूझबूझ का परिचय देते हुए मोटरसाइकिल को वहीं छोड़ भाग कर अपनी जान बचायी। बाद में हाथी ने उनकी मोटरसाइकिल के कुछ भाग को क्षतिग्रस्त कर दिया। हाथी कुछ देर तक सड़क पर घुमता रहा। इस घटना के बाद से ग्रामीणों में डर का माहौल है। लोग सहमे हुए हैं और हाथी के फिर से लौट आने की आशंका से चिंतित हैं। बच्चों और बुजुर्गों को घर से बाहर निकलने से मना कर दिया गया है। वन विभाग के प्रभारी वनपाल अनिमेष कुमार ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने बताया कि विभाग की टीम हाथी की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है और उसे सुरक्षित रूप से जंगल की ओर लौटाने के प्रयास किए जा रहा हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस तरह की घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए स्थायी उपाय किया जाया, ताकि सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

न्यूज बॉक्स

पीएलवी के प्रयास से दिव्यांग का बना प्रमाण पत्र

रंका। जिला विधिक सेवा प्राधिकार की निभा रंजना लकड़ा के निर्देश पर शुक्रवार को रंका प्रखंड के विश्रामपुर पंचायत के पीएलवी राजेश कुमार चौधरी,सीनियर पीएलवी कृष्णानंद दुबे ने जागरूकता अभियान के तहत विकलांग मनोज एक्का का प्राथमिक उपचार कराया और उसका दिव्यांग सार्टिफिकेट बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगों को मानसिक व सामाजिक रूप से सहयोग करने की जरूरत है। मनोज एक्का अकेला ही गरीबी और भुखमरी से जूझ रहा हैं। हर युवा को सहयोग करने और दिव्यांग का शुभचिंतक बनने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। सीनियर पीएलवी कृष्णानंद दुबे के नेतृत्व में सबसे पहले ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा गया था। इसके बाद आवेदन के अनुसार सदर अस्पताल परिसर स्थित संबंधित कार्यालय में शारीरिक जांच के लिए मनोज एक्का को विश्रामपुर के मुंडा टोली से लाकर गढ़वा सदर अस्पताल में सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार से संपर्क कर उनके द्वारा दिव्यांग को रिजर्व गाड़ी के माध्यम से सदर अस्पताल लाकर प्रमाण पत्र बनाया गया। सीनियर पीएलवी ने कहा कि प्रत्येक परिवार को विभिन्न योजना और लाभों से जोड़ा जाएगा।

जिप सदस्य ने नाली मरम्मत कार्य का शिलान्यास किया

भवनाथपुर। अरसली उत्तरी पंचायत में शुक्रवार को नाली मरम्मत व नाली सफाई कार्य का शुभारंभ जिला परिषद सदस्य रंजनी कुमारी उर्फ रंजनी शर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना और नारियल फोड़कर किया गया। यह नाली मरम्मत व सफाई कार्य जिला परिषद के 15वें वित्त योजना के अंतर्गत दुर्गा मंदिर से तालाब तक कराया जाएगा, जिसकी लागत दो लाख 50 हजार रुपये है। मौके पर रंजनी शर्मा ने कहा कि वह अपने क्षेत्र में विकास कार्यों को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करा रही हैं, ताकि आम लोगों को मूलभूत सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि नाली निर्माण से गांव में जल जमाव की समस्या से मुक्ति मिलेगी और स्वच्छता को भी बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर पूर्व 20 सूत्री अध्यक्ष बृजेश सिंह, झारखंड मुक्ति मोर्चा की पूर्व महिला अध्यक्ष जसवंत देवी, लालसा देवी, मिथिलेश चौरसिया, रविंद्र नाथ शर्मा, उदय गुप्ता, पूर्व उप मुखिया शिव विश्वकर्मा, पंचायत अध्यक्ष सत्यनारायण भुइयां, कसमुद्दीन अंसारी, नौशाद खान, संजय ठाकुर, दिनेश ठाकुर, हीरामन राम, विशाल साहू, इमामुद्दीन अंसारी व अकबर अंसारी सहित कई ग्रामीण शामिल थे

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मझिगांवा में बच्चों के बीच पुस्तक व बैग का वितरण

खरौंधी। प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय मझिगांवा में शुक्रवार को एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों के बीच पुस्तक और स्कूल बैग का वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मुहब्बत हुसैन और विद्यालय के प्रधानाध्यापक कामेश्वर प्रसाद सिंह ने संयुक्त रूप से वितरण कार्य किया। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी विद्यार्थियों में उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। पुस्तक व बैग प्राप्त कर बच्चों के चेहरे पर मुस्कान साफ झलक रही थी। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष मुहब्बत हुसैन ने कहा कि शिक्षा ही जीवन का असली आधार है।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में युवक घायल, रेफर

रंका। प्रंखड के एन एच 343 लरकोरिया मुख्य सड़क पर बाइक से गिरकर ग्रामीण घायल हो गया। उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। घायल की पहचान मदगड़ी के 35 वर्षीय सत्येंद्र यादव के रूप में हुई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा मोहम्मद इश्तियाक ने प्राथमिक उपचार करने के बाद बेहतर इलाज के लिए गढ़वा रेफर कर दिया। युवक मदगड़ी से अपने घर रंका प्रखंड के उंचरी गांव आ रहा था। लरकोरिया मुख्य सड़क के गड्ढे में बाइक गिर जाने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

झाड़ फूंक कराने में बच्ची की मौत

श्री बंशीधर नगर। राज्य सरकार एक तरफ जहां अंधविश्वास को लेकर जागरूकता अभियान चला रहा है, वहीं दूसरी तरफ अंधविश्वास के चक्कर में शुक्रवार की सुबह एक नौ वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। घटना थाना क्षेत्र के गरबांध गांव का है। 10 दिन पूर्व उक्त गांव के पाटगढ़ निवासी सुरेन्द्र उरांव की नौ वर्षीय पुत्री अंजनी कुमारी की दस्त और उल्टी प्रारंभ हो गया। बच्ची के पिता ने गांव के झोला छाप डाक्टर से इलाज कराया। इलाज के बाद सुधार नहीं होने पर मृतिका के पिता ने अच्छे चिकित्सक से दिखाने के बजाय झाड़ फूंक कराना प्रारंभ कर दिया। झाड़ फूंक के बाद भी सुधार नहीं होने पर गांव से सटे उतर प्रदेश के इलाके में जाकर इलाज कराने के बजाय बताए अनुसार झाड़ फूंक कराते रहा। शुक्रवार को स्थिति बिगड़ने पर परिजन ने इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो गई।

कमांडर ने बाइक में मारी टक्कर, तीन घायल

भवनाथपुर। खरौंधी मुख्य पथ के मकरी बरवा बांध के समीप कमांडर द्वारा पीछे से बाइक में धक्का लगने से बाइक पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि घायल अवस्था में तीनों घायलों को उक्त कमांडर से भवनाथपुर सीएचसी में इलाज के लिए भर्ती कराकर कमांडर चालक फरार हो गया। घायलों में चंद्रावती देवी पति महेंद्र राम, पुत्र गोविंद राम, भतीजा बबलू कुमार पिता शिव पूजन राम सभी खरौंधी बजार मरवा के निवासी है। शुक्रवार को एक ही बाइक पर सवार होकर खरौंधी से भवनाथपुर आ रहे थे। इस बीच मकरी बरवा बांध के तीखे मोड पर पीछे से कमांडर चालक द्वारा धक्का लगने से तीनों लोग घायल हो गए। उक्त कमांडर मकरी निवासी रामदयाल यादव का बताया जा रहा है, जो शादी की बारात में बुकिंग के लिए जा रही थी।

स्वास्थ्य विभाग का 108 एंबुलेंस खराब, मरीजों की बढ़ी परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

डंडई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डंडई का 108 एंबुलेंस अस्पताल से 1 किलोमीटर की दूरी पर पिछले महीने से एक झाड़ी में पड़ा है। बताया जाता है कि खराब हो जाने के बाद उक्त एंबुलेंस को अस्पताल से सटे एक झाड़ी में खड़ा कर छोड़ दिया गया है। पूछने पर एंबुलेंस चालकों ने बताया कि एंबुलेंस खराब हो जाने की जानकारी दर्जनों बार कंपनी के मालिकों को दिया, लेकिन उनके द्वारा उस पर किसी भी तरह का पहल नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि एंबुलेंस बहुत दिनों से खराब था, लेकिन उसी हालत में हम सभी किसी तरह उसे धीरे-धीरे चलाते गए, लेकिन उसके बाद उक्त एंबुलेंस की स्थिति ऐसी हो गई कि वह 100 200 फीट चलने लायक भी नहीं रह गया। थक हार कर हम लोगों ने उसे अस्पताल परिसर में खड़ा कर छोड़ दिया। 108 एंबुलेंस खराब रहने का असर सीधे तौर पर प्रखंड क्षेत्र के मरीजों के ऊपर पड़ रहा है। आकस्मिक घटना या दुर्घटना के बाद प्राथमिक उपचार को लेकर न तो उन्हें डंडई अस्पताल तक लाया जा पा रहा है, और ना ही उन्हें बाहर के ही अस्पताल ले जाया जा रहा है। नतीजन दूसरे व तीसरे वाहन की खोजबीन करते तक मरीजों की जान चली जा रही है। डंडई थाना के पास टेंपो और दोपहिया वाहन की हुई टक्कर की घटना सका एक उदाहरण बनकर रह गया है। थाना पर हुई घटना के बाद सभी मरीजों को प्राथमिक उपचार के लिए किसी तरह डंडई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया था, लेकिन यहां से उन्हें बाहर ले जाने के लिए एंबुलेंस की उपलब्धता नहीं होने के कारण दूसरे तीसरे निजी वाहन की खोजबीन करते तक उनमें से एक मरीज की जान चली गई थी। जबकि तीन अन्य मरीजों को निजी वाहन के माध्यम गढ़वा सदर भेजा गया था। उक्त घटना के बाद भी विभागीय अधिकारियों की अभी तक नींद नहीं खुली है। प्रमुख कांति देवी ने बताया कि डंडई सीएससी की हालत बिलकुल खराब हो गई है। अस्पताल का 108 एंबुलेंस महीनों से झाड़ी में पड़ा है।

सरकारी विद्यालय का पुस्तक ले जा रहा वाहन पलटा, शिक्षक घायल

नवीन मेल संवाददाता

रमना। बरहिया उच्च विद्यालय के लिए पुस्तक लेकर जा रहा कमांडर बाबुडीह बुल्का निमार्णाधीन सड़क मार्ग पर सुनसान रास्ते पर गड्ढ़ मोड़ के पास शुक्रवार को 15 फीट गहरे खेत में पलट गया। दुर्घटना में बरहिया उच्च विद्यालय के प्रधान सहायक अध्यापक रामलखन बैठा का सिर फट से वह गंभीर रूप से घायल हो गये। विद्यालय से वापस लौट रहे एक शिक्षकों की नजर इस घटना पर पड़ी तब घायल शिक्षक को इलाज के लिए नजदीकी चिकित्सा केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। इस घटना को लेकर शिक्षकों में काफी नाराजगी थी। उनका कहना था कि शिक्षकों का काम छात्रों को शिक्षा देना है, लेकिन विभाग के सभी काम शिक्षकों से ही कराया जाता है। प्रखंड संसाधन केंद्र द्वारा विद्यालय में बच्चों के लिए उपलब्ध पठन-पाठन सामग्री कभी भी विद्यालय तक नहीं पहुंचता है। इसके लिए विद्यालय के प्रधान शिक्षक को ही जाना पड़ता है। घटना के बाद पुस्तकलेकर जा रही कमांडर घायल अध्यापक और पुस्तक को खेत में ही छोड़कर भाग गया।

शिक्षा व नशा मुक्ति जागरूकता अभियान का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खुरी गांव में एक विशेष जन-जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा के महत्व और नशा मुक्ति जैसे गंभीर मुद्दों पर चर्चा की गई। अभियान की अध्यक्षता पंचायत के मुखिया पति सह जनप्रतिनिधि उदय राम ने की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गांव में बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए लोगों को शिक्षित करना और नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना था। अभियान के दौरान वक्ताओं ने कहा कि खुरी गांव में हाल ही में जो घटनाएं घट रही हैं। वह बेहद दुखद और चिंताजनक हैं। इन घटनाओं का मूल कारण शिक्षा की कमी और नशे की लत है। लोगों को यह समझाने की कोशिश की गई कि कैसे अशिक्षा और शराब की लत मिलकर समाज को गलत दिशा में ले जा रही है। वक्ताओं ने बताया कि नशे की हालत में लोग सोचने-समझने की क्षमता खो बैठते हैं, जिससे घरेलू कलह, हिंसा और अन्य सामाजिक बुराइयों को बढ़ावा मिलता है। बताते चले कि 10 दिनों के अंदर खुरी गांव में मामूली विवाद को लेकर दो युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया था। जिसे लेकर गांव में आज जागरूकता अभियान के तहत गांव के सैकड़ों ग्रामीणों की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर पंचायत सचिव कमलेश कोरवा, समाजसेवी बबलू साव, संपूर्ण साव, रामबृक्ष कोरवा, सेलट कोरवा, विकास कोरवा, विजय कोरवा समेत गांव के साइको ग्रामीण उपस्थित रहे। साथ ही विभिन्न विभागों से भी प्रतिनिधि उपस्थित हुए, जिन्होंने लोगों को सरकारी योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इस अभियान की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया। ग्रामीणों ने संकल्प लिया कि वे शिक्षा को बढ़ावा देंगे और नशा मुक्त समाज की दिशा में मिलकर प्रयास करेंगे।

भाकपा की बैठक में जन समस्याओं पर चर्चा

श्री बंशीधर नगर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी गढ़वा जिला कमेटी की बैठक जंगीपुर ग्राम में शुक्रवार को बंशी उरांव के आवास पर जिला कमेटी सदस्य नौरंगी पाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जनसमस्याओं पर गंभीरता पूर्वक विचार विमर्श किया गया। जिला सचिव रामेश्वर प्रसाद अकेला ने कहा कि जन समस्याओं के समाधान के प्रति अधिकारी व जनप्रतिनिधि गंभीर नही हैं। उन्होंने कहा कि दो मई को जिले के उपायुक्त व 3 मई को स्थानीय विधायक से मिलकर मांग पत्र देते हुए जनसमस्याओं के समाधान की दिशा में पहल करने का अनुरोध किया गया था, लेकिन आज तक उन समस्याओं के समाधान की दिशा में कोई पहल नही किया गया। इस भयंकर गर्मी में ग्रामीणों को पेयजल की समस्या से निजात दिलाने के लिये खराब पड़े चापानल व जलमीनार की मरम्मति भी नही कराया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने नगर उंटारी में पार्टी का 11वां जिला सम्मेलन आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की। सम्मेलन की तैयारी को लेकर विचार विमर्श किया गया।

आपसी विवाद में मारपीट में एक घायल

श्री बंशीधर नगर। थाना क्षेत्र के कुशदढ़ ग्राम निवासी भगवान शर्मा के पुत्र प्रेम शर्मा को गुरुवार की देर रात भोजपुर गांव में आपसी विवाद को लेकर हुए मारपीट में घायल हो गया। स्थानीय लोगों के सहयोग से घायल प्रेम को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया। वहां चिकित्सक ने इलाज के बाद स्थिति खतरे से बाहर बताया। थाना में दिए आवेदन के माध्यम से घायल प्रेम शर्मा ने बताया कि भोजपुर गांव के महेंद्र उरांव ने सेंटिंग लगाने को लेकर घर बुलाया। जिस समय बुलाया उस समय एक शादी समारोह में शामिल होने कधवन गया था। लौटने के दौरान महेंद्र उरांव के घर पहुंचा। वैसे ही गांव के पवन उरांव,दारा पासवान, आकाश पासवान, विशाल कुमार, महेंद्र उरांव ने मिलकर लाठी डंडे से मारपीट करने लगे। उसने बताया कि मारपीट के बाद बेहोश हो गया। उन लोगों ने उसका मोबाइल,20 हजार नकद, सोने का चेन, अंगूठी लूट लिया। घायल के आवेदन के आलोक में थाना प्रभारी ने प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया।

गर्मी में लू का बढ़ता खतराः डॉ. अरशद अंसारी ने लोगों को किया सतर्क

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। मदरसा रोड स्थित तैबा हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ. अरशद अंसारी ने वर्तमान में तेजी से बढ़ती गर्मी को देखते हुए लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि तापमान जिस रफ्तार से बढ़ रहा है, उससे लू (हीट स्ट्रोक) का खतरा भी गंभीर रूप ले सकता है। यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच जाता है और शरीर खुद को ठंडा नहीं कर पाता, जिससे जान का जोखिम तक हो सकता है। डॉ. अंसारी के अनुसार लू एक आपातकालीन स्थिति है, जिसमें तेज बुखार, सिरदर्द, चक्कर आना, भ्रम, बेहोशी, त्वचा का लाल या सूखा होना, दिल की

धड़कन तेज हो जाना, पसीना बंद हो जाना या अत्यधिक पसीना आना, कमजोरी और उल्टी जैसे लक्षण नजर आते हैं। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि अधिक मात्रा में पानी पिएं और नींबू पानी, नारियल पानी या ओआरएस का सेवन करें। कैफीन और शराब से परहेज करें। हल्के व सूती कपड़े पहनें और शरीर को पूरी तरह ढकें। विशेषकर दोपहर 12 से 3 बजे तक धूप में निकलने से बचें। ठंडी जगह पर रहें और पंखा, कूलर या एसी का उपयोग करें। अत्याधिक शारीरिक परिश्रम या व्यायाम से बचें। डॉ. अंसारी ने कहा कि बच्चे, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाएं लू के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं, अतः उनका विशेष ध्यान रखें। अगर किसी को लू के लक्षण दिखें तो उसे तुरंत छायादार या ठंडी जगह पर ले जाएं, ठंडे पानी से शरीर पोंछें या नहलाएं। यदि व्यक्ति होश में हो तो पानी या ओआरएस दें और जल्द से जल्द चिकित्सकीय मदद लें। डॉ. अंसारी ने बताया कि गर्मी को हल्के में न लें। सावधानी ही सुरक्षा है। खुद भी सतर्क रहें और दूसरों को भी जागरूक करें।

शपथ पत्र

मैं, अमीषा कुमारी उपाध्याय, पिता-श्री अरविन्द उपाध्याय ग्राम-बेलचम्पा, जिला+थाना-गढ़वा, झारखंड का नवासी हूं। मैं शपथपूर्वक बयान करती हूं कि मेरा मैट्रीक का सिर्टिफिकेट में अमीषा कुमारी उपाध्याय है। जबकि आधार कार्ड में मेरा नाम अंकिता कुमारी है जो कि गलत है। यह कि उक्त नाम अंकिता कुमारी गलत है तथा उसको सुधार करते हुए मेरा मैट्रिक का सर्टिफिकेट के अनुसार अमीषा कुमारी उपाध्याय करवाना है चाहती हूं यह कि मैं अमीषा कुमारी उपाध्याय के नाम से ही जानी एवं पहचानी जाउंगी।

शपथ पत्र संख्या : 13/266 दिनांक : 05/05/2025

कार्यालय नगर पंचायत, लातेहार

अतिअल्पकालिन कोटेशन आंमत्रण सूचना सं0 01/2025–26(2nd Call)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय में अवस्थित 07 अदद पानी टैकंर की मरम्मति एवं Inside Rubber Paint कराया जाना है। इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संवेदक नगर पंचायत लातेहार में अवस्थित सभी पानी टैकंरों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए मरम्मति एवं Inside Rubber Paint हेतु अपना भावपत्र (कोटेशन) नगर पंचायत लातेहार के कार्यालय में दिनांक 23.05.2025 को अपराहन् 2.30 बजे तक पूर्ण विवरणी एवं सभी कर सहित जमा कर सकते हैं। कोटेशनदाता से प्राप्त कोटेशन को उसी दिन अपराहन् 3.30 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। मरम्मति किये गये संयत्रों के एक वर्श तक वारंटी की जिम्मेवारी संबंधित व्यक्ति/फर्म/संवेदक की होगी।

सभी कोटेशनदाता को कोटेशन के साथ अध्यतन आयकर एकनॉलेजमेन्ट, पैन कार्ड एवं GST प्रमाण पत्र 3B Return एवं 07 अदद मरम्मति योग्य टैकंरों के पूर्ण विवरणी के साथ अलग–अलग भावपत्र सभी कर सहीत Verification Report के साथ देना अनिवार्य होगा। साथ ही विपत्र के भुगतान के समय भुगतान की जाने वाली राशि से नियुमानुसार कर (Tax) एवं सुरक्षीत जमा राशि की कटौती की जायेगी। कोटेशनदाता से दर प्राप्त होने के उपरांत न्युनतम दरदाता की स्वीकृति प्रदान करते हुये कार्यादेश निर्गत की जायेगी। कार्यादेश निर्गत की तिथि से 30 दिनों के अन्दर उपरोक्त संयत्रों के सभी कार्य को पूर्ण करते हुए नगर पंचायत लातेहार के कार्यालय को उपलब्ध करना आवश्यक होगा। इसके लिए कोई भी अतिरिक्त राशि का भुगतान नही किया जायेगा। इस संबंध में विशेष जानकारी कार्यालय के कार्य दिवस में जय प्रकाश रंजन, कनीय अभियंता, नगर पंचायत लातेहार से प्राप्त की जा सकती है।

प्रशासक,
नगर पंचायत, लातेहार

PR 352583 Urban Development(25-26)#D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, लातेहार

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना
(डी0एम0एफ0टी0 मद)

संख्या – EE/RDSD/LATEHAR/7/2025-26

1.कार्य की विस्तृत विवरणी:

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	लातेहार जिलान्तर्गत कृषि फार्म कैम्पस में अवस्थित पुराने भवनों (Building no-06,07,08) का जिर्णोद्धार।	2493200	50000	5000	1 माह
2	लातेहार जिलान्तर्गत लातेहार जिला के नगर पंचायत में पुराना पुलिस लाईन में स्वच्छता/SLRM कार्य हेतु अवस्थित जर्जर भवन का मरम्मति कार्य।	2432300	49000	5000	1 माह
3	लातेहार जिलान्तर्गत लातेहार जिला के पुराना पुलिस लाईन में बुनियादी विद्यालय के समीप स्वच्छता/SLRM कार्य हेतु अवस्थित जर्जर भवन का मरम्मति कार्य।	2149600	43000	5000	1 माह

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 17.05.2025
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 17.05.2025 से दिनांक 24.05.2025 को अपराहन् 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय –26.05.2025 अपराहन् 2:00 बजे
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, लातेहार।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06565796434
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल,लातेहार

PR 352585 Rural Development(25-26).D

परियोजना बालिका उच्च विद्यालय में चार दिवसीय समर कैंप का समापन

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्राओं को किया गया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। परियोजना बालिका उच्च विद्यालय भवनाथपुर में चार दिवसीय समर कैंप का शुक्रवार को समापन हो गया। समर कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्राओं को मेडल व शैक्षणिक सामग्री देकर सम्मानित किया। मौके पर विशिष्ट अतिथि डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल भवनाथपुर के प्राचार्य राजेंद्र सचदेवा ने कहा कि सिलेबस से हटकर ऐसे कई कौशल है, जिन्हें हम सीखकर एक सफल व्यक्ति बन सकते है। समर कैंप का उद्देश्य जीवन मूल्यों को समझना और उसे अपने जीवन में उतरना है। डीएवी के शिक्षक मोहम्मद अली ने बच्चों को काफी प्रोत्साहित किया। परियोजना बालिका उच्च विद्यालय

भवनाथपुर के प्रधानाध्यापक सत्य प्रकाश यादव के कहा कि बच्चे समर कैंप का काफी आनंद लिए और एक से बढ़कर एक कला का प्रदर्शन किए । कैंप का उद्देश्य बच्चों में सर्वांगीण विकास, रचनात्मकता, नेतृत्व विकास, टीमवर्क ,समस्या समाधान, शारीरिक साक्षरता को बढ़ावा देना ,शारीरिक क्षमता तथा उसका संतुलन और कलात्मक अभिव्यक्ति के जरिए आत्मविश्वास को निखरना है। विभाग द्वारा ऐसा पहली बार किया गया इससे छात्रों में सकारात्मक बदलाव दिखेगा। इस कैंप में बच्चे योगा, दौड़, कबड्डी, खो-खो, स्कीपिंग, कैरम, रंगोली, पोंटिंग, क्विज ,भाषण, आर्ट एवं क्राफ्ट, गीत, नृत्य तथा एंकरिंग के गुण सीखे। 100 मीटर दौड़ में प्रथम हार्निश कुमारी, स्कीपिंग में अंशु कुमारी, कबड्डी और खो खो में दसवीं सेक्शन ए,रंगोली में प्रेरणा कुमारी अनु कुमारी शोभा कुमारी प्रीति कुमारी, क्विज में रेखा कुमारी,स्पीच में रिया कुमारी,पेंटिंग में जिया कुमारी,आर्ट एवं क्राफ्ट में प्रीति कुमारी, नृत्य में गरिमा कुमारी ,गीत में निशि कुमारी, उत्कृष्ट एंकरिंग में मदीना प्रवीण को विद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष प्रतिमा कुमारी,शिक्षक अजय कुमार वर्मा, मनोरमा टोप्पो, चन्द्रधन राम, कृष्ण कुमार रावत, सत्या कुमारी व छात्राएं उपस्थित थे।

डीसी ने सुनी ग्रामीणों की समस्याए, दिया भरोसा

लातेहार। डीसी उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी व अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों को जल्द जांच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा। शुक्रवार के जन शिकायत निवारण में मुख्य रूप से जमीन विवाद, रोजगार, अबुआ आवास से संबधित जुड़े आवेदन आये। जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएं को सुनने के बाद उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कड़े शब्दों में सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए समस्याओं का समाधान जल्द करने का निर्देश दिया।

डेंगू से बचाव के लिए विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

प्रतापपुर (चतरा)। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर शुक्रवार को प्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मल्टी-पर्पस वर्कर (एमपीडब्ल्यू) चंद्रशेखर शर्मा द्वारा स्थानीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को डेंगू रोग की रोकथाम और बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। प्लस टू उच्च विद्यालय प्रतापपुर, मध्य विद्यालय प्रतापपुर,कन्या मध्य विद्यालय प्रतापपुर तथा उत्क्रमित मध्य विद्यालय गोमे में विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया, जिसमें चंद्रशेखर शर्मा ने विद्यार्थियों को डेंगू मच्छर की उत्पत्ति, उसके लक्षणों व सावधानियों के विषय में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि डेंगू एडिज मच्छर के काटने से फैलता है, जो साफ पानी में पनपता है। ऐसे में घर व आसपास की साफ-सफाई अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बच्चों को बताया कि कूलर, फ्रीज की ट्रे, फूलदान, पशु-पक्षियों के पानी के बर्तन आदि को सप्ताह में कम से कम एक बार अवश्य साफ करें। कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने डेंगू से संबंधित कई प्रश्न पूछे, जिनका समाधान चंद्रशेखर शर्मा ने सहजता से दिया। विद्यालय प्रबंधन व उपस्थित शिक्षकों ने इस सराहनीय पहल के लिए स्वास्थ्य विभाग का आभार व्यक्त किया।

डीसी ने स्कूल ऑफ एक्सीलेंस विद्यालय का किया निरीक्षण

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका प्लस टू उच्च विद्यालय लातेहार का निरीक्षण कर वास्तु स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में छात्र-छात्राओं को दी जाने वाली विभिन्न सुविधाओं व व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय का भ्रमण करते हुए परिसर में स्वच्छता, विद्युत, पेयजल आदि का जायजा लिया। उपायुक्त ने विद्यालय में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं से बातचीत कर पठन-पाठन की जानकारी ली। उन्होंने स्कूल में स्मार्ट क्लास रूम, लाइब्रेरी का अवलोकन कर विधि व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी लेते हुए स्कूल प्रबंधन व संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। इस दौरान सभी शिक्षकों को निर्देश दिया कि विद्यालय परिसर में पर्याप्त साफ-सफाई, स्वच्छ शौचालय व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बच्चों को मिले। इसका विशेष ध्यान रखें। मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार उपस्थित थे।

21 सौ श्रद्धालुओं ने निकाली कलश शोभा यात्रा

टंडवा (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र के गाडिलौंग में श्री शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा सह रुद्र महायज्ञ को लेकर बुधवार को 21 सौ श्रद्धालुओं ने शिव मंदिर प्रांगण से चुंदरु धाम के संगम तट तक भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। वहां हर हर महादेव व जय जय भवानी के गगनभेदी जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंजायमान रहा। चिलचिलाती धूप में श्रद्धालु पूरे भक्ति भाव में सराबोर होकर अति उत्साहित थे। कामरुप कामाख्या के सिद्धपीठ साधक सह यज्ञाचार्य रामनारायण दास त्यागी ने वैदिक मंत्रोच्चार पूर्वक आह्वान व पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने कलश में भरे गये पवित्र जल को यज्ञ मंडप में स्थापित कराया। बताया गया कि 16 से 24 मई तक आयोजित यज्ञ अनुष्ठान में सपत्निक नौ यजमान भाग लेंगे। कलश शोभा यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के लिये महायज्ञ समिति की ओर से शर्बत व भंडारे की पूरी व्यवस्था की गई थी। मौके पर पूर्व विधायक किशुन कुमार दास, जिप सदस्य सुभाष यादव, यज्ञ समिति के अध्यक्ष दीपू चौरसिया, उपाध्यक्ष महेंद्र यादव, सचिव मनीष चौरसिया, उप- सचिव राहुल चौरसिया, मीडिया प्रभारी कुलदीप दास, पूजा प्रभारी युगल साव, विजय गिरी,द्वारका बरई, तिलेश्वर साव, प्रताप चौरसिया,कालेश्वर साव, अजीत यादव, शशि चौरसिया, प्रदीप साव, भीम साव, मनोज राणा,विनय भुइयां, रामप्रवेश साव, दिनेश यादव समेत सैंकड़ों लोग मौजूद थे।

राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

चंदवा। राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर शुक्रवार को कामता पंचायत के चटुआग गांव में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर स्व डोमन परहिया के घर के समीप लगाया गया था। ज्ञात हो कि गुरुवार को सड़क के आभाव व क्रॉसिंग जाम में फंसने से हुई देर के कारण डोमन परहिया की मौत हो गयी थी। गांव में गये स्वास्थ्यकर्मियों ने भी बताया कि सड़क के आभाव में ग्रामीणों को काफी मुश्किल होती है। गांव में एंबुलेंस व दो पहिया वाहन भी पहुंचना मुश्किल होता है। स्वास्थ्य शिविर में लगभग 35 ग्रामीणों का जांच कर आवश्यक दवा व परामर्श दिया गया। शिविर में उपस्थित एमपीडब्ल्यू सीताराम कुमार ने बताया कि डेंगू दिवस के अवसर पर एक दिनी शिविर लगाकर ग्रामीणों का इलाज किया जा रहा है। बताया कि गर्मियों और बरसात के मौसम में मच्छरों का आतंक हर घर हर गली में देखने को मिलता है। इस दौरान कई खतरनाक बीमारियों के फैलने का खतरा रहता है, जिसमें डेंगू प्रमुख है। यह एक जानलेवा वायरस संक्रमण है, जो एडीज नाम के मच्छर के काटने से फैलता है। जिसमें तेज बुखार, सिर दर्द, जोड़ों में दर्द, त्वचा पर चकते और कमजोरी इसके मुख्य लक्षण है। समय पर इलाज नहीं होने पर प्लेटलेट्स की संख्या घटकर स्थिति को गंभीर बना सकती है। इसलिए लोगों को इस बीमारी के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता है। स्वच्छ परिवेश व सतर्क जीवन शैली अपना कर डेंगू जैसी बीमारी को मात दिया जा सकता है। मौके पर एमपीडब्लू संजय कुमार विश्वकर्मा, अमर प्रसाद, विकास रंजन, बीटीटी देवकांत तिवारी, सहिया मुनिता परहीन के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामवासी मौजूद थे।

नदी किनारे बालू में दबा मिला युवती का शव, पहचान नहीं

● मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है : थाना प्रभारी

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिले के कोयल नदी के तट पर बालू में दफनाया गया एक युवती का शव बरामद किया गया है। शव की पहचान नहीं हो पायी है। शव के शरीर में उपर लाल रंग की शर्ट और नीचे काले रंग का एक पैंट है। एक पैर में चप्पल भी है। घटना जिले के गारू थाना क्षेत्र के लुहूरटाड़ इलाके के कोयल नदी तट की है। मामला शुक्रवार की सुबह तब प्रकाश में आया जब एक कुत्ते ने नदी किनारे बालू हटाकर किसी महिला के शव का हाथ बाहर निकाल दिया। स्थानीय लोगों की नजर उस पर पड़ी तो पूरे गांव में यह खबर आग की तरह फैल गई। सूचना मिलते ही गारू थाना प्रभारी पारसमणि पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वरीय अधिकारियों की उपस्थिति में शव को बालू से बाहर निकाल कर कब्जे में लिया। प्रथम दृष्टि में यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि युवती की हत्या कर शव को ठिकाने लगाने के उद्देश्य से बालू में दफना दिया गया था। शव को कई फीट नीचे गाड़ने की कोशिश की गई थी, ताकि शव की बरामदगी नहीं हो सके, लेकिन शुक्रवार सुबह जब एक कुत्ता वहां बालू खोदने लगा तो युवती के शव का हाथ बाहर निकल आया और यह राज उजागर हो गया। पुलिस ने शव को बरामद कर गारू थाना लाया है। शव की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस द्वारा आस पास के गांवों में गुमशुदगी की सूचना एकत्र की जा रही है, पहचान के लिए आसपास के थानों से संपर्क साधा जा रहा है। शव कई दिनों पुराना प्रतीत हो रहा है। गारू थाना प्रभारी पारसमणि ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पायेगा।

प्रखंड कार्यालय मे एसएलआरएम की बैठक

बारियातू। प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार परिसर में शुक्रवार को एसआरएलएम की बैठक प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक बीपीएम, जेएसएलपीएस मुजिबुल आरफीन की अध्यक्षता हुई। बैठक में प्रखंड के सभी मास्टर ट्रेनर, वर्कर, कंपोजिट बेड बनाने वाले दीदी भी शामिल हुए। इसके अलावा प्रखंड के वाश समन्वयक निरंजन कुमार, जेएसएलपीएस के कर्मी उपस्थित थे। बैठक में कंपोजिट बेड बनाने वाले दीदीयों को बताया गया कि प्रखंड के सभी पंचायतो में पांच-पांच कंपोजिट बेड तैयार किया जाना है, जिसको 23 मई तक बेड तैयार करना अनिवार्य है। प्रत्येक कंपोजिट बेड में एक रजिस्टर तैयार करना है, जिसमें जितने भी दीदीयां कार्य करेंगी। उनकी उपस्थिति दर्ज होगी, ताकि वह जब बेड हार्वेस्ट के बाद बिक्री होने पर जो दीदी कार्य किए हैं, उनके उपस्थिति के आधार पर उनका मानदेय दिया जाएगा। उस्थित कर्मियों से पंचायत वार टारगेट के बारे मे जानकारी ली गई। मौके पर एडमिन नीतेश कुमार, सीसी और मास्टर ट्रेनर उपस्थित थे।

बाइक व आटो में टक्कर में युवक की मौत, दूसरा गंभीर

महुआडांड़। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हामी मोड़ के समीप बाइक व आटो की टक्कर में बाइक सवार युवक तन्मय (उम्र 24 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक प्रभात नगेसिया (उम्र 23 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना संध्या 7 बजे की है। दोनों युवक महुआडांड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चिरोपाठ के निवासी हैं। वह साप्ताहिक बाजार कर वापस अपने गांव लौट रहे थे। दोनों युवकों को सिर में गंभीर चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक की टक्कर के बाद आटो पलट गया। इसके बाद बाइक में आग लग गई। राहगीरों द्वारा 108 नंबर डायल कर एंबुलेंस को सूचना दी गई। एंबुलेंस पहुंचने के बाद स्वास्थ्य कर्मियों, स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महुआडांड़ में दोनों को भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही महुआडांड़ पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंची। शव को अपने कब्जे में ले कर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेजा दिया।

चंद्रगुप्त परियोजना में वन भूमि के मुआवजा भुगतान की चर्चा भ्रामक : आरएस यादव

टंडवा (चतरा)। पिछले दिनों चंद्रगुप्त कोल परियोजना क्षेत्र के वन भूमि दस्तावेज गायब होने के जारी अटकलों को चंद्रगुप्त परियोजना के टेंडर धारक सुशी इंफ्रा एंड माइनिंग लिमिटेड के प्रबंधक ने पूरी तरह से भ्रामक बताया है। उक्त मामले में बुधवार को टेंडर धारक कंपनी के प्रबंधक आरएस यादव ने समुचित तथ्यों से मीडिया को अवगत कराते हुए कहा कि पिछले दिनों 417 एकड़ वन भूमि के बदले प्रति एकड़ 25 लाख रुपए भुगतान किये जाने वाला चर्चा को पूरी तरह से बेबुनियाद व निराधार है। बताया कि उक्त मामले में सीसीएल प्रबंधन ने भी अपने जारी बयानों में स्पष्ट कर चुकी है कि उक्त परियोजना के लिए कुल 1495 हेक्टेयर भूमि में से 699.38 हेक्टेयर वन भूमि का अपयोजन राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकार से अनुमोदन के बाद ही वन पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग भारत सरकार से अनुमोदित किया गया है। चंद्रगुप्त कोल परियोजना में जिस 417 एकड़ वन भूमि का दस्तावेज व मुआवजा बांटे जाने का कुछ लोगों द्वारा भ्रामक आरोप लगाया गया है, वह चंद्रगुप्त परियोजना का कोई मामला नहीं है।

जरूरतमंदों को प्राथमिकता के साथ दें सरकारी योजनाओं का लाभ : उपायुक्त

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में समेकित जनजाति विकास अभिकरण (आइटीडीए) व कल्याण विभाग से संचालित योजनाओं के तहत किए जा रहे कार्यों की कार्य प्रगति की समीक्षात्मक बैठक समाहरणालय सभागार में आयोजित की गई। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने प्री मैट्रिक व पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति, साइकिल वितरण, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन, बिरसा आवास योजना, कब्रिस्तान, घेराबंदी, छात्रावास निर्माण समेत अन्य विभागीय योजनाओं में अद्यतन प्रगति की समीक्षा कर निर्देश दिया। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने अब तक हुए मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक, छात्रवृत्ति भुगतान की जानकारी लेते हुए शत प्रतिशत छात्र-छात्राओं को छात्रवृति से आच्छादित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने आवासीय विद्यालय, छात्रावास का निर्माण व जीर्णोद्धार की समीक्षा किया और जीर्णोद्धार कार्य को ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कल्याण विभाग, आईटीडीए से संचालित योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन करें, ताकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा, अल्पसंख्यक वर्ग के व्यक्तियों का जीवन स्तर बेहतर हो। उन्होंने कहा कि निर्धारित मानक, गुणवत्ता के अनुरूप योजनाओं का क्रियान्वयन हो इसे सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि पदाधिकारी, कार्यकारी एजेंसी के कार्यपालक अभियंता योजनाओं की गुणवत्ता की जांच करें। विशेष प्रमंडल से संचालित योजनाओं की समीक्षा, प्रगति की जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने लंबित योजनाओं को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में आइटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराई, सिविल सर्जन डॉ अवधेश कुमार सिंह, कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल कमलेश कुमार एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी, कर्मी उपस्थित थे।

शिक्षा के साथ खेल भी जरूरी है : विधायक

● जिला स्तरीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता शुरू

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। संत जोसेफ उच्च विद्यालय के मैदान में जिला एथेलेटिक्स संघ के तत्वावधान में जिला स्तरीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन 16 व 17 मई को किया जा रहा है। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने भाग लिया। जिला एथेलेटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राबर्ट मिंज ने विधायक को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। विधायक ने खेल मैदान का घूमकर निरीक्षण भी किया। 1500 मीटर के दौड़ में विजेता बालक-बालिका को मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि इस तरह के आयोजन से प्रतिभा निखरती है। शिक्षा के साथ खेल भी जरूरी है, और स्वास्थ्य के लिए भी जरूरी है। हमारे क्षेत्र के बच्चों मे प्रतिभा की कोई कमी नही है। इस तरह के आयोजन से स्थानीय खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करता है। इस प्रतियोगिता में युवा खिलाड़ियों को अपना प्रतिभा प्रदर्शित करने का सुनहरा मौका है। इस संबंध में एथेलेटिक्स संघ के अध्यक्ष ने कहा कि यह आयोजन हमारे जिले के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। हमारा लक्ष्य है कि स्थानीय एथलिटों को एक मंच प्रदान किया जाए, जहां वह अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर सकें और भविष्य में राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि आयोजन में भाग लेने के इच्छुक 14 से 20 वर्ष के बालक बालिका आयोजन में भाग ले सकते हैं। जिसमें दौड़ और अन्य एथलेटिक्स शामिल हैं। मौके पर जिला एथेलेटिक्स सचिव अनुभा खाखा, उपाध्यक्ष सुशांत उज्जवल कुजूर, जिला कोच आलोक कुमार, कमल कुमार, तरसियूस कुजूर, महुआडांड़ कोच सरिता एक्का,संत जोसेफ के प्राचार्य फादर दिलीप, झारखंड प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि इफ्तखार अहमद, महुआडांड़ उपप्रमुख अभय मिंज, महुआडांड़ प्रखण्ड प्रमुख कंचन कुजुर , कांग्रेस युवा प्रखण्ड अध्यक्ष अमीर सुहेल,कांग्रेस नेता रामनरेश ठाकुर, किशोर तिर्की, कोमल किंडो, नुरुल अंसारी, बसारत अली, नसीम अंसारी, रिंकु खान,रानु खान, शहीद खान, संजय तिग्गा, राजेश ठाकुर सकील अहमद सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जिला निगरानी समिति की बैठक

लातेहार। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में चुनाव जिला निगरानी समिति से संबंधित बैठक का आयोजन समाहरणालय सभागार में किया गया। उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की ने बताया कि मतदान केन्द्रवार दिव्यांग मतदाताओं की मैपिंग की जानी है, जिसमें उनके दिव्यांगता के प्रकार का भी उल्लेख रहेगा। वैसे सभी दिव्यांग व्यक्ति जिन्होंने मतदाता सूची में निबंधन के लिए आवश्यक अहर्ता पूर्ण कर ली है, उनका निबंधन मतदाता सूची में सुनिश्चित करना है। साथ ही दिव्यांग मतदाता के रूप में उनकी मार्किंग भी की जानी है, ताकि मतदान के समय उन्हें आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराई जा सके।

प्रसव के दौरान टूटा बच्चे के हाथ व गले की हड्डी

चंदवा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसूती द्वारा प्रसव के दौरान एएनएम द्वारा लापरवाही बरते जाने का आरोप लगाया गया है। मामला गुरुवार की बताई जा रही है। जहां प्रखंड के सासंग पंचायत अंतर्गत किता ग्राम से प्रसव के लिए सविता देवी, पति सुरेश गंझू को सीएचसी लाया गया था। सविता देवी का आरोप है कि उसके गर्भ में जुड़वा बच्चे थे, जिसमें पहले शिशु के प्रसव के दौरान सीएचसी में एएनएम की लापरवाही से नवजात के गर्दन की हड्डी, हाथ ही हड्डी तीन जगह से टूट गई है। सविता की तकलीफ बढ़ने के बाद आनन फानन में उसे दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया गया। इसके बाद परिजन उसे लेकर चंदवा के एक निजी अस्पताल पहुंचे। वहां दूसरे बच्चे का जन्म ऑपरेशन से हुआ। वहां जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ्य है। प्रसूता ने जिला प्रशासन से दोषी स्वास्थ्य कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

क्या कहती हैं प्रभारी : मामले को लेकर पूछे जाने पर सीएचसी प्रभारी डॉ. नीलिमा कुमारी ने बताया कि एएनएम द्वारा प्रसूता की निगरानी लंबे समय से की जा रही थी। प्रसूता को पूर्व में ही बता दिया गया था कि जुड़वा बच्चा है। उसकी डिलीवरी सदर अस्पताल में होगी। लेकिन गुरुवार को प्रसव पीड़ा के बीच प्रसूता अस्पताल लाई गई थी। वहां से उसे रेफर किया गया था।

सेना ने आतंकवादियों को जड़ को समाप्त करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया : सांसद

● सेना के पराक्रम के सम्मान में निकाली तिरंगा यात्रा

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। आपरेशन सिंदूर की शानदार सफलता व भारतीय सेना के पराक्रम के सम्मान में शुक्रवार को राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा लातेहार के तत्वावधान में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यह तिरंगा यात्रा शहर के बाजार टांड़ से शुरू होकर शहर के मुख्य पथ होते हुए समाहरणालय के गेट तक पहुंची। वहां जाकर एक सभा में बदल गई। तिरंगा यात्रा के दौरान शामिल लोग वंदे मातरम और भारत माता की जय नारे लगा रहे थे । यात्रा में शामिल लोग अपने हाथ में तिरंगा लिए हुए थे। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष पंकज सिंह कर रहे थे। यात्रा में मुख्य रूप से सांसद कालीचरण सिंह, जिला प्रभारी मुकेश निरंजन सिन्हा शामिल थे। सांसद कालीचरण सिंह ने कहा कि आज देश और दुनिया इस बात को देख रही है कि हमारी सेना किस पराक्रम के साथ आपरेशन सिंदूर को सफल ही नहीं किया बल्कि आतंकवादियों के जड़ को समाप्त करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया। उन्होंने सेना को सैल्यूट करते हुए कहा कि यह सब मुमकिन हो सका कि देश की कमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथ में है ।उन्होंने कहा कि पूर्व में भी आतंकवादी हमले होते रहे हैं, लेकिन मौजूदा समय की तरह कदम नहीं उठाया गया। आतंकवादियों के खिलाफ यह कदम इसलिए सफल हो सका क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने सेना को अपने तरफ से कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र कर रखी थी।

सांसद ने इस जीत को पूरे देश की जीत बताते हुए कहा कि हमें खुशी है कि पहलगाम निर्दोषों की हत्या का बदला हमने आतंकवादियों के घर में घुसकर लिया। तिरंगा यात्रा में मनिका के पूर्व विधायक हरिकृष्ण सिंह, जिप अध्यक्ष पूनम देवी, वरीय समाजसेवी सरयू प्रसाद सिंह, बंशी यादव, अनिल सिंह, राजीव रंजन पाण्डेय, राजन तिवारी, राजू दास, अमर विश्वकर्मा, अश्विनी सिंह, शीला देवी, अंजू गुप्ता, आनंद सिंह, विष्णु प्रसाद गप्ता, गुंजन, मुकेश पांडे पिंटू रजक समेत दर्जनों लोग शामिल थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गढ़वा

अतिअल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना सं0:–08/2025–26

1	विभाग का नाम	:– भवन निर्माण विभाग।
2	विज्ञापन दाता का नाम	:– कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गढ़वा।
3	परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय	:– 30/05/2025 को (पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक)
4	मुहरबंद निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	:– 31/05/2025 को अपराह्न 03:00 बजे तक।
5	मुहरबंद निविदा प्राप्ति खोलने की तिथि एवं समय	:– 31/05/2025 को 03:30 बजे अपराह्न से।
6	परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान	:– 1. कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गढ़वा द्वारा प्रतिनियुक्त, पदाधिकारी द्वारा कार्यालय परिसर में। 2. अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–02, राँची द्वारा प्रतिनियुक्त, पदाधिकारी द्वारा कार्यालय परिसर में।
7	निविदा प्राप्ति एवं खुलने का स्थान	:– क्रमांक–6 के क्र0सं0–1 के स्थान पर।
8	कार्य का विवरण:–	

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	Renovation of Family Court Building at Garhwa for the year 2025-26.	`24,99,100.00	`50,000.00	`5,000.00	1 माह
2.	Renovation of B2 Quarter 6 Units in Campus of Block Campus at Garhwa for the year 2025-26.	`20,71,700.00	`41,500.00	`5,000.00	1 माह
3.	Renovation work of A Type Quarter No-03 in Judicial Colony at Garhwa for the year 2025-26.	`13,28,500.00	`26,600.00	`2,500.00	15 दिन

निविदा की शर्तें *www.jharkhand.gov.in* एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
नोट:– ***Updated Character PAN, GST Return File Latest,*** पंजीकरण प्रमाण–पत्र की स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति एवं निविदा प्रकाशन होने की तिथि से निर्गत बैंक ड्राफ्ट/डी0डी0 अनिवार्य रूप से जमा करने के पश्चात ही निविदा पत्र निर्गत किया जायेगा।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमण्डल, गढ़वा

PR 352650 Building(25-26).D

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
जिला नियोजनालय, लातेहार

भर्ती कैम्प – 2025–26 का रिक्ति की सूचना दिनांक: 19/05/2025

राज्य के बेरोजगार युवाओं/युवतियों को निजी क्षेत्र में नियोजित करने के उद्देश्य से जिला नियोजनालय, लातेहार के द्वारा दिनांक: 19.05.2025(सोमवार) को पूर्वाहन् 10:00 बजे से अपराह्न 03:30 बजे तक जिला खेल स्टेडियम के सामने खुले मैदान में भर्ती कैम्प 2025–26 का आयोजित किया जा रहा है।

भर्ती कैम्प 2025–26 में निम्नांकित प्रमुख नियोजकों ने उपस्थित रहने की सहमति प्रदान की है :–

S. no.	Name and add. Of the Employer	Name of the post	No. of vac.	Qualification		Experience	Age	Remark
				Essential	Desirable			
1.	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Honda Motor Pvt. Ltd Krishnarajpuram SMVT Bangalore, Yasvantpur (Karnataka)	Line Operator	50	ITI	-	-	18-27yrs	15800/-
		Production Executive	50	Diploma	-	-	18-27yrs	15800/-
		Quality Check	30	Diploma	-	-	18-27yrs	15800/-
		Machine Operator	50	10th /12th	-	-	18-27yrs	15800/-
		Welder/Painter	50	ITI	-	-	18-27yrs	15800/-/-
2	S.K. Safety Wings Pvt Ltd, Panneri Tamilnadu	Associate	1000	12th	Candidate can read English	-	18-34yrs	15800/-
3	City Hospital	ANM	02	-	-	-	18-30yrs	18700 - 21000
		GNM	03	-	-	-	20-35 Yrs.	15000/-
		Lab Technician	01	-	-	-	18 –30Yrs	15000/-
		Marketing Executive	02	-	-	-	20-30Yrs.	15000/-/-
4	Indigo Security Force, Pochra Road Latehar	Security Guard	10	10th	10th	-	18-50 Yrs.	10000/-
		Gun Man	04	10th	Candidate have Gun License	-	18-50Yrs.	18000/-
		House Keeper	02	10	-	-	18Yrs+	6000/-
5	Usha Motors, Latehar	Sales Executive	02	Graduate	-	-	18Yrs+	5000-10000/-
		Customer Relation Executive	02	12th	-	-	18Yrs+	5000-10000/-
		Floor Supervisor	01	Graduate	-	-	18Yrs+	5000-10000/-
		Technician	03	10th	-	-	18Yrs+	5000-10000/-

योग्य एवं इच्छुक उम्मीदवार जो पूर्व से निबंधित नहीं है वे अपने निकटतम नियोजनालय में अथवा https://jharniyojan.jharkhand.gov.in/ पर अपना निबंधन कराते हुए उपरोक्त भर्ती कैम्प में नियोजक/नियोजक के प्रतिनिधि के समक्ष अपने सभी मूल प्रमाण पत्रों एवं उसकी एक छाया प्रति तथा अपना बायोडाटा (2कॉपी) एवं नियोजनालय का निबंधन कार्ड एवं स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र के साथ साक्षात्कार हेतु उपस्थित हों। जो उम्मीदवार पूर्व से निबंधित है उनको पुनः निबंधन कराने की आवश्यकता नहीं है।

नियोजक निजी क्षेत्र के हैं, अतः साक्षात्कार, रिक्ति एवं सेवा शर्तों के लिए वे उत्तरदायी हैं। नियोजनालय मात्र सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य कर रहा है एवं चयन में नियोजनालय की भूमिका नहीं है।

इस कार्य हेतु कोई भी मार्ग व्यय/भत्ता देय नहीं होगा।

नोट :–रिक्ति की विस्तृत विवरणी जिला के वेबसाईट www.latehar.nic.in पर एवं जिला नियोजन कार्यालय, लातेहार के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

आपके उज्जवल भविश्य के भुभ कामनाओं के साथ,

दिनांक :19.05.2025, दिनः सोमवार

समय : पूर्वाहन् 10:00 बजे से अपराह्न 3:30 बजे तक। स्थान : जिला खेल स्टेडियम परिसर, लातेहार।

ह/0
जिला नियोजन पदाधिकारी, लातेहार

PR 352594 (Labour Employment and Traning)25-26*D

खनिज-संपदा से भरपूर जिला आज भी मूलभूत सुविधाओं पहचान के लिए संघर्षरत

42 वर्षों बाद भी अधूरा सपना, विकास की बाट जोह रहा लोहरदगा

राहुल कौशल

लोहरदगा। 17 मई 1983 को जिला घोषित होने के 42 वर्षों बाद भी लोहरदगा आज तक विकास की दौड़ में पीछे है। बॉक्साइट जैसी बहुमूल्य खनिज संपदा और प्राकृतिक सौंदर्य से समृद्ध यह क्षेत्र आज भी बुनियादी सुविधाओं—सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य और शिक्षा—के लिए जूझ रहा है। हालांकि जिले में धरधरिया, लावापानी, केकरांग जैसे खूबसूरत जलप्रपात, स्वयंभू महादेव मंदिर, खखपरता धाम और अन्य पुरातात्विक स्थल मौजूद हैं, लेकिन अब तक पर्यटन के रूप में इन स्थलों का विकास नहीं हो सका है। विक्टोरिया तालाब, जो ऐतिहासिक रूप से महारानी विक्टोरिया के काल में कैदियों द्वारा खुदवाया गया था, आज अतिक्रमण की चपेट में है।

लोहरदगा की भौगोलिक स्थिति कृषि के लिए अनुकूल है। यहां पर्याप्त जल स्त्रोत मौजूद हैं, लेकिन सिंचाई परियोजनाओं की कमी से किसान आत्मनिर्भर नहीं हो पा रहे हैं। चेकडैम और सूक्ष्म सिंचाई योजनाओं के जरिए यहां की कृषि व्यवस्था को सशक्त किया जा सकता है।

जिले का एक बड़ा हिस्सा लंबे समय तक नक्सल प्रभावित रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि सामाजिक और प्रशासनिक उपेक्षा इसके मूल कारण हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर ही इस समस्या की जड़ पर प्रहार कर सकते हैं।

जिले के गठन के समय नागरिकों को उम्मीद थी कि लोहरदगा एक मॉडल जिला बनेगा। परंतु आज भी ग्रामीण क्षेत्र में सड़कों की हालत जर्जर है और स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति दयनीय। शिक्षा के क्षेत्र में कुछ प्रगति अवश्य हुई है, लेकिन उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा के अवसर सीमित हैं।

लोहरदगा की ऐतिहासिक पहचान भी गौरवपूर्ण रही है। यह क्षेत्र मुगलकालीन ग्रंथ 'आईने अकबरी' में दर्ज है। अंग्रेजों ने नेतरहाट को अपनी ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाया था और यहीं से बॉक्साइट खनन की शुरुआत हुई थी, जो बाद में हवाई जहाज निर्माण के लिए कच्चा माल प्रदान करने वाला स्त्रोत बना।

आज जरूरत इस बात की है कि लोहरदगा की पहचान केवल खनिज तक सीमित न रहे, बल्कि इसे पर्यटन, संस्कृति, शिक्षा और कृषि के क्षेत्र में भी विकसित किया जाए। इसके लिए जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और समाज के सभी वर्गों को मिलकर एक समन्वित रणनीति पर काम करना होगा।

चार धाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का दल रवाना

लोहरदगा। लोहरदगा से चार धाम यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का एक दल शुक्रवार को रवाना हुआ। यह दल हरिद्वार, ऋषिकेश होते हुए गंगोत्री, यमुनोत्री, बाबा केदारनाथ और बद्रीनाथ की यात्रा करेगा। वापसी में यात्री रुद्रप्रयाग, मथुरा, वृंदावन और दिल्ली होते हुए 30 मई को लोहरदगा लौटेंगे। चार धाम यात्रा पर जाने वालों में विवेक कुमार, सतीश कुमार, अमृतांसी, सृष्टि गुप्ता, सुमन गुप्ता एवं रीना गुप्ता शामिल हैं। यात्रा में श्रद्धालु धार्मिक आस्था के साथ हिमालय की प्राकृतिक सुंदरता का भी आनंद लेंगे। इस दौरान जानकारी दी गई कि चार धाम यात्रा के समानांतर सिक्किम, शिमला, मनाली, कुल्लू, नैनीताल एवं दार्जिलिंग जैसे हिल स्टेशनों की यात्राएं भी लोहरदगा से जारी हैं।

लापता युवती का शव 4 दिनों बाद कुएं से बरामद, जांच शुरू

- फॉरेंसिक टीम बुलाकर मामले की जांच कराई जा रही है

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा। थाना क्षेत्र भंडरा कुंबटोली निवासी सलीम अंसारी की बेटी 22 वर्षीय निखत परवीन की हत्या कर शव को कुएं में डाल दिया गया । शुक्रवार सुबह उसके शव को कुआं में तैरते लोगों ने देखा। इसकी सूचना भंडरा पुलिस को दी गई। भंडरा पुलिस के द्वारा शव को कुएं से बाहर निकलकर जांच की जा रही है। पुलिस अधीक्षक हरीश बिन जमा के निर्देश पर फॉरेंसिक टीम फॉरेंसिक टीम बुलाई गई है। टीम के द्वारा इस मामले की जांच की जा रही है। इस घटना से भंडरा के लोग स्तब्ध हैं। सभी ने जांच कर दोषी व्यक्तियों को कठोर से कठोर सजा देने की मांग की है। घटना के अनुसार 13 मई की रात में निखत परवीन एवं पड़ोस में रहने वाला युवक शकील अंसारी को आपस में बात करते हुए निखत के परिजनों ने देखा था। इसके बाद निखत के परिजनों ने निखत को अपने घर में ले जाकर एक कमरे में बंद कर दिया था और शकील अंसारी की पिटाई की थी।

भंडरा के बाद हाथी पहुंचा सेरेंगहातु तोड़ार, अपरातफरी का माहौल बना

- शांति से गांव में घूमने के बाद जुरीया करम टोली की ओर गया हाथी

नवीन मेल संवाददाता

सेन्हा। सेन्हा थाना क्षेत्र के सेरेंगहातु तोड़ार ग्राम में सुबह पांच बजे भंडरा की तरफ आ कर अचानक गांव में जंगली हाथी का घुस जाने से अपरा तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया था। गांव के जो व्यक्ति सुबह जगे हुए थे। वह व्यक्ति लोग घर के छत में चढ़ कर देखने लगे और बहुत से लोग डर से घर के अंदर ही दुबके हुए थे। लेकिन अधिकाश ईंट का मकान होने के कारण हाथी द्वारा घर को या किन्ही व्यक्ति को नुकसान नहीं किया गया। वही तोड़ार के अबरार अंसारी का घर को तोड़ कर चावल और धान को खा कर मुख्य पथ से निकल हाथी अवधेश साहू का घर का आंगन तरफ से जुरिया करम टोली की ओर खेत के तरफ चला गया। गांव में अच्चानक जंगली हाथी आने से गांव के लोग भयभीत है। पंचायत समिति सदस्य सफरूदीन अंसारी ने कहा कि आमजनों का जान माल को ध्यान में रखते हुए हाथी से बचाव के लिये वन विभग को ध्यान देने की जरूरत है। साथ ही कहा कि वन विभाग की टीम हाथी को भगाए जिसे गांव के ग्रामीण लोग हाथी से भयमुक्त रहे। तथा ग्रामीणों को भी सतर्क रहने की बात कही गई।

कुम्हरिया में फिर वापस आया हाथी, ग्रामीण दहशत में

भंडरा। आकाशी पंचायत के कुम्हारिया गांव में एक बार फिर हाथी का आतंक लौट आया है। बंगाल से आई वन विभाग की टीम द्वारा हनहट पतरा तक खदेड़ा गया हाथी अब तीन दिन बाद दोबारा बगुला पतरा क्षेत्र में पहुंच गया है। ग्रामीणों की मानें तो हाथी स्काई अप स्कूल के पास एक पेड़ के नीचे डेरा जमाए बैठा है और आसपास के खेतों में लगे तरबूज की फसल उसका प्रमुख आहार बना रहा।

हर घर जल योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक

डीसी ने लंबित योजनाएं जल्द पूर्ण करने का दिया निर्देश

- सभी प्रखंडों में भौतिक सत्यापन करने व विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के डीसी ने दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन अंतर्गत हर घर जल योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में स्वीकृत योजनाओं के विरुद्ध पूर्ण और लंबित योजनाओं की अद्यतन जानकारी कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (पीएचईडी), लोहरदगा द्वारा प्रस्तुत की गई।

उपायुक्त ने वर्ष 2023-24 के लिए जल जीवन मिशन अंतर्गत उपयोगिता प्रमाण पत्र समर्पित करने का निर्णय लिया। साथ ही सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को अपने-अपने प्रखंडों में पूर्ण योजनाओं का भौतिक सत्यापन करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में निर्देश दिया गया कि पीएम जनमन योजना के लाभुकों, पीवीटीजी परिवारों, डीएजेजीयूए के चयनित गांवों, आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यालयों में जल जीवन मिशन की कार्यान्वयन स्थिति पर विस्तृत रिपोर्ट कार्यपालक अभियंता द्वारा शीघ्र समर्पित की जाए। साथ ही पीएम गति शक्ति पोर्टल में शेष प्रविष्टियों को शीघ्र पूरा करने और झार जल पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का निष्पादन करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, आइटीडीए परियोजना निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, अपर समाहर्ता जितेन्द्र मुंडा, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, जिला पंचायती राज पदाधिकारी अंजना दास, एलआरडीसी सुजाता कुजुर, कार्यपालक अभियंता पीएचईडी अनुप कुमार हांसदा, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डालसा सचिव व तीन मध्यस्थों को सुप्रीम कोर्ट से मिला विशेष प्रमाण पत्र

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिले के लिए एक गर्व का क्षण सामने आया है, जब जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), लोहरदगा के सचिव राजेश कुमार और जिले के तीन मध्यस्थों प्रवीण कुमार भारती, कुमार चंद्रशेखर एवं युगल किशोर को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मध्यस्थता कार्य के लिए विशेष प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। यह प्रमाण पत्र सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश एवं भारतीय सर्वोच्च न्यायालय मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति के अध्यक्ष जस्टिस बी.आर. गवाई (वर्तमान में भारत के मुख्य न्यायाधीश) द्वारा हस्ताक्षरित है। गुरुवार को उक्त प्रमाण पत्र प्रमंडलीय न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा, लोहरदगा राजकमल मिश्रा के हाथों प्रदान किए गए। डालसा सचिव राजेश कुमार ने जानकारी दी कि यह प्रमाण पत्र मध्यस्थता के क्षेत्र में विशेष दायित्वों के निर्वहन हेतु दिया गया है। साथ ही, जिले के दो अधिवक्ताओं बुधनाथ साहू और पवन कुमार को भी मेंबर सेक्रेटरी, झालसा, रांची कुमारी रंजना अस्थाना द्वारा हस्ताक्षरित विशेष प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि इन दोनों अधिवक्ताओं ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय की मध्यस्थता एवं सुलह परियोजना समिति के अंतर्गत 26 से 30 अप्रैल 2025 तक रांची के कांके रोड स्थित विश्वेसराय स्वच्छता एवं जल अकादमी में आयोजित 40 घंटे के मध्यस्थता प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया था। डालसा सचिव ने बताया कि पूर्व में जिले में कुल 8 मध्यस्थ कार्यरत थे। अब इन दो अधिवक्ताओं के प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद यह संख्या बढ़कर 10 हो गई है, जिससे जिले में वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली को और मजबूती मिलेगी।

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए तिरंगा यात्रा का आयोजन

- ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर सैनिकों को श्रद्धांजलि, देशभक्ति का दिखा अद्भुत नजारा

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिले में शुक्रवार को "राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक – पूरा देश सेना के साथ" अभियान के अंतर्गत एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा सुबह 8 बजे अपर बाजार से प्रारंभ होकर गुदरी बाजार, शास्त्री चौक, अमला टोली होते हुए पावरगंज चौक तक पहुँची। यात्रा के समापन पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा स्थल पर वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर माल्यार्पण, पुष्पांजलि, राष्ट्रगान तथा शहीदों की स्मृति में मौन रखकर देश के लिए बलिदान देने वाले वीर जवानों को सम्मान दिया गया। यह आयोजन जम्मू-कश्मीर के पहलगांव में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर की गई बड़ी और सफल "ऑपरेशन सिंदूर" कार्रवाई की सफलता के उपलक्ष्य में किया गया, जिसमें सैकड़ों आतंकियों के ठिकानों, मिशनरियों व एयरबेस को ध्वस्त किया गया। इस साहसिक कदम ने वैश्विक स्तर पर भारत की सुरक्षा नीति और आत्मनिर्भरता को नई पहचान दिलाई। "ऑपरेशन सिंदूर" ने न केवल भारत की सैन्य क्षमता का परिचय दिया, बल्कि 'मेक इन इंडिया' अभियान की मजबूती को भी उजागर किया। आज देश का प्रत्येक नागरिक आतंकवाद के विरुद्ध इस निर्णायक कार्रवाई में भारतीय सेना के साथ खड़ा है। इस तिरंगा यात्रा में अनेक सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक, राजनीतिक और व्यवसायिक संगठनों के साथ-साथ आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रही। प्रमुख भागीदारों में शामिल रहे जिसमे आदिवासी सहयोग समिति, लोहरदगा भारत ट्रस्ट, भूतपूर्व सैनिक वेलफेयर ट्रस्ट, पुलिस फौजी संगठन, शांति आश्रम, विद्या मंदिर, मंजूरमती विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इस कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध सशक्त, एकजुट और दृढ़ है। लोहरदगा की जनता ने देश के वीर सैनिकों के प्रति एकजुटता, सम्मान और समर्थन व्यक्त कर राष्ट्रवाद की भावना को मजबूती प्रदान की। मौके पर पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, भाजपा जिला अध्यक्ष मनीर उरांव, ओम प्रकाश सिंह, श्रीचंद प्रजापति, कृपाशंकर सिंह, विपुल तमेड़ा (केंद्रीय महावीर मंडल), सुनील महतो (श्रीराम समिति) सहित कई अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

4 दिवसीय खेल शिविर का समापन

नवीन मेल संवाददाता

कुडू। कुडू प्रखंड अंतर्गत राजकीय गांधी मेमोरियल प्लस 2 उच्च विद्यालय माराडीह में 13 से 16 मई तक आयोजित चार दिवसीय खेल शिविर का शुक्रवार को समापन हुआ। प्रधानाध्यापक पुष्प निहारी बाखला के निर्देश पर एवं खेल शिक्षक बिपिन किशोर लकड़ा की देख रेख में आयोजित खेल शिविर के दौरान जुंबा डांस, मिट्टी, लकड़ी, कागज़ आदि से खेल सामग्रियों का निर्माण, नृत्य, क्राफ्ट, चित्रांकन आदि कई गतिविधियां की गई। जिस्में पारंपरिक खेल मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा। शिविर के अंतिम दिन इसमे शामिल कक्षा नवम एवं दशम के छात्र - छात्राओ से चार दिनों तक चले इस खेल मेले में शामिल होने से लेकर जितने तक के अनुभव का फीड बैक लिया गया। मौके पर प्रधानाध्यापिका बाखला ने कहा कि इस तरह के आयोजन से बच्चों का मानसिक एवं शारीरिक विकास के साथ-साथ बौद्धिक विकास भी होता है। शिविर के सफल आयोजन में विजय कुमार साहु, मंजु कुजुर, संजय साहु, निशा कुमारी, संगिता बाला, श्वेता एक्का, प्रशांत मुंडा, रमेश साहु, शांति कुजुर, तथागत साकेत, पुजा संध्या लकड़ा, निशा कुमारी नाग, वर्षा नाग, अनुपम मिंज, रश्मि केरकेट्टा, रजनी खेस, रामजी साहु, मुकेश यादव, डॉली वर्मा, किशोरी रानी कुजुर सहित विद्यालय के सभी खण्ड के शिक्षक- शिक्षिकाओं का सहयोग रहा।

लोहरदगा जिला का 42वां स्थापना दिवस समारोह आज

- विकास मेला का आयोजन समाहरणालय मैदान और सांस्कृतिक मेला का आयोजन नया नगर भवन में होगा आयोजित
- डीडीसी ने कार्यक्रम स्थल में तैयारियों का लिया जायजा

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा जिला का स्थापना दिवस समारोह कल दिनांक 17 मई 2025 (शनिवार) को आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर समाहरणालय मैदान में विकास मेला का आयोजन सुबह 11 बजे से किया जाएगा। विकास मेला में कुल 25 स्टॉल लगाए जाएंगे। जिनमें शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, कल्याण विभाग एवं जेटीडीएस, राजस्व विभाग एवं यूआईडी, उद्योग विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, सामाजिक सुरक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन एवं गव्य विकास विभाग, जेएसएलपीएस, नगर परिषद, उद्यान, कृषि, भूमि संरक्षण, जल छाजन, श्रम नियोजन, एवं प्रशिक्षण एवं कौशल विकास, हिंडाल्को, बैंक, परिवहन विभाग, मत्स्य, सहकारिता, खेलकूद एवं पर्यटन विभाग के स्टॉल शामिल हैं। विकास मेला में परिसंपत्तियों का वितरण भी किया जाएगा।

डीडीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत व वरीय पदाधिकारियों ने आज समाहरणालय मैदान में आयोजित होने वाले विकास मेला की तैयारियों का जायजा लिया। इस मौके पर उन्होंने मुख्य मंच, स्टॉल की संख्या, प्रवेश द्वार, मंच-सज्जा आदि की जानकारी ली व आवश्यक निर्देश पदाधिकारियों को दिए। संध्या 6.30 बजे नया नगर भवन, लोहरदगा में सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं (क्विज, पेंटिंग, स्पीच) का भी आयोजन किया जाएगा जिसके विजेताओं को कार्यक्रम के अंत मे सम्मानित भी किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में छऊ नृत्य का भी प्रदर्शन लोक कलाकारों द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में इस वर्ष 10वीं/12वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया जाएगा।

समाहरणालय, गढ़वा
(जिला नजारत शाखा)

कोटेशन आमंत्रण सूचना

नव निर्मित समाहरणालय भवन, गढ़वा में कुल–चार (04) लिफ्ट(KONE) का अधिष्ठापन किया गया है। अधिष्ठापित कुल–04 लिफ्ट का ससमय सर्विसिंग एवं रखरखाव (Maintenance) सुनिश्चित करने हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्त्ता से शर्त एवं दर के संबंध में दिनांक–25.05.2025 तक समाहरणालय, गढ़वा जिला नजारत उप समाहर्त्ता, गढ़वा के कार्यालय में कोटेशन आमंत्रित किया जाता है।

इच्छुक आपूर्तिकर्त्ता शर्त एवं दर **www.garhwa.nic.in** से डाउनलोड कर सकते हैं। निर्धारित तिथि एवं समय के पश्चात् प्राप्त कोटेशन स्वीकृत नहीं की जायेगी।

उपायुक्त,
गढ़वा

PR 352656 District(25-26).D

कार्यालय, जिला परिषद, लोहरदगा

अति अल्पकालीन नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला परिषद् के वाहन संख्या JH08C 4108 की नीलामी जिला परिषद् सभा कक्ष में दिनांक 22.05.2025 को 12:30 बजे अपराह्न को की जायेगी:–

क्र0	वाहन का पंजीयन संख्या	वाहन का प्रकार	सुरक्षित जमा राशि	जमानत की राशि
1	2	3	4	5
1	JH08C 4108	TATA INDIGO	70,000/-	7,000/-

नियम एवम् शर्त :–

1. इच्छुक डाकवक्ता कॉलम 05 में अंकित राशि का बैंक ड्रॉफ्ट जो उप विकास आयुक्त–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद, लोहरदगा के पदनाम से देय एवम् बैंक ऑफ इंडिया, कोर्ट एरिया शाखा में भुगतेय हो जमा कर डाक में भाग ले सकते हैं।
2. डाकवक्ता डाक के पूर्व जिला परिषद् कार्यालय में वाहन का अवलोकन कर सकते हैं।
3. उच्चतम डाकवक्ता डाक में बोली गई राशि का शत प्रतिशत राशि 03(तीन) दिनों के अन्दर कार्यालय में जमा करायेंगे अन्यथा जमानत की राशि को जब्त करते हुए द्वितीय उच्चतम डाकवक्ता को वाहन देने की कार्रवाई की जायेगी।
4. वाहन का निबंधन हस्तान्तरण करने में होने वाले शुल्क डाकवक्ता को स्वंय वहन करना होगा।
5. इस नीलामी को कभी भी रद्द करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित रहेगा।

उप विकास आयुक्त–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी,
जिला परिषद, लोहरदगा

PR 352592 Lohardaga (25-26)_D

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग
प्राचार्य का कार्यालय– औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बिश्रामपुर (LWE) लालगढ़ बिहार, पलामू।
Office e-mail id- itibishrampur@gmail.com

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बिश्रामपुर (LWE) लालगढ़ बिहार, पलामू में शैक्षणिक सत्र 2025–26–27 में नामांकन संबंधित सूचना

01 झारखण्ड सरकार के NCVT के अन्तर्गत संचालित सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बिश्रामपुर (LWE) लालगढ़ बिहार, पलामू में निदेशालय, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग झारखण्ड राँची के पत्रांक– 639 एवं पत्रांक–640, दिनांक– 07.05.2025 के अनुपालन में शैक्षणिक सत्र 2025–26–27 के विभिन्न व्यवसाय में नामांकन के लिए योग्य आवेदक से जो झारखण्ड राज्य के स्थायी–स्थानीय निवासी की श्रेणी में आते हैं और नीचे दिये गये शैक्षणिक योग्यता धारित करते हैं, उनसे ऑनलाईन आवेदन–पत्र (https://iti.jharkhand.gov.in Admission Tab) आमंत्रित किये जाते हैं।

02 न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता :–
(क) **वेल्डर, एवं प्लम्बर व्यवसाय** के लिए आठवीं उत्तीर्ण।
(ख) **इलैक्ट्रीशियन, फीटर, एवं मैकेनिक मोटर व्हीकल** (MMV) व्यवसायों के लिए माध्यमिक/10वीं परीक्षा में उत्तीर्णता आवश्यक है।

03 महत्वपूर्ण तिथियाँ :– **मैकेनिक मोटर व्हीकल**

क्र0 सं0	विवरणी	तिथि
01	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि	20.05.2025
02	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि	13.06.2025 अपराह्न 05:00 बजे तक
03	औपबंधिक राज्य मेधा सूचियों (आठवीं एवं दसवीं कक्षा) को प्रकाशन	16.06.2025 अपराह्न 05:00 बजे तक
04	औपबंधिक राज्य मेधा सूचियों में शामिल आवेदकोद्वारा प्राप्तांक/ प्राप्तांक प्रतिशत, कोटि एवं अन्य प्रविष्टियों में त्रुटि सुधार की अवधि	17.06.2025 से 19.06.2025 तक
05	अन्तिम मेधा सूचियों (आठवीं एवं दसवीं कक्षा) का प्रकाशन	21.06.2025
	Time schedule for 1st Round of online counselling	
Sl no.	**activity**	**Date**
01	Choice filling of Trade (s) and / or ITI (s)	24/06/2025 to 01/07/2025
02	Seat allotment and downloading provisional seat allotment letter	04/07/2025 to 21/07/2025
03	Admission in the concerned ITI	04/07/2025 to 21/07/2025
	Time schedule for 2nd Round of online counselling	
Sl no.	**activity**	**Date**
01	Choice filling of Trade (s) and / or ITI (s)	24/07/2025 to 30/07/2025
02	Seat allotment and downloading provisional seat allotment letter	04/08/2025 to 14/08/2025
03	Admission in the concerned ITI	04/08/2025 to 14/08/2025

04 डी0जी0टी0 के पत्रांक– DGT-MIS011/1/2025-Oo DIR (TC) [71015],, दिनांक– 08.04.2025 के आलोक में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बिश्रामपुर (LWE) लालगढ़ बिहार, पलामू में नामांकन लेने वाले अभ्यार्थियों का वैध मोबाईल नंम्बर, ई–मेल ID एवं आधार नम्बर आवश्यक है तथा NTC उत्तीर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त होने तक उसमें परिवर्तन करने की अनुमति नहीं होगी। डी0जी0टी0 के पत्र https://iti.jharkhand.gov.in के download Section के Notification Tab में देखा जा सकता है।

05 नमांकन संबंधी विस्तृत महत्वपूर्ण सूचना झारखण्ड ITI Webportal (https://iti.jharkhand.gov.in) के download Section के Notification Tab में देखा/ download किया जा सकता है।

06 किसी प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारी हेतु ITI Webprtal के Grievance Section में टिकट (Complain) Raise किया जा सकता है एवं आवश्यकतानुसार मों0 नं0– 8252575749/9308058506/7717775369 पर सम्पर्क किया जा सकता है।
उक्त सूचना को झारखण्ड के ITI Webportal (https://iti.jharkhand.gov.in) के download Section के Notification Tab में देखा/ download किया जा सकता है।

प्रभारी प्राचार्य,
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान
बिश्रामपुर (LWE) लालगढ़ बिहार, पलामू

PR 352623 (District) 25-26 (D)

कार्यालय
समेकित जनजाति विकास अभिकरण (I.T.D.A) लोहरदगा।
(अ०ज०जा०, अ०जा०, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग)

ई–कल्याण पोस्ट–मैट्रिक छात्रवृति लोहरदगा के लिए महत्वपूर्ण सूचना।
शैक्षणिक सत्र– 2024–25

ऑनलाईन आवेदन की समय सीमा :–

क0	प्रकियात्मक कार्रवाई	प्रारम्भ होने की तिथि	निर्धारित अंतिम तिथि
1.	शैक्षणिक सत्र– 2024–25 के लिए पंजीकरण से छूटे हुए शैक्षणिक संस्थानों को भी पंजीकरण के लिए विशेष अवसर की समय सीमा	17.05.2025	25.05.2025
2.	छूटे हुए शैक्षणिक संस्थानों का जिला एवं राज्य स्तर पर पंजीकरण सत्यापन की तिथि	19.05.2025	28.05.2025
3.	शैक्षणिक सत्र– 2024–25 हेतु छात्र/छात्राओं के आवेदन प्रकिया की तिथि।	17.05.2025	30.05.2025
4.	संबंधित शैक्षणिक संस्थान के INO द्वारा छात्र/छात्राओं के आवेदन का सत्यापन की तिथि।	17.05.2025	25.06.2025
5.	DNO द्वारा छात्र/छात्राओं के आवेदन का सत्यापन की समय सीमा।	17.05.2025	30.06.2025

ह0/–
जिला कल्याण पदाधिकारी, लोहरदगा।

PR.NO.352693 Lohardaga(25-26):D

वर्षों से बंद नागफेनी अस्पताल उपायुक्त की पहल पर फिर हुआ जीवंत

अब 24x7 मिलेगा मुफ्त इलाज व आपात सेवाएं

- डायनेमिक तरंग कंपनी के सहयोग से अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हुआ अस्पताल

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। जिले के नागफेनी स्थित वर्षों से बंद पड़े अस्पताल को अब नई जान मिल गई है। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की दूरदृष्टि और मजबूत पहल के चलते यह अस्पताल अब 24x7 अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ पूरी तरह से कार्यशील हो गया है। कल्याण विभाग की देखरेख और डायनेमिक तरंग प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से पुनः प्रारंभ हुए इस अस्पताल का उद्देश्य है – सभी नागरिकों को पूरी तरह निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना। अस्पताल में वर्तमान में एक एमबीबीएस डॉक्टर, एक आयुष डॉक्टर और आठ प्रशिक्षित नर्सें चौबीसों घंटे सेवा में तैनात हैं। 25 मई से एक और एमबीबीएस डॉक्टर की नियुक्ति भी सुनिश्चित की जा रही है। भविष्य में विशेषज्ञ डॉक्टर भी हर सप्ताह उपलब्ध रहेंगे, जिससे गंभीर बीमारियों का परामर्श और उपचार और भी सुलभ हो सकेगा।

परियोजना निदेशक आईटीडीए रीना हांसदा ने जानकारी दी कि यह अस्पताल वर्षों से निष्क्रिय था, जिसे उपायुक्त के प्रयासों से अब फिर से जनता की सेवा में समर्पित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्पताल की सभी सुविधाएँ सिर्फ चयनित वर्ग नहीं, बल्कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति के लिए पूर्णतः निशुल्क हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित होने के कारण यह अस्पताल सड़क दुर्घटनाओं के मामलों में त्वरित प्राथमिक उपचार केंद्र के रूप में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सामान्य चिकित्सा से लेकर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, एक्स-रे, लैब जांच, आपातकालीन देखभाल, दवा वितरण और अनुवर्ती उपचार तक, सभी सेवाएँ अब एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं। डायरेक्टर ऑपरेशंस, डायनेमिक तरंग प्राइवेट लिमिटेड आकाश कुमार ने बताया कि सेवा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए एक विशेष एडमिन टीम बनाई गई है, जो निगरानी करेगी कि हर नागरिक को सही समय पर सही इलाज मिल सके। अस्पताल परिसर में एक शिकायत पेटी भी लगाई गई है, जिससे आम जनता अपनी समस्याएँ और सुझाव दर्ज करा सकते हैं, जिनका त्वरित समाधान किया जाएगा।

निजी प्रैक्टिस पर रोक

यह सुनिश्चित किया गया है कि अस्पताल में तैनात डॉक्टर बाहर निजी प्रैक्टिस नहीं करेंगे, जिससे सभी सेवाएँ अस्पताल परिसर में ही उच्च गुणवत्ता के साथ सुलभ हो सकें।

नागरिकों से सहयोग की अपील की है

जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस नवजीवन पाए अस्पताल का लाभ लें, अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें व इस स्वास्थ्य केंद्र को सफल बनाने में सहयोग करें।

पिस्टल की नोंक पर लूट, दो युवकों को पीटकर किया अधमरा

गुमला। गुमला शहर के ललित पड़ाव बस स्टैंड में गुरुवार रात 10:30 बजे हथियारबंद बदमाशों ने दो युवकों से 5500 की लूट कर ली और जमकर मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायलों की पहचान फसिया पंचायत के तर्री निवासी 18 वर्षीय सत्यम सिंह और 25 वर्षीय हिमालय सिंह के रूप में हुई है। दोनों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। पीड़ितों के मुताबिक, वे बाइक से सिद्धि विनायक होटल में खाना खाने जा रहे थे, तभी 7 से 8 युवकों के एक गिरोह ने उन्हें रास्ते में रोक लिया। हथियार के बल पर हिमालय के जेब से 5500 लूट लिया गया और दोनों की बेरहमी से पिटाई की गई। आरोपियों ने मोबाइल और बाइक की चाबी भी छीनने की कोशिश की, लेकिन सत्यम ने मोबाइल को जींस में पैर की ओर छुपा लिया। उन्होंने बताया कि हमलावर नशे में थे और उनके साथ दो लड़कियां भी थीं। घटना में दोनों युवकों के सिर व शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं।

आईजी ने की नक्सल और लंबित मामलों की समीक्षा, पुलिस को दिए सख्त निर्देश

नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगाने की रणनीति अपनाएं

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। दक्षिण छोटानागपुर प्रक्षेत्र, रांची के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) अखिलेश कुमार झा ने शुक्रवार को गुमला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। इस बैठक में जिले में नक्सल गतिविधियों, लंबित आपराधिक मामलों और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर गहन समीक्षा की गई।

बैठक में पुलिस अधीक्षक गुमला, मुख्य पुलिस उपाधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (चैनपुर, गुमला, बसिया), परिवीक्षाधीन पुलिस उपाधीक्षक, अंचल निरीक्षक (गुमला, सिसई, बसिया, चैनपुर), सीसीआर प्रभारी सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आईजी अखिलेश झा ने बैठक में जिले में लंबित नक्सल मामलों और पांच वर्षों से अधिक समय से लंबित आपराधिक मामलों की गहन समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नक्सली गतिविधियों पर पूरी तरह से अंकुश लगाने के लिए समन्वित और आक्रामक रणनीति अपनाई जाए।

आईजी झा ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि अपराध पर लगाम लगाने के लिए हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित की जाए और जनता के विश्वास को कायम रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

यह समीक्षा बैठक जिले में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने, जनता के बीच पुलिस की छवि बेहतर करने और समाज में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

प्रमुख निर्देश इस प्रकार रहे

- सड़क सुरक्षा के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए।
- नशीली मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी कार्रवाई की जाए।
- डायन प्रथा और महिला उत्पीड़न के खिलाफ समाज में जागरूकता अभियान चलाया जाए।
- हत्या व बलात्कार जैसे गंभीर मामलों में एफआईआर दर्ज कर त्वरित अनुसंधान सुनिश्चित हो।
- अदालत द्वारा निर्गत वारंट, कुर्की व इश्तेहार का शीघ्र निष्पादन हो।

"ऑपरेशन सिंदूर" की सफलता पर भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन

वीर सैनिकों को नमन: आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संदेश

- जनसैलाब में बदली सड़कें, गूंजे देशभक्ति के नारे
- वीर सैनिकों के सम्मान में भावपूर्ण श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान समर्थित आतंकियों पर किए गए सफल "ऑपरेशन सिंदूर" को लेकर पूरे देश में गर्व और उत्साह का माहौल है। इसी कड़ी में गुमला जिला के नागरिकों ने वीर सैनिकों के सम्मान में एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन कर न सिर्फ सेना के पराक्रम को सलामी दी, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का सशक्त संदेश भी दिया। यह ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा गुरुवार की शाम 5 बजे पर्यटक भवन से प्रारंभ हुई। यात्रा जयपुर रोड, मेन रोड, पालकोट रोड, सिसई रोड और थाना रोड से होती हुई पुणे टावर चौक पर जाकर संपन्न हुई। यात्रा मार्ग को तिरंगे झंडों, देशभक्ति नारों और उत्साही देशवासियों की उपस्थिति ने देशभक्ति के रंग में रंग दिया। इस तिरंगा यात्रा में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व सांसद सुदर्शन भगत, भाजपा जिलाध्यक्ष विनय कुमार लाल, भाजपा कार्यकर्ता, समाजसेवी, युवा, व्यापारी, स्कूली बच्चे, महिलाएं एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। हजारों की भीड़ ने एक स्वर में 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्', 'जय हिंद की सेना' और 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' जैसे नारों से माहौल को राष्ट्रभक्ति से भर दिया। यात्रा के समापन स्थल पुणे टावर चौक पर उपस्थित जनसमूह ने भारतीय सेना को नमन करते हुए मोमबत्तियां जलाकर वीर सैनिकों की शहादत को श्रद्धांजलि दी। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय सेना ने एक बार फिर सिद्ध किया है कि जब देश की सीमाओं पर खतरा मंडराता है, तब हमारे जवान पूरी दृढ़ता और साहस के साथ उसे समाप्त करते हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुदर्शन भगत ने कहा की ऑपरेशन सिंदूर हमारी सेना की रणनीतिक शक्ति, अनुशासन और देश के प्रति अटूट समर्पण का प्रमाण है। हम सबको अपने सैनिकों पर गर्व है। भाजपा जिलाध्यक्ष विनय कुमार लाल ने कहा की यह तिरंगा यात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह हमारे राष्ट्रीय गौरव, एकता और आत्मबल का प्रतीक है। देशवासी जब संगठित होते हैं, तब आतंकवाद और उसके समर्थक कमजोर पड़ जाते हैं।

आधार कैंप में लापरवाही का आलम, निराश लौटीं महिलाएं

नवीन मेल संवाददाता

बिशुनपुर (गुमला)। प्रखंड मुख्यालय स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में 13 मई से 17 मई तक आयोजित आधार अद्यतन कैंप में गुरुवार को भारी अव्यवस्था देखी गई। प्रशासन के निर्देशानुसार लाभुक महिलाओं का आधार से मोबाइल लिंक कराने के लिए पांच ऑपरेटरों की नियुक्ति की गई थी, लेकिन कैंप में समय पर किसी भी ऑपरेटर की मौजूदगी नहीं रही, जिससे दूर-दराज से आई करीब 100 महिलाएं छोटे बच्चों के साथ घंटों इंतजार करने के बाद निराश होकर वापस लौट गईं। उक्त कैंप का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्र से लाभान्वित महिलाओं का मोबाइल नंबर आधार से लिंक कर उनका डिजिटल सत्यापन सुनिश्चित करना था। इसके लिए कैलाश भगत, सुनील उरांव, उमेश कुमार वर्मा, पवन भगत, बलींदर भगत को ऑपरेटर के रूप में तैनात किया गया था। गुरुवार को निरासी, बोरांग, घाघरा, बनालात जैसे सुदूरवर्ती क्षेत्रों से महिलाएं सुबह 9 बजे ही कैंप में पहुंच चुकी थीं, लेकिन दोपहर 2 बजे तक एक भी ऑपरेटर मौजूद नहीं था। इस लापरवाही की सूचना मिलने पर जिला परिषद सदस्य पवन उरांव ने ऑपरेटरों को फोन कर अनुपस्थिति का कारण पूछा, तो उन्होंने कहा कि वे डाकघर में किसी प्रशिक्षण में व्यस्त हैं। इससे नाराज होकर पवन उरांव ने उन्हें फटकार लगाई और सवाल किया कि अगर कैंप में उपस्थित नहीं होना था, तो लाभार्थियों को क्यों बुलाया गया? बातचीत के बीच ही ऑपरेटर ने फोन काट दिया। वहीं, महिला पर्यवेक्षिका शकुंतला देवी ने बताया कि कई बार फोन करने के बावजूद ऑपरेटर कॉल रिसीव नहीं कर रहे हैं, जिससे आंगनबाड़ी केंद्र से जुड़ी महिलाएं काफी परेशान हैं।

ग्राम समिति गठन को लेकर प्रखंड स्तरीय बैठक हुआ संपन्न

पालकोट। वनवासी कल्याण केंद्र झारखंड के तत्वावधान में आगामी जून माह में प्रस्तावित ग्राम विस्तारक अभियान सह ग्राम समिति गठन को लेकर शुक्रवार को सोहर साहु सरस्वती शिशु/विद्या मंदिर, पालकोट में प्रखंड स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में पालकोट प्रखंड के विस्तारकों एवं संबंधित गांवों के प्रमुख कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता वनवासी कल्याण केंद्र के विभाग संगठन मंत्री खेदु नायक ने की। उन्होंने विस्तारपूर्वक कल्याण आश्रम के कार्य, उद्देश्य एवं ग्राम विकास में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला।

साप्ताहिक बाजार से लौट रहे युवक दुर्घटनाग्रस्त, घायल

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड कुरूमगाड़ मोड़ के समीप एक युवक साप्ताहिक बाजार से लौटते समय अनियंत्रित होकर गिर गया और घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, मड़ईकोना निवासी संजू टोप्पो, जिनकी उम्र 20 वर्ष है और जिनके पिता का नाम विक्टर टोप्पो है, साप्ताहिक बाजार करके अपने घर जा रहे थे। रास्ते में, आगे से अचानक लाइट की रोशनी उनकी आँखों में पड़ने के कारण वे अपना नियंत्रण खो बैठे और गिर गए।

खनिज प्रभावित क्षेत्रों के विकास को मिलेगी रफ्तार

- डीएमएफटी समिति एवं न्याय परिषद की बैठक में योजनाओं के त्वरित निष्पादन पर जोर
- खनिज सघन क्षेत्रों का विस्तार, अब 123 गांव शामिल

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। जिले के खनिज प्रभावित क्षेत्रों के समावेशी एवं सतत विकास को लेकर शुक्रवार को उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट की प्रबंधकीय समिति एवं न्याय परिषद की महत्वपूर्ण बैठक समाहरणालय स्थित सभागार में संपन्न हुई। बैठक में खनन प्रभावित क्षेत्रों के नागरिकों के लिए बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने और सामाजिक विकास योजनाओं को तेजी से लागू करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की शुरुआत में उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महत्तो ने डीएमएफटी के उद्देश्यों, कार्यप्रणाली एवं सरकार द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य खनन से प्रभावित समुदायों को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल, आधारभूत संरचना जैसी जरूरी सुविधाएं मुहैया कराना है।

उपायुक्त ने बताया कि पूर्व में चिन्हित गांवों के अतिरिक्त अब पत्थर, बालू एवं ईंट भट्ठा प्रभावित क्षेत्र भी खनिज सघन क्षेत्र की श्रेणी में शामिल किए गए हैं। इससे अब कुल 123 गांव डीएमएफटी के अंतर्गत आ चुके हैं। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि ट्रस्ट की निधि का उपयोग उन्हीं निर्माण कार्यों में किया जाएगा, जिनसे स्थानीय नागरिकों को दीर्घकालिक लाभ मिल सके।

बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्रों की समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया। इस पर उपायुक्त ने सभी जनप्रतिनिधियों से ग्राम सभाएँ आयोजित कर सर्वसम्मति से लिखित प्रस्ताव तैयार करने को कहा। प्रमुख प्रस्तावों में सड़क, पुल, नहर, विद्यालय भवन, स्वास्थ्य भवन एवं आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण शामिल हैं।

उपायुक्त ने जिला खनन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि खनन से संबंधित सभी जानकारी सदस्यों को प्रदान की जाए ताकि वे अपने क्षेत्रों में अवैध खनन की पहचान कर प्रशासन को सूचित कर सकें।

बैठक में आंगनवाड़ी, विद्यालय, स्वास्थ्य केंद्र, आवासीय विद्यालयों में शौचालय एवं भवन मरम्मत जैसी सामाजिक सरोकार से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया गया। सभी संबंधित पदाधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में खूंटी व लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि, विशुनपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रतिनिधि, वन प्रमंडल पदाधिकारी, डीआरडीए डायरेक्टर, सिविल सर्जन, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला खनन पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता, विभिन्न प्रखंडों के प्रमुख, मुखिया, उपमुखिया सहित कई विभागीय अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

पाट क्षेत्रों की योजनाओं को शीघ्र पूरा करने का निर्देश

घाघरा व बिशुनपुर प्रखंड के पाट क्षेत्रों में चल रही योजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने त्वरित निष्पादन का निर्देश दिया। वहीं 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत चापाकल, जलमीनार मरम्मत जैसे छोटे लेकिन जरूरी कार्यों को भी प्राथमिकता देने की बात कही। बैठक में उपायुक्त ने 10 दिनों के भीतर सभी मुखियाओं एवं जनप्रतिनिधियों से ग्राम सभा आयोजित कर प्रस्ताव उपलब्ध कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि डीएमएफटी के माध्यम से जनहित से जुड़ी योजनाओं को जल्द धरातल पर लाया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, पलामू

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

शहर थाना कांड सं0–395/2024 दिनांक 01.11.2024 धारा–109(1)/352/351(2) 3(5)/ भारतीय न्याय संहिता एवं 27 आर्म्स एक्ट के प्राथमिकी अभियुक्त अनु विश्वकर्मा उर्फ रामानुज विश्वकर्मा, पिता–गिरिवार विश्वाकर्मा, साकिन – सुदना बाईपास रोड़ सिंचाई कॉलोनी, थाना–शहर,जिला– पलामू के संबंध में सूचना/जानकारी प्राप्त होने पर पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में सूचित करें अथवा निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना देने का कष्ट करें।

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर :– 9431706240
थाना प्रभारी, शहर :– 9431706249

पुलिस अधीक्षक, पलामू

PR 352694 Police(25-26).D

कार्यालय मेदिनीनगर नगर निगम।

ज्ञापांक ..... दिनांक .....

इच्छा की अभिवृति Expression of Interest (EOI) 09/2025–26

मेदिनीनगर नगर निगम अन्तर्गत विभिन्न स्थलों में जर्जर भवन (कंडम बिल्डिंग) को ध्वस्त किया गया है। मलवे का दर मो0 2,000/- प्रति हाईवा या 500/- रू0 प्रति टैक्टर (स्वयं के वाहनों से) निर्धारित किया गया है। इच्छुक संवेदक/एजेन्सी/व्यक्ति उक्त बाउण्ड्री का मलवा उठाव हेतु दिनांक 23.05.2025 को 01:00 बजे अपराह्ण तक बन्द लिफाफे में दर जमा कर सकते है। कोटेशन उसी दिन **3:00 बजे अपराह्न** नगर निगम कार्यालय में निविदा समिति के समक्ष बन्द लिफाफा खोली जाएगी। लिफाफा समर्पित करने वाले संवेदक/एजेन्सी/व्यक्ति अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि ससमय उपस्थित रह सकते है।

नगर आयुक्त –सह– प्रशासक
मेदिनीनगर नगर निगम

PR 352622 (District) 25-26 (D)

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग)
कार्यालय, जिला पशुपालन पदाधिकारी, चतरा।

–: आम सूचना:–

:-FMD टीकाकरण अभियान Round 5 Phase1 एवं LSD टीकाकरण 2025–26 का सफल कार्यान्वयन :–

चतरा जिला के सभी पशुपालकों को सूचित करना है कि पशुओं में होनेवाले मुँहपका एवं खुरपका रोग एवं चर्म रोग से निजाद पाने हेतु दिनांक:–19.05.2025 से 18.07.2025 तक चतरा जिला के सभी ग्रामों में FMD टीकाकरण अभियान Round 5 Phase 1 एवं LSD टीकाकरण 2025–26 निःशुल्क प्रारम्भ हो रही है। जिसके सफल संचालन हेतु आप सभी का सहयोग अनिवार्य है।

अतः सभी पशुपालकों से अनुरोध है कि दिनांक 19.05.2025 से प्रारंभ हो रही टीकाकरण का लाभ लेने हेतु संबंधित प्रखण्ड के पशुपालन पदाधिकारी से सम्पर्क कर अपने पशुओं को टीका लगवाकर इस रोग से मुक्त रखना चाहेगें।

निवेदक
जिला पशुपालन पदाधिकारी, चतरा।

PR 352648 Animal Husbandry(25-26)D

District Legal services Authority, Chatra
E-mail Id- dlsachatra@gmail.com

Advertisement No.01/2025

Dated:- 15/05/2024

Advertisement for Contractual engagement of Deputy Chief Legal Aid defence Counsel

In Light of Letter No.- JHALSA/2184 dated 07.05.2025 applications are invited from the eligible lawyers having requisite qualification for the contractual full time engagement for the post of Deputy Chief, Legal Aid Defence Counsel in the Legal Aid Defence Counsel System(LADCS) in the District Legal Services Authority Chatra. The duly filled application form along with self attested copies of documents must be addressed to the Secretary, District Legal Services Authority, Civil Courts, Chatra. Application may be submitted either through speed post or in person in envelope which must reach in the office of the Secretary DLSA, Chatra, on or before 31st of May, 2025 by 05:00 PM. Any Applications received after due date and time shall not be considered.

Name of Post	Number of Vacancy
Deputy Chief Legal Aid defence Counsel	01

2. Honorarium:-55,000/- per month.
3. Qualifications:-
- Practice in Criminal Law for at least 07 years.
- Excellent understanding of criminal law.
- Excellent oral and written communication skill.
- Skill in legal research,
- Thorough understanding of ethical duties of a defence counsel.
- Ability to work effectively and efficiently with others
- Must have handled at least 20 criminal trials in Sessions Courts, may be relaxed in exceptional circumstances, by Hon'ble executive Chirman, SLSA,
- IT Knowledge with proficiency in work.

4. The scheme of engagement along with application may be downloaded from official website of Civil Court, Chatra https://chatra.dcourts.gov.in and can be obtained from the office directly.
5. The selection would be on the basis of performance in the interview which will be held on date to be announced later and it would be available in the website of DLSA, Chatra and also in the Civil Court website.
6. The shortlisted candidates shall be called for the interview individually through email address/mobile number provided by them and if candidate does not receive the call, he/she may contact the Secretary, DLSA, Chatra, at least two days before the scheduled date of interview.

Applying for engagement does not create any right/assurance whatsoever.

Note :- Any further detail may be obtained form the office of D.L.S.A., Chatra. Tarkeshwar Das
Secretary, DLSA, Chatra

PR 352637 Law (25-26)_D

Jharkhand Bijli Vitran Nigam Limited
(CIN:U40108JH2013SGC001702) ,Electric Supply Circle, Garhwa

Tender Notice

Sealed Tender in two Part (Part – I Technical and commercial and Part – II Price part) subscribed on sealed envelope with Lah are invited from the reputed tenderers having good experience of following same type of civil works and having sound financial status.

Sl. No	NIT No.	Name of the works	Estimated cost in (Rs.)	Time for completion (Day)	Earnest money to be deposited in (Rs.)	Cost of BOQ (Non-Refundable in (Rs.)	Late date and time for submission of tender	Date and time for opening of Tender
1.	19/PR/JBVNL/2025-26	Repair and maintenance of cable trench and spreading Stone dust & metal in existing P/S/S Pharathiya under Electric Supply Circle, Garhwa	393000/–	(03) Three Months	7900.00	885.00 (Including 18% GST)	05/06/2025 upto 03:00 PM	05/06/2025 at 03:30 PM
2.	20/PR/JBVNL/2025-26	Repair and maintenance of cable trench and spreading Stone dust & metal in existing P/S/S Garhwa (old) under Electric Supply Circle, Garhwa	396100/–	(03) Three Months	8000.00	885.00 (Including 18% GST)	05/06/2025 upto 03:00 PM	05/06/2025 at 03:30 PM

The tender documents can be purchased from the office of the undersigned from any working day till one day before the date of submission of tender in office working hours after depositing cost of B.O.Q. (Non-refundable) with Manager (F&A), Electric Supply circle, Garhwa in shape of Bank draft.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को 18003456570 (कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
Electrical Superintending Engineer
Electric Supply circle, Garhwa

PR 352655 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(25-26)#D

मेरे मन का राज्य अज्ञान से मलिन है। प्रभु! मुझे आशीर्वाद दें कि आत्मानुशासन के सतत प्रयासों की निरन्तर वर्षा द्वारा मैं अपनी आध्यात्मिक लापरवाही के नगरों से, अज्ञान के प्राचीन मलबे को हटाने में समर्थ बन सकूँ। **- श्री श्री परमहंस योगानंद**

संपादकीय

असली दुश्मन पाकिस्तान नहीं वो सिर्फ मोहरा है

हमारा सारा गुस्सा पाकिस्तान पर है और उसके समर्थकों का भी बहिष्कार किया जा रहा है पर असली दुश्मन उसे शह देने वाले हैं जिसमें अभी चीन आगे है। भारत और पाकिस्तान के बीच जैसे-जैसे संघर्ष कम होगा, वैसे-वैसे दोनों पक्ष, यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय दोनों पक्षों के प्रदर्शन और उनके द्वारा तैनात सैन्य हथियारों का मूल्यांकन करेंगे। समाचारों और सोशल मीडिया में इस समय गलत जानकारियों की बाढ़ आई हुई है, ऐसे में सच और झूठ में भेद करना मुश्किल है। लेकिन वास्तविकता का सामना करके ही उससे सीखकर आगे बढ़ा जा सकता है। आगे बढ़ने के लिए अपनी कमियों को स्वीकारने तथा गलतियों को सुधारने की क्षमता की आवश्यकता है। ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान ने चीनी प्रणालियों का इस्तेमाल किया। जाहिर है, इस क्षेत्र में हमारा मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन ही है, जिसने विज्ञान और तकनीक, यहां तक कि रक्षा क्षेत्र में बड़ा भारी निवेश किया है। एक वक्त था, जब चीनी उपकरणों को रूस से घटिया माना जाता था, क्योंकि वे काफी हद तक उन्हीं की नकल थे, लेकिन अब वैसा नहीं रहा।भारत और पाकिस्तान के बीच बीते नौ और दस मई की रात को संघर्ष तेजी से बढ़ा। पाकिस्तान ने भारतीय सैन्य ठिकानों पर मिसाइलों से हमला करने का दुस्साहस किया, तो भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उन्हें नष्ट कर दिया। 10 मई की सुबह मीडिया ब्रीफिंग में सरकार ने पाकिस्तान के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि उसने भारतीय सैन्य ढांचे को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। दूसरी ओर, भारत ने कहा कि हमने पाकिस्तानी दुस्साहस के बदले में रफीकी, मुरीद, चकलाला और रहीम यार खान में पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर हमला किया है। पसरूर और सियालकोट में भी रडार साइट को नुकसान पहुंचाया। यह घटना भारत द्वारा लाहौर और कराची में एयर डिफेंस रडार साइट को निष्क्रिय करने के एक दिन बाद घटी। 8 मई को सरकार द्वारा जारी प्रेस विज्ञाप्ति के अनुसार, भारत ने पाकिस्तान के कई अन्य स्थानों पर उसके एयर डिफेंस रडार और सिस्टम को निशाना बनाया। एएनआई के हवाले से बताया गया कि भारत पर दागी गईं 15 मिसाइलों को एस-400 सिस्टम का इस्तेमाल कर निष्क्रिय किया गया था। भारत ने पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को नाकाम करने के लिए इस्राइली हार्पी और हारोप ड्रोन्स का इस्तेमाल किया था। भारत के पास 100 ये अधिक उच्च क्षमता वाले हार्पी और हारोप ड्रोन हैं, जो वास्तव में मिसाइल हैं। हमारे शस्त्रागार में कुछ इस्राइली मूल के हमलावर ड्रोन हैं और अब अमेरिकी एमक्यू-9 प्रीडेटर हमलावर ड्रोन भी खरीदने की तैयारी है। हार्पी और हारोप युद्ध क्षेत्र में छह घंटे तक उड़ान भर सकते हैं और जब उन्हें पता चलता है कि कोई रडार चालू हो गया है, तो वे उस पर निशाना साधकर अपने 32 किलोग्राम के हथियार से उसे नष्ट कर सकते हैं। एक खास बात यह है कि दोनों तरफ के सैन्य बलों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा को पार किए बिना हवा से हवा में और हवा से मैदान में हमला करने वाली लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इससे दोनों ओर के संसाधनों को नुकसान पहुंचा है। भारत ने एक पाकिस्तानी मिराज-V का मलबा मिलने की पुष्टि की है।

ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान ने चीनी प्रणालियों का इस्तेमाल किया।

17 मई विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस

डिजिटल युग की दस्तक : संवाद से सशक्तिकरण तक

सूचना का सेतु, संचार का संकल्प : विश्व दूरसंचार दिवस

जैसे ही 17 मई की पहली किरण धरती को चूमती है, यह दिन समय के पन्नों पर एक नई कहानी लिखता है—एक ऐसी कहानी, जिसमें तारों से शुरू हुआ संवाद आज आकाश को छूता है। विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस केवल एक तारीख नहीं, बल्कि उस चिंगारी का उत्सव है, जिसने दूरी को धूल में मिलाया और सूचना को हर दिल तक पहुंचाया। यह दिन उस क्रांति की गूंज है, जिसने न सिर्फ़ तकनीक को जन्म दिया, बल्कि मानवता को जोड़ने का एक अनमोल सेतु रचा। आज, जब एक उंगली का इशारा दुनिया को हथेली में ले आता है, यह दिवस हमें उस ताकत का अहसास कराता है, जो सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) में थिरकती है—वह ताकत, जो न केवल जीवन को सरल बनाती है, बल्कि हर सपने को साकार करने का वादा करती है। यह दिवस 17 मई, 1865 को अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ की स्थापना की स्मृति में मनाया जाता है। यह वह संस्था है, जिसने संचार के वैश्विक नियम बनाए और दुनिया को एक डिजिटल जाल में पिरोया। 2006 में संयुक्त राष्ट्र ने इसे विश्व सूचना समाज दिवस के साथ जोड़कर इसके मायने और गहरे कर दिए। यह दिन न केवल तकनीक की विजय का गान है, बल्कि सूचना के लोकतांत्रिक उपयोग और उसकी ज़िम्मेदारियों का आह्वान भी है। आज के डिजिटल युग में, जब आईसीटी ने हर क्षेत्र को नया रंग दिया है, यह दिन हमें ठहरकर सोचने को मजबूर करता है—क्या हम इस तकनीक को सिर्फ़ सुविधा मान रहे हैं, या इसे समाज को अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण बनाने का हथियार बना रहे हैं?

आईसीटी आज जीवन का हर रंग छू रही है। शिक्षा में ऑनलाइन कक्षाएं, स्वास्थ्य में दूरचिकित्सा, व्यापार में डिजिटल बाज़ार, और शासन में ई-गवर्नेंस—ये सभी इसके चमत्कार हैं। भारत जैसे देश में, जहां डिजिटल भारत, भारतनेट, 5जी और पीएम वाणी जैसी योजनाएं तेज़ी से बदलाव ला रही हैं, आईसीटी ने शहरों और गांवों के बीच की दूरी को मिटाने का बीड़ा उठाया है। एक स्मार्टफोन अब किसी किसान को मौसम का हाल बताता है, किसी छात्र को विश्वस्तरीय शिक्षा से जोड़ता है, और किसी महिला को आत्मनिर्भरता का रास्ता दिखाता है। यह तकनीक सिर्फ़ एक साधन नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक क्रांति की धुरी है।

विश्व दूरसंचार एवं सूचना समाज दिवस 2025 की थीम "डिजिटल परिवर्तन में लैंगिक समानता क्यों मायने रखती है?" डिजिटल युग में समावेशी प्रगति की अनिवार्यता को रेखांकित करती है। यह थीम वैश्विक ज़रूरतों को उजागर करती है, जो तकनीक के लाभ को केवल विशेषाधिकार प्राप्त क्षेत्रों तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे समाज के हर वर्ग, विशेष रूप से महिलाओं और हाशिए पर मौजूद समुदायों तक पहुंचाना चाहती है। भारत में डिजिटल इंडिया पहल के तहत ग्रामीण इंटरनेट कनेक्टिविटी और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम इस दिशा में सशक्त कदम उठा रहे हैं, जिससे गाँवों की महिलाएं भी डिजिटल दुनिया का हिस्सा बन रही हैं। फिर भी, डिजिटल खाई, साइबर सुरक्षा जोखिम, डेटा गोपनीयता और असमान इंटरनेट पहुंच जैसी चुनौतियां बरकरार हैं। भारत में शहरी-ग्रामीण विभाजन और आर्थिक असमानताएं इन बाधाओं को और जटिल बनाती हैं।

इन रुकावटों के बावजूद, आईसीटी की ताकत बेमिसाल है। यह एक गाँव की महिला को डिजिटल बाज़ार से जोड़ सकती है, एक युवा को नए कौशल सिखा सकती है, और एक मरीज़ को सुदूर क्षेत्र में चिकित्सा सुविधा दे सकती है। यह नेटवर्क का विस्तार नहीं, बल्कि संभावनाओं का सागर है। भविष्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और क्वांटम कम्प्यूटिंग जैसी तकनीकें इस क्रांति को और तेज़ करेंगी। लेकिन इसके साथ यह सवाल भी ज़रूरी है—क्या हम तकनीक को मानवीय मूल्यों और नैतिकता के साथ संतुलित कर पाएंगे? क्या हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि यह शक्ति सिर्फ़ सुविधा न बने, बल्कि सेवा और समानता का प्रतीक बने?

विश्व दूरसंचार दिवस हमें सिखाता है कि तकनीक का असली मोल उन लोगों के लिए है, जिन्हें यह सशक्त करती है। एक स्मार्टफोन किसी के लिए मनोरंजन हो सकता है, तो किसी के लिए रोज़गार का द्वार। यही तकनीक का लोकतांत्रिक चेहरा है, और यही इसकी सबसे बड़ी जीत। यह दिन हमें प्रेरित करता है कि हम तकनीक को सिर्फ़ यंत्र न समझें, बल्कि इसे सामाजिक न्याय, समानता और प्रगति का ज़रिया बनाएं। 17 मई सिर्फ़ एक दिन नहीं, बल्कि एक नई दुनिया का न्योता है—जहां तकनीक दूरी को मिटाए, संवाद को आज़ाद करे, और हर इंसान के लिए अवसरों का आलम रचे। जब हम अपने फोन पर एक संदेश भेजते हैं, या किसी वीडियो कॉल पर अपनों से मिलते हैं, तो यह सिर्फ़ तकनीक नहीं, बल्कि उस दूरदर्शिता का उपहार है, जिसने दुनिया को एक करने का सपना देखा। आइए, इस दिन को सिर्फ़ उत्सव न बनाएं, बल्कि एक वचन लें—एक ऐसी दुनिया की रचना का, जहां तकनीक हर दिल को छूए, हर सपने को उड़ान दे, और हर इंसान को सशक्त बनाए। यही इस दिन की आत्मा है, और यही हमारा साझा संकल्प।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आज की बात

प्रो. आरके जैन

चाय, चारपाई और चालान

जब गली में चाय का पहला प्याला उबलता है, तो मोहल्ले की सियासत भी खौल उठती है। "अरे पप्पू, पानी ज़रा कम डालना... वरना फिर से वही इश्क़ का सूप बन जाएगा," रामप्रसाद काका अपनी चाय के लिए प्रेमपत्र जैसी नजाकत से निर्देश देते हैं। मोहल्ले की गली नंबर चार में चाय पीना एक रस्म है, जिसमें दूध कम और किस्से ज़्यादा होते हैं। चारपाई पर बैठकर लोग ऐसे-ऐसे जुमले फेंकते हैं जैसे संसद में बिल पास हो रहा हो। चाय के साथ जो सबसे ज़्यादा उबलती है, वो है हरिशंकर जी की पुरानी जलन—जो उन्हें गुप्ता जी के नए रॉयल एनफील्ड से है। "हमने तो 1975 में भी ऐसी धौंकनी नहीं देखी थी, जैसी उसकी मोटर फेंकती है धुआं!" कहकर वो गला साफ करते हैं। गुप्ता जी मुस्कुरा देते हैं, मानो देश की जीडीपी उन्होंने ही बढ़ा दी हो। मोहल्ले में जो सबसे बड़ा जुर्म था, वो था बिना चाय पिए किसी का घर से निकल जाना। "अबे सुन, चाय पीके जा वरना पेट्रोल पंप समझेगा कि तू मीटर से चला है!" गली में हर दूसरा आदमी खुद को व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी का वाइस चांसलर समझता था। "हमको सब पता है, कल मोदी जी भी बोले थे... टीवी में व्हाट्सएप आया था!" — ये वाक्य ऐसे चलते थे जैसे शेरवानी में शादी हो। औरतें आंगन में मिर्च सुखा रहीं होती थीं, पर कान मोहल्ले की खिचड़ी में होते थे। "देख बहन, वो जो सामने बबली बैठी है ना, वही है जिसने पिछले साल नगरपालिका चुनाव में गुप्ता जी को वोट नहीं दिया था, और अब देखो, रोड टूटी पड़ी है!" मोहल्ले का लोकतंत्र चाय की दुकान पर तय होता था। जहाँ लोकतंत्र का मतलब था – "तेरा नेता बेकार, मेरा नेता दिलदार।" हर बात पर बहस ऐसे होती जैसे कन्हैया कुमार और अर्णब गोस्वामी की आत्माएँ एक ही देह में उतर गई हों। गली की सबसे शानदार बात थी – वहां किसी की घड़ी नहीं चलती थी, लेकिन सबको सबका टाइम पता होता था। "अरे अबे आठ तो बज ही गए होंगे, शर्मा जी की बहू साग धूप में डाल चुकी है!" — टाइम ज़ोन का ऐसा ज्ञान तो गूगल मैप में भी नहीं मिलेगा। चाय की दुकान गूगल से पहले 'लोकल ट्रेंडिंग' बताती थी। "अरे पता चला? मिश्रा जी के लड़के ने MBA छोड़कर यूट्यूब चैनल खोल लिया है। नाम रखा है – 'तू चाय पी, मैं बकता हूं'!" सुनकर सब ऐसे चौंकते जैसे उसने अमेरिका से चंद्रमा की जमीन खरीद ली हो। "अबे वो MBA था ना, माने मैया-बाबा के अरमान!" कहकर पप्पू चायवाले ने गरम पानी मिलाकर क्रांति की चुस्की ले ली।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आपकी बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

आरामवादी मानसिकता

हमारा शरीर, हमारी चेतना, हमारा जीवन—इन सबका मूल उद्देश्य कर्म है। प्रकृति ने हमें सक्रिय जीवन के लिए रचा है, जहाँ श्रम ही सम्मान और आत्मसंतोष का मार्ग है। फिर भी, आज हम एक ऐसी सामाजिक और मानसिक प्रवृत्ति में फँसते जा रहे हैं जिसे हम कह सकते हैं: आरामवादी मानसिकता। यह वह सोच है जिसमें व्यक्ति यह मानने लगता है कि जीवन का लक्ष्य मेहनत से बचते हुए अधिकतम सुख भोगना है। समाज में सरकारी नौकरी को लेकर जो आकर्षण है, उसका एक बड़ा कारण यही मानसिकता है। अधिकांश लोग समाज सेवा के नजरिए से नहीं, बल्कि इसीलिए चाहते हैं कि वहां कम प्रयास में अधिक लाभ मिलता है। यह सोच उन्हें परिश्रमहीन उपभोग की आदत में ढाल देती है, जहाँ वे सोचते हैं कि बस एक कुर्सी मिल जाए और जीवन आराम से कटे। काम से ज़्यादा उन्हें "बैठकर खाने" की सुविधा चाहिए—यानी मेहनत कम हो और लाभ ज्यादा। प्राचीन काल में राजा शासन करता था और प्रजा श्रम करती थी। राजा का "विश्राम-संचालित जीवन" उसके दायित्वों का हिस्सा था। लेकिन आज आम व्यक्ति भी उसी मानसिकता को अपनाना चाहता है, बिना उस ज़िम्मेदारी, त्याग और विवेक के। यह सोच, जो पहले सिर्फ राजमहलों तक सीमित थी, अब सामान्य जनजीवन में घर कर गई है। आज हर कोई "राजा जैसा जीवन" चाहता है—जहाँ वह सिर्फ भोग करे, काम न करे।

यह प्रवृत्ति केवल व्यक्ति की नहीं रही, बल्कि पूरे पारिवारिक ढांचे की सोच बनती जा रही है। माता-पिता बेटियों के लिए ऐसा जीवनसाथी या परिवार ढूंढ़ते हैं जहाँ उन्हें "कोई काम न करना पड़े", जीवन पूरी तरह से आराम से बीते। सोच ये होती है कि "बस हमारी बेटी को कोई तकलीफ न हो, वह अच्छे से रह ले, बैठे-बैठे सब कुछ मिले।" पर क्या यही उसकी शिक्षा, क्षमता और व्यक्तित्व का उद्देश्य है?

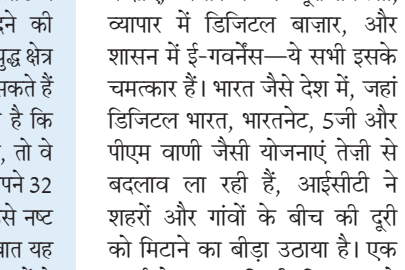

यही सोच बेटों के मामले में भी स्पष्ट दिखती है। आज के अधिकतर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चों को जीवन में ज्यादा संघर्ष न करना पड़े—बिना ज्यादा मेहनत के सब कुछ मिल जाए: अच्छी नौकरी, बढ़िया तनख्वाह, और आराम से जीने वाला जीवन। यह आराम-संचालित सोच धीरे-धीरे बच्चों में संघर्ष से डरने, मेहनत से बचने और शॉर्टकट ढूंढ़ने की आदत डाल देती है। नतीजतन, हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ परिश्रम नहीं, बल्कि "सुविधा" जीवन का लक्ष्य बनता जा रहा है।

जब इंसान मेहनत से दूर भागता है और सिर्फ आराम में जीवन ढूंढता है, तो धीरे-धीरे वह विचारहीनता, मानसिक जड़ता और आलस्य में फँस जाता है। उसका मन खाली होकर आलोचना, शिकायत और भ्रम में उलझ जाता है। यह मानसिक भ्रष्टता धीरे-धीरे पूरे समाज को खोखला कर देती है।

हमारा जीवन किसी सिंहासन पर बैठकर भोगने के लिए नहीं, बल्कि कर्म और सेवा के माध्यम से सार्थकता पाने के लिए है। यदि हम चाहते हैं कि अगली पीढ़ी सशक्त बने, तो हमें उन्हें प्रयासविहीन समृद्धि के मोह से बाहर निकालना होगा और श्रम को गौरव के रूप में प्रस्तुत करना होगा।

आरामवादी मानसिकता कोई सम्मान की बात नहीं, बल्कि समाज के लिए एक धीमा ज़हर है। जब तक हम मेहनत को श्रेष्ठ नहीं मानेंगे और श्रम से नहीं जुड़ेंगे, तब तक हम अपने आत्मबल, सामाजिक चेतना और राष्ट्रीय विकास की दिशा में आगे नहीं बढ़ सकते।

समाज को बदलने के लिए सबसे पहले हमें अपनी सोच बदलनी होगी।

क्योंकि हम "बैठकर खाने" के लिए नहीं, बल्कि "चलकर कुछ कर दिखाने" के लिए पैदा हुए हैं।

(veenavlogs@gmail.com)

अलग बात

वीणा देवांगन
(अभियंता)

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

घूंट घूंट पीते रहे, नशा चढ़ा इस बार।
स्यात कहीं पर बल्ब के, तार जुड़े इस बार।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

"अब गांवों में कहीं सुनाई नहीं पड़ती "हंकवे व ढिंढोरे" की आवाज"

सुगमता, सरलता और सुलभता को झारखंड के टोंगरियों व पहाड़ों की विशेषता के तौर पर देखा जाता है। अपने इन्हीं गुणों के कारण इस पठार की तमाम चोटियां सदैव प्रतिध्वनि के प्रति उदारता का प्रदर्शन करती रही हैं।इनकी इस उदारता एक प्रमाण यह है कि यहाँ की मूल आबादी को सदैव सरलता और सहजता के साथ जीवन जीते देखा जाता है। प्रकृति का यह एक सामान्य सा नियम है कि जहाँ के वन सुगम होंगे, प्रकृति सरल होगी व पहाड़ सहज होंगे तो वहाँ की मानवीय संवेदना भी उसी के अनुरूप अपना स्वरूप विकसित कर लेती है। झारखंड इस तथ्य का एक जीता जागता उदाहरण है जबकि यहाँ की माटी में सदियों से उदारता और लोकतंत्र के प्रति संपूर्ण समर्पण के भाव नजर आते रहे हैं।

आज हम आधुनिक होने का दावा कर रहे हैं तो नैसर्गिकता के इसी संदर्भ को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं। महज दो तीन दशकों पहले की बातों का स्मरण करें तो गांव का दिगवार एक ढोल लेकर हंकवा करता नजर आ जाता है। कई समस्याएं हैं, मवेशी छुटा घुम रहे हैं, रीझ रंग व पर्व त्यौहार की बातें करनी हैं, सामाजिक न्याय का निर्णय लेना है, गांव की सफाई करनी है, इनके समाधान के लिए समाज की जरुरत है और सामुदायिक समाधान के लिए संबंधित सभी लोगों की उपस्थिति आवश्यक है। आज जमाना बदल गया है परन्तु कल तक हंकवा या डुगडुगी के बगैर किसी सामुदायिक निराकरण की कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। आज हम यह ह्वाट्सएप, सोशल मीडिया व आधुनिक संचार माध्यमों की ओर भागे चले जा रहे हैं। ऐसा तब है जबकि इनकी पहुंच सर्वसुलभ कतई नहीं है और इनमें वह आत्मीयता भी नहीं है जो हंकवा या डुगडुगी की थाप में हुआ करते थे। वस्तुतः यह सबकुछ अचानक नहीं हुआ है क्योंकि डुगडुगी जब समाप्त हो रहे थे तब ध्वनि विस्तारक यंत्रों ने अपना जलवा बिखेरना प्रारंभ कर दिया। इस जलवे का तात्कालिक असर यह हुआ कि गला फाड़ फाड़कर चिल्लाने वाले इस यंत्र के चकाचौंध ने ढिंढोरा पीटने वाले अपने लोगों को एक तरह से किनारा कर दिया। गांव में सदियों से दिगवारों व ढिंढोरची के भरोसे यह व्यवस्था चला करती थी। कालांतर में दिगवार पुलिस तंत्र के भाग बन गए और गांव टोले का ढिंढोरची बेरोजगार होकर बैठ गया। देखने सुनने में यह सबकुछ सामान्य सी बातें लगती हैं परन्तु इसके पीछे छुट गए व्यथा की कहानी को इतनी सरलता से नहीं देखा जाना चाहिए। ऐसा इसलिए कि इसके साथ साथ लोकतंत्र के प्रति झारखंड की मौलिक व देश दुनिया को राह दिखाने वाली सोच व उसके क्रियान्वयन की एक विधा भी हमसे दूर चली गई। बताते चलें कि आज यहाँ के पत्थरों की बेतरतीब कटाई हो रही है। यह एक आम नजारा है और हम अपनी पहाड़ों के सुगम सरल प्रतिध्वनि को चीत्कार में परिवर्तित होते देख रहे है। कहीं न कहीं यह वही चीत्कार है जिसमें हमारे हंकवे व डुगडुगी की आवाज किसी अंधेरे में गुम होने को विवश होकर रह गई हैं। इन सबका नतीजा सामने है और हम विकास के नये नये कीर्तिमान गढ़ते चले जा रहे हैं। दुर्भाग्यवश इन बड़े बड़े कीर्तिमानों के बीच हमारे गांव की नालियां गंदगी से बजबजा रही हैं व समाजिक तानाबाना गर्दिश में पड़ा कराह रहा है। समय के साथ ध्वनिविस्तारक यंत्रों के दिन भी आनन फानन में लदते चले गए। इन सबके बीच, आज हम खो गए एक हंकवे या ढिंढोरे के स्मरण मात्र से रोमांच की अनुभूति इसलिए कर पा रहे हैं कि कटते, छंटते व नंगे होते टोंगरियों व पहाड़ियों की चीख ने विलुप्त हो चुके ढिंढोरे व हंकवे की आवाज के साथ हमारी सरलता, अपनापन, लोकतंत्र के प्रति नैसर्गिक आस्था, आचरण, रोमांच व एक पूरी की पूरी मौलिक सभ्यता को ही अपनी नैसर्गिकता से वंचित करके रख दिया है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

राज्य की बात

केदारनाथ दास
बसिया (गुमला)

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 ।प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

डेंगू से बचने के लिए स्वच्छता का रखें ख्याल

नई दिल्ली (आईएएनएस)

- **एडीज मच्छर गर्म और नम वातावरण में पनपता है, जो डेंगू फैलाता है**
- **ठहरे हुए पानी को साफ करें और बर्तनों को ढककर रखें**

हर साल 16 मई को राष्ट्रीय डेंगू दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को एक्स पोस्ट में कहा कि स्वच्छता अपनाना, मच्छरों के पनपने के स्थानों की जांच करना और जागरूकता फैलाना डेंगू के प्रसार को रोकने के लिए जरूरी हैं। डेंगू के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए, 2010 से ही 16 मई को 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' मनाया जाता है। इस साल की थीम 'चेक, क्लीन, कवरः स्टेप्स टू डिफीट डेंगू' यानी 'जांचें, साफ करें, ढकेंः डेंगू को हराने के लिए कदम' है। नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, ''इस साल की थीम इस बात पर जोर देती है कि डेंगू के फैलाव को रोकने के लिए नियमित रूप से मच्छरों के प्रजनन स्थलों की जांच करना, आस-पास की सफाई रखना, और पानी के बर्तनों को ढककर रखना बेहद जरूरी है।''नड्डा ने डेंगू को एक 'गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती' बताया और सभी लोगों से अपील की कि वे इस लड़ाई में सक्रिय भागीदारी निभाएं।केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''समुदायों, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और स्थानीय निकायों की सक्रिय भागीदारी से, हम डेंगू के प्रसार को काफी हद तक कम कर सकते हैं और सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा कर सकते हैं।''गुप्ता ने कहा, ''डेंगू के मामले साल भर बढ़ते हैं, इसलिए प्रारंभिक निदान और जागरूकता महत्वपूर्ण है। डेंगू केवल बुखार तक सीमित नहीं है, यह कभी-कभी मस्तिष्क को भी प्रभावित कर सकता है।

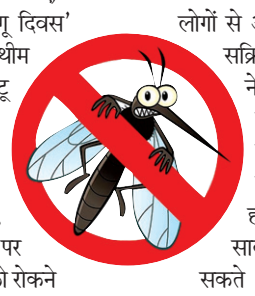

जलवायु परिवर्तन और स्वच्छता की अनदेखी से देशभर में बढ़ा प्रसार

स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले नेशनल सेंटर फॉर वेक्टर-बोर्न डिजीज कंट्रोल (एनसीवीबीडीसी) के आंकड़ों के अनुसार, 2010 में डेंगू के कुल मामले 28,066 थे, जो 2023 में बढ़कर 2.89 लाख पहुंच गए। यानी 13 सालों में डेंगू के मामलों में लगभग 10 गुना बढ़ोतरी हुई है। 2025 में, सिर्फ मार्च तक ही भारत में 16,000 से ज्यादा डेंगू के मामले दर्ज हो चुके हैं। यह संख्या साल की शुरुआत में ही काफी ज्यादा है। यह इस बात का संकेत है कि पूरे साल में मामलों की संख्या और बढ़ सकती है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "आइए हम सभी यह संकल्प लें कि स्वच्छता अपनाकर और जन जागरुकता फैलाकर हम अपने परिवार और समाज को डेंगू जैसी गंभीर बीमारी से बचाएंगे। डेंगू से बचाव ही एकमात्र बचाव है। स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत - यह डेंगू मुक्त भारत की नींव है! आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने भी डेंगू से बचाव को लेकर आम लोगों से कुछ महत्वपूर्ण सावधानियां अपनाने की अपील की है। डेंगू एडीज मच्छर के काटने से होता है। ये मच्छर गर्म और नम वातावरण में तेजी से बढ़ते हैं। जम्मू और कश्मीर और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में भी नियमित रुप से फैलने लगा है। यह इस बात का संकेत है कि डेंगू का दायरा अब उत्तर भारत के ठंडे क्षेत्रों तक फैल रहा है, जो पहले इससे काफी हद तक सुरक्षित थे। द लैंसेट में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन ने चेतावनी दी है कि अगर देश तत्काल कदम नहीं उठाता, तो दक्षिण एशिया में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी बीमारियों में बढ़ोतरी होगी। गुरुग्राम के एक प्रसिद्ध अस्पताल में न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. प्रवीण गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन के कारण डेंगू का देशव्यापी प्रसार न केवल बुखार बल्कि एन्सेफलाइटिस, दौरे और गिलियन-बैरे सिंड्रोम जैसे गंभीर न्यूरोलॉजिकल जोखिम भी लाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिया बंगाल सरकार को अंतरिम आदेश

सरकारी कर्मियों को 25% डीए भुगतान करें

नई दिल्ली/कोलकाता (आईएएनएस)

- **सुवेंदु अधिकारी ने बताई कर्मचारियों की बड़ी जीत**

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को राज्य कर्मचारियों को 25 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) का बकाया भुगतान करने का अंतरिम आदेश जारी किया। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने यह आदेश देते हुए सरकार को तीन महीने के भीतर भुगतान पूरा करने का निर्देश दिया। इस आदेश के तहत, पश्चिम बंगाल सरकार को अपने कर्मचारियों को बकाए डीए का 25 प्रतिशत हिस्सा शीघ्र भुगतान करना होगा। मामले की अगली सुनवाई अगस्त में होगी। यह कदम राज्य कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, "मैं सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय करोल और संदीप मेहता के पश्चिम बंगाल सरकार को दिए गए इस निर्देश का स्वागत करता हूं, जिसमें उन्होंने सरकार को तुरंत 25 प्रतिशत बकाया डीए (महंगाई भत्ता) कर्मचारियों को देने को कहा है। उन्होंने आगे लिखा, "यह फैसला पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारियों की बहुत बड़ी जीत है। ये वही कर्मचारी हैं जो लंबे समय से राज्य सरकार की कठोरता और अन्याय के खिलाफ लड़ते आ रहे थे- पहले ट्रिब्यूनल और फिर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचकर। भाजपा से संबद्ध 'कर्मचारी परिषद' (राष्ट्रवादी पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारियों का संघ) ने इस कानूनी लड़ाई में आगे बढ़कर नेतृत्व किया। इस जीत के लिए संगठन के सभी सदस्यों और पदाधिकारियों को बधाई, जिन्होंने ममता सरकार के दमन के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ता परमजीत सिंह पाटवाला, प्रख्यात वकील श्रीमती बांसुरी स्वराज और उन सभी वकीलों का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने कर्मचारियों की ओर से अदालत में पैरवी की। सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि ममता बनर्जी ने एक बार कहा था कि "डीए कोई अधिकार नहीं है।" लेकिन आज सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि डीए वास्तव में कर्मचारियों का अधिकार है।

सेना का अपमान बर्दाश्त नहीं, सपा नेता का बयान निंदनीयः गौरव भाटिया

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने समाजवादी पार्टी पर देश विरोधी और जातिवादी बयानों का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सपा का रवैया न केवल राष्ट्रहित के खिलाफ है, बल्कि यह समाज को बांटने और जातिगत विषैलापन फैलाने का भी प्रयास कर रहा है। गौरव भाटिया ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह के अपमान का मुद्दा उठाते हुए सपा नेतृत्व से जवाब मांगा और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की।

भाटिया ने कहा, "पाकिस्तान को हमने सबक सिखाया है, लेकिन दूसरी ओर समाजवादी पार्टी लगातार देश विरोधी बयानबाजी और अब जातिगत टिप्पणियों में लिप्त है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव को हमारी बहन, देश की शान विंग कमांडर व्योमिका सिंह का नाम तक नहीं पता। वे उन्हें 'दिव्या सिंह' कह रहे हैं। यह हमारी सेना और उसकी वीरांगना का अपमान है। सेना का कोई धर्म या जाति नहीं होती, केवल एक धर्म होता है और वह है भारत। फिर भी सपा बार-बार जाति की बात उठाकर समाज को विभाजित करने का प्रयास कर रही है। भाटिया ने सवाल उठाते हुए कहा, "क्या अखिलेश यादव रामगोपाल यादव के खिलाफ कोई कार्रवाई करेंगे? मुझे इसकी कोई उम्मीद नहीं है, क्योंकि सपा की मानसिकता ही देश विरोधी और समाज को तोड़ने वाली है। सपा का यह रवैया इसलिए है, क्योंकि वे नहीं चाहते कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति करे।" उन्होंने इंडिया ब्लॉक पर भी तीखा हमला बोला।

रामगोपाल यादव को जातिवादी कहना दिन को अंधेरा कहने जैसा : अवधेश

अयोध्या (आईएएनएस)। समाजवादी पार्टी के नेता रामगोपाल यादव और भारतीय जनता पार्टी के नेता विजय शाह के भारतीय सैन्य अधिकारियों पर दिए गए बयान पर प्रतिक्रियाओं का दौर तेज है। फैजाबाद से सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने इन सभी बिंदुओं पर अपने विचार साझा किए। अवधेश प्रसाद ने समाजवादी पार्टी के रुख को भी स्पष्ट किया। अवधेश प्रसाद ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि रामगोपाल यादव समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ और बहुत ही समझदार नेता हैं।

विभिन्न देशों में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजेगा भारत

पाक का हर झूठ होगा बेनकाब

- **इस बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल में एनडीए और विपक्षी सांसद शामिल होंगे**

एजेंसी। नई दिल्ली

कूटनीतिक कदम उठाते हुए, विभिन्न राजनीतिक दलों के भारतीय सांसदों (एमपी) का एक प्रतिनिधिमंडल 22 मई के बाद अंतरराष्ट्रीय आउटरीच दौरे पर जाने वाला है। इसका उद्देश्य पाकिस्तान के साथ हाल ही में हुए संघर्ष के बारे में वैश्विक नेताओं को जानकारी देना और भारत के रणनीतिक रुख के बारे में जानकारी प्रदान करना है। इस दौरे में संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, दक्षिण अफ्रीका, कतर और संयुक्त अरब अमीरात सहित कई देशों का दौरा किया जाएगा। 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों द्वारा किए गए आतंकवादी हमले के बाद संघर्ष नाटकीय रूप से बढ़ गया, जिसके बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया। इसके बाद तनाव बढ़ने पर पाकिस्तान ने भारतीय शहरों और सैन्य प्रतिष्ठानों पर ड्रोन हमले करने की कोशिश की। 10 मई को तनाव कम करने के समझौते पर पहुंचने तक चार दिनों तक तनाव बना रहा।

भारत की कूटनीतिक पहल को मिला सर्वदलीय समर्थन

एकीकृत राजनीतिक प्रतिक्रिया को मजबूत करने के लिए, भारत सरकार ने सुरक्षा स्थिति पर चर्चा करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई। विपक्षी दलों ने पाकिस्तान के उकसावे के खिलाफ सरकार के रुख को अपना समर्थन दिया। सैन्य उपायों के साथ-साथ, भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कूटनीतिक कार्रवाइयां लागू की हैं, जिनमें वीजा रद्द करना और सिंधु जल संधि को निलंबित करना शामिल है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू इस अंतरराष्ट्रीय दौरे के समन्वय का नेतृत्व कर रहे हैं। सांसदों को निमंत्रण भेजे गए हैं, और प्रतिनिधिमंडल में 5-6 सदस्य शामिल होंगे, जिनमें मुख्य रूप से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के वरिष्ठ सांसद शामिल होंगे। इन प्रतिनिधिमंडलों को भारत की स्थिति और कार्यों को स्पष्ट करने का काम सौंपा गया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय समर्थन प्राप्त हो सके। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए कांग्रेस निश्चित रूप से बहुदलीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल होगी। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस अध्यक्ष से बात की है, जो पार्टी नेताओं को प्रतिनिधिमंडल में शामिल करेंगे। यह योजनाबद्ध संपर्क भारत द्वारा विदेशी सरकारों से समर्थन प्राप्त करने के लिए किए जा रहे गहन कूटनीतिक प्रयासों के मद्देनजर किया गया है। इसमें पाकिस्तान की कार्रवाइयों के खिलाफ वैश्विक समर्थन जुटाने के उद्देश्य से शीर्ष अधिकारियों और विदेश मंत्रियों के साथ बातचीत शामिल है।

बिहार : राहुल गांधी के खिलाफ दरभंगा में 2 एफआईआर दर्ज

बीजेपी बोली- उन्हें जेल भेजा जाना चाहिए

पटना । एजेंसी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी के कई पदाधिकारियों के खिलाफ गुरुवार को दरभंगा के अंबेडकर कल्याण छात्रावास में निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए और बिना अनुमति के कथित रूप से अनाधिकृत जनसभा आयोजित करने के आरोप में दो एफआईआर दर्ज की गई हैं। इन मामलों पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि ये सभी मेरे लिए पदक हैं। मेरे खिलाफ 30-32 मामले दर्ज हैं। दरभंगा के एसडीपीओ (सदर) अमित कुमार ने कहा कि जिला प्रशासन ने पार्टी कार्यकर्ताओं के औपचारिक अनुरोध के बाद राजेंद्र भवन (टाउन हॉल) में कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कांग्रेस को लिखित अनुमति दी थी। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि अंबेडकर छात्रावास परिसर में एक अलग कार्यक्रम के लिए अनधिकृत तैयारी थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बिहार अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर दरभंगा के अंबेडकर छात्रावास में बिना पूर्व अनुमति के एक कार्यक्रम में कथित रूप से शामिल होने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके खिलाफ केवल एफआईआर दर्ज करना पर्याप्त नहीं है और उन्हें उनके कृत्यों के लिए जेल भेजा जाना चाहिए। एएनआई से बात करते हुए जायसवाल ने कहा कि बिहार चाणक्य की धरती है और राहुल गांधी यहां लोगों को बेवकूफ नहीं बना पाएंगे।

जायसवाल ने कहा कि कल अंबेडकर छात्रावास में राहुल गांधी ने बिना अनुमति के जो कार्यक्रम किया, उसके लिए न केवल उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज होना चाहिए, बल्कि उन्हें जेल भी भेजा जाना चाहिए। क्या राहुल गांधी कोई भगवान हैं कि वे कानून तोड़ेंगे और उनके खिलाफ कोई मुकदमा दर्ज नहीं होगा? बिहार चाणक्य की धरती है। यहां वे (राहुल गांधी) लोगों को बेवकूफ नहीं बना पाएंगे।

मुंबई क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई 4 करोड़ की ड्रग्स बरामद, 2 गिरफ्तार

मुंबई (आईएएनएस)

मुंबई क्राइम ब्रांच ने नशे के सौदागरों के खिलाफ कड़ा कदम उठाते हुए एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। क्राइम ब्रांच की यूनिट 5 ने जोगेश्वरी इलाके में दो ड्रग्स सप्लायरों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 2 किलोग्राम एमडी ड्रग्स बरामद किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस ड्रग्स की कीमत लगभग 4 करोड़ रुपये आंकी गई है। जानकारी के अनुसार, क्राइम ब्रांच की टीम को जोगेश्वरी बस डिपो के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों पर शक हुआ। तलाशी लेने पर उनके पास से भारी मात्रा में एमडी ड्रग्स मिला। दोनों आरोपियों के खिलाफ अंबोली पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया गया। मुंबई क्राइम ब्रांच अब इस बात की गहन जांच कर रही है कि यह ड्रग्स कहां से लाया गया था और इसे किन-किन लोगों तक पहुंचाने की योजना थी। पुलिस को शक है कि यह एक बड़े ड्रग्स रैकेट का हिस्सा हो सकता है। बता दें कि पिछले माह अप्रैल में भी क्राइम ब्रांच को मुंबई से सटे मीरा-भायंदर इलाके में एक बड़ी सफलता हाथ लगी थी। तब 'ड्रग्स क्वीन' के नाम से कुख्यात सबीना शेख को भारी मात्रा में कोकीन और नकदी के साथ गिरफ्तार किया गया। मीरा-भायंदर-वसई विरार पुलिस आयुक्तालय की क्राइम ब्रांच यूनिट-1 (काशीमीरा) की इस कार्रवाई में कुल 14.868 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 22.33 करोड़ रुपए आंकी गई थी।

साढ़े तेरह लाख का गांजा पुलिस ने किया बरामद

बेतिया। पश्चिम चम्पारण के जंगल से मानपुर पुलिस ने गांजा व बाइक जब्त किया है। थानाध्यक्ष सुबोध कुमार ने बताया कि गुरुवार की देर रात को गश्ती की जा रही थी, तभी जंगल से बाइक आते दिखाई दिया। संदेह के आधार पर पुलिस ने टॉर्च जलाकर देखा तो बाइक सवार ने पुलिस को देख बाइक छोड़ भागने लगा। पुलिस ने पीछा किया लेकिन अंधेरे का फायदा उठा कर कारोबारी मौके से फरार हो गया।

तुर्किये के साथ व्यापारिक संबंध तोड़े भारत, सेब आयात पर लगे प्रतिबंधः जयराम ठाकुर

मंडी (आईएएनएस)

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने भारत सरकार से टर्की के साथ सभी व्यापारिक समझौतों को रद्द करने की मांग की है। मंडी में शुक्रवार को तिरंगा यात्रा के बाद पत्रकारों से बातचीत में ठाकुर ने कहा कि हाल ही में भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान टर्की और चीन ने पाकिस्तान का खुलकर समर्थन किया। तुर्किये ने पाकिस्तान को ड्रोन और तकनीकी सहायता प्रदान की, जो भारत के हितों के विपरीत है। जयराम ठाकुर ने कहा, "जब तुर्किये में भूकंप से तबाही हुई थी, तब भारत ने मानवीय आधार पर उनकी हरसंभव मदद की थी। लेकिन अब उसकी हरकतें बर्दाश्त से बाहर हैं। आज हर भारतवासी की यही भावना और सोच है कि टर्की के साथ सभी तरह के संबंधों को समाप्त कर देना चाहिए। हिमाचल के लोगों की विशेष रूप से यह भावना और मांग है कि टर्की से आयात किए जाने वाले सेब पर तुरंत प्रभाव से प्रतिबंध लगा देना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी।

वृष : आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। एकाकी प्रवृति का त्याग करें। यात्रा न करें।

मिथुन : शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

कर्क : शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। मन प्रसन्न बना रहेगा।

सिंह : आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अत: आलस्य का त्याग करें।

कन्या : भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। धार्मिक कार्य शुभ रहेगा।

तुला : योजना क्रियान्वन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। सफलता मिलेगी। सुनियोजित तरीके से कार्यारम्भ करें।

वृश्चिक : व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है।

धनु : लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है।

मकर : मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। शुद्ध गोचर का लाभ। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा।

कुंभ : मनोरंजन के साधनों पर धन-व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे।

मीन : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा।

Jharkhand Bijli Vitran Nigam Limited
Electric Supply Area, Medininagar
(CIN:U40108JH2013SGC001702)
Regd. Office :By Pass Road, Sudna, Medininagar,822102 email:gm_mdnjseb@yahoo.in
Telephone:-06562-295539

e-tender Notice for empanelment of agencies to provide technical and non technical manpower under Electric Supply Area, Medininagar.

Online tender is invited from reputed contractor, having past experience of providing/ handling of Technical and Non technical resource in the electricity distribution system and financially sound agencies for empanelment of agencies to provide technical and non technical resource to maintain LT, HT line, distribution including and 33/11 KV Power -Sub Station operation & related works under Electric Supply Area, Medininagar under O&M head F.Y. 2025-26

All online tenders should be submitted on www.jharkhandtenders.gov.in

E-NIT No.	Sl. No	Name of Particulars	Category of Manpower	Unit	Qty	EMD (in Rs.)	Cost of tender documents (BOQ) (In Rs.) (non-refundable)
1	2	3	4	5	6	7	8
18/PR/ JBVNL/ 2025-26	1	To provide technical manpower and non technical resources for 33 KV/ 11 KV, LT Line, Distribution transformer maintenance and 33/11 KV Power Sub -Station Operation &up -coming PSS and Different offices Computer Related works under Electric Supply Area, Medininagar fo r One year.	S.B.O (I.T.I)	No	232	Rs 400000.00	Rs.10000+1800 (GST)= 11800/-
	2		J.L.M (I.T.I)	No	27		
	3		Helper (Matric)	No	398		
	4		Crane Driver	No	01		
	5		Crane Helper	No	01		
	6		Computer operator	No	35		

IMPORTANT SCHEDULE OF DATES FOR ABOVE NIT

1. Availability of tender document on website	:-	From 20.05.2025 time 10.00 Hrs
2. Last Date and time for submitting e-tender	:-	Up to 10.06.2025 time 17.00 Hrs
3. Last Date and time of submission of online fee and EMD etc.	:-	10.06.2025 up to 17.00 Hrs
4. Date and time of opening of tender(Techno-Commercials Cover) i.e Cover-I)	:-	12.06.2025 at 15:30 Hrs

Note :- Manpower quantity may be increased or decreased (as per requirement from field officials).Terms & Condition
1. Guideline for online submission of bids can be downloaded from the website http:// jharkhandtenders. gov.in.
2. Interested bidders can download the bid from the .
3 . Bidder have to submit their bids online in electronic format with digital signature, Bids without digital signature will not be accepted. No proposal (bid) will be accepted in Physical form. No document will be accepted/considered
For any clarification please contact : - 98355-74043

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को 18003456570 (कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
General Manager-cum-Chief Engineer
Electric Supply Area, Medininagar

PR 352653 Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd(25-26).D

झारखण्ड सरकार
श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग,
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, चंदवा, लातेहार
Office e-mail id- itichandwa@gmail.com
Website- https://iti.jharkhand.gov.in

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, चंदवा, लातेहार में शैक्षणिक सत्र–2025–26–27 में नामांकन संबंधित सूचना–

1. झारखण्ड सरकार के NCVT के अन्तर्गत संचालित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, चंदवा में निदेशालय, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग झारखण्ड राँची के पत्रांक–639, दिनांक–07.05.2025 के अनुपालन में शैक्षणिक सत्र–2025–26–27 के विभिन्न व्यवसाय में नामांकन के लिए योग्य आवेदकों से , जो झारखण्ड राज्य के स्थायी / स्थानीय निवासी की श्रेणी में आते हैं और निचे दिये गये शैक्षणिक योग्यता धारित करते हैं, उनसे ऑनलाईन आवेदन–पत्र (https://iti.jharkhand.gov.in » Admission Tab) पर आमंत्रित किये जाते हैं।

2. न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता:–
(क) वेल्डर व्यवसाय के लिए आठवीं (8वीं) उत्तीर्णता।
(ख) इलेक्ट्रीशियन, फीटर एवं मैकेनिक डिजल व्यवसायों के लिए माध्यमिक / 10वीं परीक्षा में उत्तीर्णता आवश्यक है।
(ग) आयु अहर्ता :–
01.दिव्यांग जनों / सैन्य कार्रवाई में दिवगंत सैन्य कर्मियो के विधवाओं के मामले में अधिकतम आयु 45 वर्ष तक है।

3. महत्वपूर्ण तिथियाँ:–

क्रम0 सं0	विवरणी	तिथि
01	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की प्रारंभिक तिथि	20.05.2025
02	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन एवं आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि	13.06.2025 अपराह्न 5:00 बजे तक
03	1st Round Admission (नामांकन) की अवधि	04.07.2025 से 21.07.2025 अपराह्न 5:00 बजे तक
04	2nd Round Admission (नामांकन) की अवधि	04.08.2025 से 14.08.2025 अपराह्न 5:00 बजे तक

व्यवसायवार रिक्त सीटों की विवरणी निम्नवत: है :–

क्र0. सं0	ट्रेड	अवधि	सामान्य Gen	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग EWS	टनुसूचित जनजाति ST	टनुसूचित जाति SC	पिछड़ा वर्ग–I BC-I	पिछड़ा वर्ग– II BC-II	दिव्यांग PH	SMQ	कुल
1.	इलेक्ट्रीशियन	2 वर्ष	15	3	11	8	0	0	2	1	40
2.	फिटर	2 वर्ष	15	3	11	8	0	0	2	1	40
3.	वेल्डर	1 वर्ष	15	3	11	8	0	0	2	1	40
4.	मैकेनिक डिजल	1 वर्ष	18	5	13	9	0	0	2	1	48
	कुल :–		63	14	46	33	0	0	8	4	168

4. औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, चंदवा में नामांकन लेने वाले अभ्यार्थियों का वैध मोबाईल नं0, ई–मेल आई0डी0 एंव आधार नं0 आवश्यक है, तथा एन0टी0सी0 उत्तीर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त होने तक उसमें परिवर्तन करने की अनुमति नहीं होगी।
5. नामांकन के समय मैट्रिक का सभी प्रमाण–पत्र, SLC/CLC/TC का मूल प्रति प्रस्तुत करना अनिवार्य है।
नोट :– 1. नामांकन से संबंधित विशेश जानकरी के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, चंदवा, लातेहार के सूचना पट्ट या कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है या ITI Webportal https://iti.jharkhand.gov.in में संपूर्ण जानकारी ले सकते है। एवं आवश्यकतानुसार मो0नं0–7632937813 / 9570026057 / 6201295179 पर सम्पर्क किया जा सकता है।
2. Online आवेदन ITI Chandwa, Latehar के कार्यालय में निशुल्क भरा जाएगा।
3. पुरूष एवं महिला दोनों नामांकन ले सकते है।

प्रभारी प्राचार्य
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान,
चंदवा, लातेहार

PR 352667 (Labour Employment and Traning)25-26*D

नई दिल्ली और इस्लामाबाद के डीजीएमओ जल्द ही फिर बात करेंगे

भारत और पाकिस्तान ने बढ़ाया 18 मई तक संघर्ष विराम

नई दिल्ली । एजेंसी

सूत्रों ने बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम को 18 मई तक बढ़ा दिया गया है। इस संबंध में नई दिल्ली और इस्लामाबाद के सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) जल्द ही बातचीत करेंगे। सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान दोनों देशों के डीजीएमओ सीमा पर स्थिति की समीक्षा करेंगे। यह भारत और पाकिस्तान द्वारा नियंत्रण रेखा और सीमा क्षेत्रों पर उच्च सतर्कता के स्तर को धीरे-धीरे कम करने के लिए अपने विश्वास-निर्माण उपायों को जारी रखने का निर्णय लेने के एक दिन बाद आया है। भारतीय सेना ने एक बयान में कहा, "10 मई 2025 को दोनों डीजीएमओ के बीच बनी समझ के अनुसार, सतर्कता के स्तर को कम करने के लिए विश्वास-निर्माण उपायों को जारी रखने का निर्णय लिया गया है। जैसे-जैसे स्थिति आगे बढ़ेगी, हम आपको सूचित करेंगे।

भारत और पाकिस्तान ने 18 मई तक संघर्ष विराम बढ़ाया

अधिकारियों ने गुरुवार को कहा, "10 मई 2025 को दोनों डीजीएमओ के बीच बनी सहमति के अनुसार, सतर्कता के स्तर को कम करने के लिए विश्वास-निर्माण उपायों को जारी रखने का फैसला किया गया है।" पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने दावा किया कि पाकिस्तान के डीजीएमओ मेजर जनरल काशिफ अब्दुल्ला और भारत के डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने संघर्ष विराम पर चर्चा करने के लिए गुरुवार को हॉटलाइन पर बात की, जिसे अब 18 मई तक बढ़ा दिया गया है।

दोनों देशों के अधिकारी फिर बात करेंगे

भारत ने घातक पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 7 मई की आधी रात के बाद पाकिस्तान और पाकिस्तान के क ज े वाले कश्मीर में आतंकी शिविरों पर ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इसके एक दिन बाद ही दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया, जब पाकिस्तान ने सीमा के पास सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइल से हमला किया, जिसे भारत ने विफल कर दिया। तीन दिनों की गहन सैन्य शत्रुता के बाद, दोनों देशों ने 10 मई को दोनों ओर से गोलीबारी बंद करने पर सहमति जताई, जब पाकिस्तान के डीजीएमओ ने अपने भारतीय समकक्ष को फोन करके सीमा पार से सभी तरह की गोलीबारी रोकने को कहा। हालांकि, पाकिस्तान ने कुछ ही घंटों बाद इस समझौते का उल्लंघन किया, क्योंकि सीमावर्ती गांवों से भारी गोलाबारी और गोलीबारी की खबरें सामने आईं। पाकिस्तानी और भारत के बीच तनाव पहलगाम हमले के बाद काफी ज्यादा हो गया। दोनों देशों के बीच युद्ध की स्थिति पैदा हो गयी थी। लेकिन चार दिन तक चले तेज मिसाइल हमलों के बाद दोनों देशों में अपसी सहमति से सीजफायर हुआ। 2025 पहलगाम हमला भारतीय प्रशासित जम्मू और कश्मीर में पहलगाम के पास पांच सशस्त्र आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर हमला था जिसमें 22 अप्रैल 2025 को 26 नागरिक मारे गए थे। आतंकवादियों ने मुख्य रूप से हिंदू पर्यटकों को निशाना बनाया था, हालांकि हमले में एक ईसाई पर्यटक और एक स्थानीय मुस्लिम भी मारे गए।एम4 कार्बाइन और एके-47 से लैस हमलावर घने देवदार के जंगलों से घिरी बैसरन घाटी में पर्यटक स्थल में घुस गए। इस घटना को 2008 के मुंबई हमलों के बाद से भारत में नागरिकों पर सबसे घातक हमला माना जाता है।

अमेरिकी-चीन के बीच ट्रेड वॉर में थोड़ी नरमी आने का असर

ऐपल ने भारत में आईफोन बनाने की विशेष योजना को फिलहाल रोका

- डोनाल्ड ट्रंप ने ऐपल को भारत में प्रोडक्शन बंद करने को कहा था

ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल को भारत में प्रोडक्शन बंद करने को कहा है। कंपनी चाइना प्लस वन नीति के तहत भारत में आक्रामक तरीके से अपना विस्तार कर रही थी। लेकिन अमेरिका व चीन के बीच ट्रेड वॉर में थोड़ी नरमी आने से एपल भारत में अपने कारोबार को बढ़ाने की योजना रोक दी। अमेरिका के बाजार के लिए भारत में आईफोन बनाने की विशेष योजना को फिलहाल रोक दिया है। लेकिन ऐपल ने पहले से तय की गई योजनाओं को जारी रखने का फैसला किया है। यानी भारत में सामान्य विस्तार व चीन के अलावा दूसरे देशों में उत्पादन बढ़ाने का काम चलता रहेगा। लेकिन अमेरिका के बाजार के लिए आईफोन बनाने की विशेष योजना को फिलहाल रोक दिया गया है।

कंपनी के सूत्रों के अनुसार 'हम अभी दुनिया भर के राजनीतिक और आर्थिक माहौल को समझना चाहते हैं। खासकर टैरिफ को लेकर क्या नियम बनते हैं, इस पर हमारी नजर है। चीजें बहुत तेजी से बदल रही हैं। अमेरिका सरकार ने टैरिफ को लेकर कई बार अचानक फैसले बदले हैं। चीन के साथ भी ऐसा ही हुआ है, जहां कुछ चीजों पर टैक्स काफी कम कर दिया गया है। इसलिए, हम थोड़ा रुक कर यह देखना चाहते हैं कि आगे क्या होता है। अमेरिका को आईफोन सप्लाई करने के लिए भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू करने से पहले हम थोड़ा इंतजार करेंगे।

कतर यात्रा पर गए ट्रंप ने ऐपल के सीईओ टिम कुक से कहा कि अमेरिका के बाजार के लिए आईफोन भारत से नहीं मंगवाए जाएं। ट्रंप चाहते हैं कि चीजें अमेरिका में ही बनें। ऐपल ने अमेरिकी सरकार को भरोसा दिलाया है कि वह अगले चार साल में अमेरिका में 500 अरब डॉलर का निवेश करेगी। इसमें ह्यूस्टन में एक नया मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाना भी शामिल है, जहां सर्वर बनाए जाएंगे। कंपनी ने यह भी कहा है कि वह 2029 तक अमेरिका में 20,000 नई नौकरियां देगी। टैरिफ पर ट्रंप के बार-बार बदलते रवैये ने कुक को भी परेशान कर रखा है। कुक ने हाल ही में कहा था कि भारत अमेरिका को आई फ़ोन सप्लाई करने का मुख्य केंद्र होगा। उनका कहना था कि जून तिमाही में अमेरिका में बिकने वाले ज्यादातर आईफोन भारत में बने होंगे। ट्रंप के नए बयान के बाद भारत सरकार के सूत्रों ने कहा कि ऐपल ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि वह फॉक्सकॉन और टाटा ग्रुप जैसे मैन्युफैक्चरिंग पार्टनर के जरिए भारत में निवेश जारी रखेगी।सरकार के सूत्रों के अनुसार ऐपल ने कहा कि निवेश की जो योजनाएं कोविड के बाद शुरू हुई थीं, उनमें कोई कमी नहीं आएगी। विशेषकर पीएलआई योजना के तहत स्मार्टफोन बनाने पर जोर दिया जाएगा। चीन के अलावा दूसरे देशों में उत्पादन बढ़ाने का काम भी जारी रहेगा। सिर्फ अमेरिका को आईफोन सप्लाई करने की योजना पर दोबारा विचार किया जा रहा है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि कंपनियां कई चीजों को ध्यान में रखकर अपने उत्पादन के बारे में फैसले लेती हैं। इनमें कमाई, काम करने की क्षमता और प्रतिस्पर्धा शामिल है। ये सब बिजनेस से जुड़े फैसले होते हैं।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने की अमेरिका की दादागीरी की आलोचना, कहा

टैरिफ युद्ध या व्यापार युद्ध में कोई नहीं जीतता

ब्यूरो

नई दिल्ली। विश्व की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों अमेरिका व चीन के बीच 90 दिन का टैरिफ सीजफायर हो गया है। दोनों देश एक-दूसरे के सामान पर लगने वाले टैरिफ को कम करने का फैसला किये। यह व्यवस्था 90 दिनों के लिए है। स्विट्जरलैंड में दोनों देशों के प्रतिनिधियों की हाल में हुई बैठक में इस बात पर सहमति बनी। इससे अमेरिका व चीन के बीच लंबे समय से चल रहा व्यापार युद्ध कुछ समय के लिए शांत हो गया है और दुनिया भर के बाजारों में उत्साह का माहौल है। लेकिन इस बीच चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिका की दादागीरी व वर्चस्व की आलोचना की है।सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक शी जिनपिंग ने कहा कि टैरिफ युद्ध या व्यापार युद्ध में कोई नहीं जीतता। दादागिरी या दबदबे से सिर्फ अलगाव होता है। चीनी राष्ट्रपति कम्युनिटी ऑफ लैटिन अमेरिकन एंड कैरीबियन स्टेट्स फोरम की चौथी मंत्रिस्तरीय बैठक के उद्घाटन में यह बात कही। लैटिन अमेरिका व कैरेबियाई देशों में चीन के प्रभाव को बढ़ाने के लिए

- लैटिन अमेरिकी व कैरेबियाई 33 देशों के साथ बीते वर्ष चीन का 500 अरब डॉलर से ज्यादा का ट्रेड हुआ था
- चीन ने चाइनीज करेंसी में इन देशों के विकास को सपोर्ट करने के लिए 9.2 अरब डॉलर की क्रेडिट लाइन देने का वादा किया

इस फोरम की स्थापना 2014 में की गई थी। इसका उद्देश्य अमेरिका के दबदबे को चुनौती देना भी है। इस सम्मेलन में ब्राजील, कोलंबिया और चिली के राष्ट्रपति भी शामिल हुए।चीनी राष्ट्रपति ने कहा कि एक सदी में इतने बड़े बदलाव पहले कभी नहीं देखे गए। इन बदलावों के कारण देशों के बीच एकता और सहयोग बहुत जरूरी हो गया है। पिछले कुछ हफ्तों से चीन और अमेरिका के बीच तनातनी चल रही थी। चीन किसी भी कीमत पर अमेरिका के दबाव के आगे झुकने को तैयार नहीं था। अमेरिका ने चीनी सामान पर 145 % टैरिफ़ लगाया तो चीन ने अमेरिकी सामान पर टैरिफ 125 % कर दिया। बीते रविवार को दोनों देशों के बीच टैरिफ को कम करने पर सहमति बन गई। लेकिन शी जिनपिंग ने व्यापार में राहत मिलने के बावजूद अपना रुख जारी रखा। उन्होंने लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों के साथ एकजुटता बढ़ाने का वादा किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन देशों को अमेरिका के करीब लाना चाहते हैं। शी जिनपिंग ने बताया कि पिछले साल चीन और सेलैक (लैटिन अमेरिकी व कैरेबियाई राज्यों का समुदाय- लैटिन अमेरिकी व कैरेबियाई राज्यों का एक समूह है, जिसमें 33 देश शामिल हैं, और इसकी पाँच आधिकारिक कामकाजी भाषाएँ हैं। इसे अमेरिकी राज्यों के संगठन के विकल्प के रूप में देखा जाता है, और इसमें सभी ओएएस सदस्य देश व क्यूबा राष्ट्र शामिल हैं।) देशों के बीच 500 अरब डॉलर से ज्यादा का ट्रेड हुआ था। उन्होंने सेलैक देशों के विकास को सपोर्ट करने के लिए 9.2 अरब डॉलर की क्रेडिट लाइन देने का भी वादा किया। जो चाइनीज करेंसी में होगी।

सिंधु की धारा पर सियासी संग्राम : उमर अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती आमने-सामने

श्रीनगर। तुलबुल नौवहन परियोजना को पुनर्जीवित करने की मांग को लेकर शुक्रवार को जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी पूर्ववर्ती महबूबा मुफ्ती के बीच सोशल मीडिया पर सार्वजनिक बहस छिड़ गई। महबूबा मुफ्ती ने सरकार पर भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता समाप्त होने के बीच उकसाने वाले कदम उठाने का आरोप लगाया। हालांकि, अब्दुल्ला ने आरोप लगाया कि मुफ्ती इस विचार का विरोध करके सस्ते प्रचार के लिए और पाकिस्तान में कुछ लोगों को खुश करने की कोशिश कर रही हैं। तुलबुल नेविगेशन परियोजना का उद्देश्य बांदीपुरा जिले में झेलम से बहने वाली वुलर झील को पुनर्जीवित करना है। परियोजना 1987 में शुरू की गई थी, लेकिन 2007 में पाकिस्तान की आपत्तियों के कारण इसे रोक दिया गया था कि यह सिंधु जल संधि का उल्लंघन करती है। पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद 23 अप्रैल को भारत द्वारा संधि को निलंबित करने के बाद, अब्दुल्ला ने गुरुवार को वुलर झील पर परियोजना में काम फिर से शुरू करने का आह्वान किया। एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि पाकिस्तान के साथ जल समझौते को स्थगित रखा गया है, मुझे आश्चर्य है कि क्या हम परियोजना को फिर से शुरू कर पाएंगे।

रिजर्व डिब्बों में नहीं बैठ सकते वेटिंग टिकट वाले

रिजर्व सीटों पर बैठे तो लगेगा भारी जुर्माना

- 1 मई 2025 से वेटिंग टिकट वालों के लिए नियम और कड़े किए गए

ब्यूरो

नई दिल्ली। एक मई 2025 से इंडियन रेलवे ने 1 मई 2025 से वेटिंग टिकट वालों के लिए नियम और कड़े कर दिये । अब जिन लोगों के पास वेटिंग टिकट है, उन्हें रिजर्व डिब्बों में बैठने की इजाजत नहीं होगी। उन्हें केवल जनरल डिब्बों में ही यात्रा करनी होगी। यदि कोई वेटिंग टिकट वाला यात्री रिजर्व कोच में पकड़ा गया, तो उस पर भारी जुर्माना लगेगा। रिज़र्व बोगी में यात्री जब भी बैठते हैं तो अपनी टिकट पर लिखे कोच नंबर व सीट नंबर को देखकर ही यात्रा करते हैं, लेकिन कुछ होते हैं जो वेटिंग टिकट के साथ एसी व स्लीपर कोच में जबरन सफर करते हैं और रिजर्व सीट पर बैठ जाते हैं। अब कहा जा रहा है कि ऐसा करने पर यानी यदि आप वेटिंग टिकट के साथ एसी व स्लीपर कोच में यात्रा करते हुए पाए गए तो टीटीई आप पर भारी जुर्माना लगा सकता है। लेकिन इस तरह यात्रा करने वालों को पता है कि कैसे चढ़ावा चढ़ा सीट लिया जा सकता है। टीओआई के मुताबिक आप वेटिंग टिकट के साथ अब स्लीपर व एसी कोच में सफर नहीं कर सकते।

एक मई से लागू फ़रमान का असर उन लोगों पर पड़ेगा जो एक ही पीएनआर (यात्रा बुकिंग नंबर) पर ग्रुप में सफर कर रहे हैं और जिनमें कुछ टिकट कन्फर्म हैं और कुछ वेटिंग में हैं। जैसे मान लीजिए, एक परिवार में चार लोग हैं - दो लोगों के टिकट कन्फर्म हैं और दो लोगों के वेटिंग में हैं। अब नए नियम के अनुसार जिनके टिकट वेटिंग में हैं, वे रिजर्व कोच (आरक्षित डिब्बे) में सफर नहीं कर सकते। यदि वे जबरन चढ़ते हैं, तो इसे गलत तरीके से यात्रा करना माना जाएगा और जुर्माना लग सकता है।यदि कोई यात्री नियमों का उल्लंघन करता पाया गया, जैसे कि वेटिंग लिस्ट वाला यात्री आरक्षित कोच में बैठा हो, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है। एसी कोच में आप बिना रिजर्वेशन के बैठे पाए जाते हैं, तो आप 440 रुपए तक और स्लीपर कोच में 250 रुपए तक का जुर्माना लग सकता है। इसके अलावा, ऐसे यात्रियों को अगले स्टेशन पर ट्रेन से भी उतारा भी जा सकता है, और उन्हें बोर्डिंग स्टेशन से उस स्टेशन तक का किराया भी देना पड़ सकता है।

यदि किसी यात्री का वेटिंग टिकट है, तो भारतीय रेलवे ने इसके लिए कुछ नियम बनाए हैं-

- **ऑनलाइन टिकट :** यदि आन लाइन बुक किया गया वेटिंग टिकट चार्ट बनने के बाद भी कन्फर्म नहीं होता, तो वो टिकट अपने आप कैंसिल हो जाता है और पूरा पैसा वापस मिल जाता है। इसमें कोई कटौती नहीं होती।
- **ऑफलाइन टिकट :** यदि वेटिंग टिकट काउंटर से लिया है, तो आपको खुद जाकर टिकट कैंसिल करवाना होगा। यदि ट्रेन के समय से 4 घंटे पहले टिकट कैंसिल करवा देते हैं, तो प्रति यात्री को ₹20 + जीएसटी की कटौती के बाद बाकी पैसा वापस मिल जाएगा।

32 छात्रों को स्कूल से निकालने पर दिल्ली हाई कोर्ट ने डीपीएस से पूछा-

'आपको निष्कासन से क्या खुशी मिलती है?

ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), द्वारका के उस फैसले पर सवाल उठाया, जिसमें फीस का भुगतान न करने पर 32 छात्रों को निष्कासित कर दिया था। स्कूल के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई के दौरान जस्टिस सचिन दत्ता ने कहा कि आपने यह कार्रवाई पिछले कार्य दिवस पर की। बच्चों को आखिरी सप्ताह में बाहर निकाल दिया गया। क्या आपको ऐसा करने से आनंद मिलता है?बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस दत्ता ने आगे सवाल किया कि स्कूल ने अंतिम निर्णय लेने से पहले छात्रों के अभिभावकों को नोटिस क्यों नहीं जारी किया। कोर्ट ने पूछा, "इन बच्चों को लिस्ट से हटाने से पहले, दिल्ली स्कूल शिक्षा नियम के नियम 35 (4) के तहत नोटिस कहां है? 32 छात्रों में से प्रत्येक को नोटिस कहां है? मुझे वह नोटिस दिखाइए जिसके माध्यम से आपने छात्रों को सूचित किया था कि यदि

- स्कूल ने जानबूझकर सरकारी अधिकारियों द्वारा स्वीकृत फीस का भुगतान करने के लिए जमा किए गए चेक को भुनाया नहीं
- दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) द्वारा स्कूल को अपने नियंत्रण में लेने के निर्देश देने की मांग की याचिका

आप फीस का भुगतान नहीं करते हैं, तो आपको सूची से हटा दिया जाएगा।' स्कूल की ओर से पेश वकील ने कहा कि वे गहरे वित्तीय संकट में हैं और पिछले साल उन्हें लगभग 49 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। अंत में पीठ ने कहा कि वह सोमवार को मामले की पुनः सुनवाई करेगी और आदेश पारित करेगी। कोर्ट डीपीएस द्वारका द्वारा फीस न चुकाने के कारण कथित रूप से निष्कासित 32 छात्रों के अभिभावकों द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था। उन्होंने तर्क दिया कि यह निर्णय हाई कोर्ट के पहले के आदेश के विपरीत है, जिसमें छात्रों के हितों की रक्षा की गई थी। अभिभावकों ने बताया कि इन छात्रों को परिसर में प्रवेश करने से रोकने के लिए स्कूल के बाहर बाउंसर तैनात किए गए थे। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि कई बार याद दिलाने के बावजूद, स्कूल ने जानबूझकर सरकारी अधिकारियों द्वारा स्वीकृत फीस का भुगतान करने के लिए जमा किए गए चेक को भुनाया नहीं।

अभिभावकों ने यह आवेदन डीपीएस द्वारा राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के उस आदेश के खिलाफ लंबित याचिका में दायर किया है, जिसमें दिल्ली पुलिस को स्कूल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। आरोप है कि स्कूल ने छात्राओं को लाइब्रेरी में बंद कर दिया, उनके नाम सार्वजनिक रूप से बताए और फीस न चुकाने पर उनमें से कुछ को स्कूल से निकाल दिया। एक मामले में एक लड़की को मासिक धर्म के दौरान मदद देने से मना कर दिया गया क्योंकि उसकी फीस बकाया थी।बाद में हाई कोर्ट ने एफआईआर दर्ज करने के आदेश पर रोक लगा दी थी। हालांकि, 16 अप्रैल को पारित आदेश में हाई कोर्ट ने फीस न चुकाने वाले छात्रों को अलग-अलग बैठाने और परेशान करने के स्कूल के फैसले की कड़ी आलोचना की थी। स्कूल को आदेश दिया गया था कि वह किसी भी छात्र को कक्षाओं में आने से न रोके। इस बीच, हाई कोर्ट की एक समन्वय पीठ ने आज कुछ अभिभावकों द्वारा दायर एक अलग याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) द्वारा स्कूल को अपने नियंत्रण में लेने के निर्देश देने की मांग की गई थी।मालूम हो कि दिल्ली सरकार ने पहले ही डीपीएस को छात्रों को फिर से दाखिला देने का आदेश दे दिया है। शिक्षा निदेशालय (डीओई) ने एक आदेश जारी कर डीपीएस द्वारका प्रबंधन को "छात्रों को परेशान न करने" और "किसी भी तरह की बलपूर्वक कार्रवाई करने से बचने" का निर्देश दिया है।

कहानी फिल्म जगत की

बॉलीवुड एक्टर परेश रावल ने हेरा फेरी 3 से किया किनारा

बॉलीवुड हंगामा ने बताया है कि परेश रावल रचनात्मक मतभेदों के कारण फिल्म से बाहर हो गए हैं। एक सूत्र ने एंटरटेनमेंट पोर्टल को बताया, "निर्माताओं और परेश रावल के बीच रचनात्मक मतभेद थे। नतीजतन, अभिनेता ने फिल्म से हटने का फैसला किया।" पोर्टल ने खबर की पुष्टि करने के लिए परेश रावल से भी संपर्क किया। अभिनेता ने पुष्टि की कि वह वास्तव में फिल्म से बाहर हो गए हैं।फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन करने वाले थे, जो वर्तमान में अपनी फिल्म भूत बंगला की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें परेश और अक्षय कुमार भी हैं। टीम ने पहले ही फिल्म के मुहुर्त शॉट को ओजी कास्ट के साथ फिल्माया है, जिसमें अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल शामिल हैं। इससे पहले, अक्षय कुमार ने फ्रैंचाइज़ी से बाहर होने का फैसला किया था और ऐसी खबरें थीं कि उनकी जगह कार्तिक आर्यन को लिया गया था।

राजभवन में सिक्किम राज्य की स्थापना की 50वां वर्षगांठ मनाई गई

सिक्किम शांत वातावरण के लिए है प्रसिद्ध : राज्यपाल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज भवन में सिक्किम राज्य स्थापना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने झारखंड में निवास कर रहे सिक्किमवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि हिमालय की गोद में स्थित सिक्किम अपने प्राकृतिक सौंदर्य और शांत वातावरण के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। "खुशियों की धरती" के रूप में विख्यात यह राज्य केवल एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि अपने नागरिकों के अदम्य साहस, जीवंत संस्कृति और अनुकरणीय विकास का प्रतीक है।

राज्यपाल ने कहा कि सिक्किम जैविक कृषि, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में देशभर में एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है। यह भारत का पहला ऐसा राज्य है, जिसने पूरी तरह से जैविक खेती को अपनाया। इको-टूरिज्म, स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास की अवधारणाओं को व्यवहार में लाकर सिक्किम ने यह सिद्ध किया है कि आधुनिकता और प्रकृति के बीच संतुलन संभव है।

राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देकर सिक्किम ने न केवल अपनी आर्थिकी को सशक्त किया है, बल्कि संपूर्ण भारत के लिए हरित पर्यटन का एक आदर्श प्रस्तुत किया है। राज्यपाल महोदय ने यह भी कहा कि सिक्किम अपनी सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक कलाओं और लोक पर्वों को संरक्षण प्रदान करते हुए आधुनिक विकास के मार्ग पर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी सिक्किम का भ्रमण कर चुके हैं। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ। नितिन कुलकर्णी ने कहा कि सिक्किम राज्य की स्थापना के 50वां वर्षगांठ मना रहा है। यह राज्य आकार में भले छोटा हो, लेकिन हैप्पीनेस में अग्रणी है। जैविक कृषि, नागरिक उत्तरदायित्व और पर्यावरणीय सजगता में सिक्किम अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करता है।

'बिहार आई बैंक नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए जागरुकता चलाए'

रांची। राज्यपाल की अध्यक्षता में शुक्रवार को बिहार आई बैंक ट्रस्ट की राज भवन में बैठक आहूत हुई। बैठक में ट्रस्ट की वर्तमान गतिविधियों, भावी योजनाओं और संगठनात्मक स्वरूप पर विस्तृत चर्चा की गई। मौके पर राज्यपाल ने कहा कि झारखंड राज्य के गठन को दो दशक से अधिक समय बीत चुका है, इसके बावजूद ट्रस्ट का नाम अब भी "बिहार आई बैंक ट्रस्ट" ही है। उन्होंने इसके नाम में शीघ्र परिवर्तन करने के लिए निर्देशित किया। राज्यपाल ने सभी ट्रस्टी से कहा कि यह ट्रस्ट लोगों को बेहतर नेत्र उपचार की सुविधा उपलब्ध कराकर समाज में एक विशिष्ट पहचान स्थापित करे। उन्होंने कहा कि बिहार आई बैंक ट्रस्ट नेत्र रोगों के उपचार एवं नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए जन-जागरुकता कार्यक्रमों को भी बढ़ावा दें। राज्यपाल ने कहा कि उनके द्वारा बरेली में प्रतिवर्ष नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है और हजारों लोगों के नेत्र का निःशुल्क ऑपरेशन कराया जाता है। बैठक में बिहार आई बैंक ट्रस्ट में आयुष्मान भारत योजना का लाभ लोगों को प्रदान करने तथा ट्रस्ट की वित्तीय स्थिति और संसाधनों के विविध स्रोतों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ। नितिन कुलकर्णी, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, वित्त विभाग के सचिव प्रशांत कुमार, संयुक्त सचिव, राज्यपाल सचिवालय अर्चना मेहता, ट्रस्ट की सचिव डॉ. प्रोन्नति सिन्हा सहित अन्य ट्रस्टी उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष से मिला यूनिसेफ का प्रतिनिधिमंडल

झारखंड में बच्चों के लिए चल रहे कार्यक्रमों से कराया अवगत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विधानसभा अध्यच रवींद्रनाथ महतो से यूनिसेफ की भारतीय प्रतिनिधि सिंथिया मैककैफ्री ने उनके कार्यालय कक्ष में भेंटवार्ता किया। उन्होंने झारखंड में यूनिसेफ के द्वारा बच्चों के लिए चल रहे कल्याण के कार्यक्रमों तथा भविष्य की योजनाओं पर चर्चाएं की। मैककैफ्री ने झारखंड में सकारात्मक कार्यों को रेखांकित करते हुए कहा कि गिरिडीह से पश्चिमी सिंहभूम तक हमारी साझेदारी के सकारात्मक परिणाम स्पष्ट रूप से दिख रहे हैं। बच्चों और युवाओं को सशक्त बनाना, विश्वविद्यालय को बच्चे के मुद्दे से जोड़ना तथा विभिन्न समुदायों को इस पहल में सक्रिय रूप से शामिल करना हमारी महत्वपूर्ण उपलब्धि रहीं हैं । हम मिलकर युवाओं की क्षमता को परिवर्तन के वाहक के रूप में सशक्त बना रहे हैं । बच्चे से जुड़े मुद्दे पर प्रभावी संवाद स्थापित कर रहे हैं। मैककैफ्री में बाल अधिकारों के संदेश के प्रचार प्रसार और विभिन्न माध्यमों से बालकों के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने में विधानसभा अध्यक्ष के निरंतर सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त की। अध्यक्ष ने यूनिसेफ के झारखंड में चल रहे हैं बाल केंद्रित नीतियों एवं कार्यक्रमों को सराहा एवं अपेक्षित सहयोग के लिए आश्वस्त भी किए। इस अवसर पर झारखंड के यूनिसेफ प्रमुख डॉक्टर कनिका मित्रा तथा आस्था अलंग भी उपस्थित रहीं ।

झारखंड के दो आइएएस इंग्लैंड की निजी यात्रा पर जाएंगे

रांची। झारखंड के दो आईएएस अधिकारी विदेश यात्रा पर जा रहे हैं। इनमें अनुमंडल पदाधिकारी चास, बोकारो प्रांजल ढांडा और स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह शामिल हैं।

प्रांजल ढांडा की 13 दिनों की यात्रा : प्रांजल ढांडा 20 मई से 1 जून तक यूनाइटेड किंगडम की यात्रा पर जाएंगे। उन्हें निजी व्यय पर 13 दिनों के लिए उपार्जित अवकाश की अनुमति दी गई है।

अजय कुमार सिंह की 10 दिनों की यात्रा : अजय कुमार सिंह 19 मई से 28 मई तक यूनाइटेड किंगडम की यात्रा पर जाएंगे। उन्हें निजी व्यय पर 10 दिनों के लिए उपार्जित अवकाश की अनुमति दी गई है, जिसमें 17 और 18 मई को साप्ताहिक अवकाश भी शामिल है।

संवेदना को भी सांप्रदायिक चश्मे से देख रहे हैं बाबूलाल : डॉ इरफान

नवीन मेल संवाददाता

रांची। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के हालिया बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी की राजनीति अब पूरी तरह गिर चुकी है, और वह एक दर्दनाक सामाजिक घटना को भी साम्प्रदायिक रंग देने में लगे हैं। बोकारो की घटना पर जिस तरह की भ्रामक और अमानवीय बयानबाज़ी की गई है, वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि उनके नैतिक और मानसिक दिवालिएपन का प्रमाण है। संवेदना को भी सांप्रदायिक चश्मे से बाबूलाल देख रहे हैं। एक महिला के साथ क्या हुआ, यह जांच का विषय है, पर भाजपा खुद को कानून से ऊपर मानती है और निर्णय भी खुद ही लेने लगी है। ऐसे समय में पीड़िता के परिवार को सांत्वना देना अगर गलत है, तो मैं यह गलत बार-बार करूंगा — क्योंकि मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं होता।

डॉ. अंसारी ने कहा कि भाजपा के पास ना तो कोई जनहित का मुद्दा है, ना कोई संवेदनशीलता। सिर्फ घृणा और नफरत फैलाकर वोट बैंक की राजनीति करना इनका काम रह गया है। जब बरही के रूपेश पांडे के साथ दर्दनाक घटना हुई थी, तब बाबूलाल मरांडी मौन थे, पर अब उन्हें बयानबाजी की याद आ रही है।

हज यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं हो उपलब्ध : मंत्री

रांची। कडरू स्थित हज हाउस में हज-2025 की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने किया। बैठक में इस वर्ष हज यात्रा पर जाने वाले झारखंड के लगभग 1300 यात्रियों की सुविधाओं, सुरक्षा और संपूर्ण व्यवस्था को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

किसानों ने मेधा डेयरी प्लांट का किया भ्रमण

रांची। कांग्रेस पार्टी के जिला सचिव सुजीत शाही ने हुरहुरी दूध उत्पादक किसानों को मेधा डेयरी प्लांट होटवार का भ्रमण कराया। तकनीकी पदाधिकारी ने पशुपालन के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। वहीं स्वच्छ दूध उत्पादन कैसे हो इस पर विस्तार से बताया गया।

झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन चुनाव

अभिषेक चौधरी ने बेहरा गुट को भेजा नोटिस

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) का चुनाव 18 मई को है। और अब माहौल गर्म होता जा रहा है। जेएससीए को खड़ा करने वाले पूर्व आइपीएस अमिताभ चौधरी के बेटे अभिषेक चौधरी ने एसके बेहरा गुट पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इसे लेकर उन्होंने चुनाव अधिकारी एनएन पांडेय को पत्र लिखा। जिसके बाद असिस्टेंट चुनाव अधिकारी रवि रंजन मिश्रा ने बेहरा गुट को नोटिस भेजा है।

बेहरा गुट को जारी नोटिस में कहा गया है कि अमिताभ चौधरी के पुत्र अभिषेक चौधरी न पुत्री नियती चौधरी ने आवेदन देकर आरोप लगाया है कि बेहरा गुट के लोग अपने पोस्टर में प्रत्याशियों को "अमिताभ के लोग" बता रहे हैं। उनके पिता के नाम का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। इस पर रोक लगाई जाए। इसी के बाद बेहरा गुट को नोटिस जारी किया गया है। हालांकि 16 मई को जारी पोस्टर में एसके बेहरा गुट ने अपने पोस्टर से "अमिताभ के लोग" हटा दिया है। इसकी जगह पर "अच्छे लोग, सच्चे लोग" लिखा है।

दस्तावेजों के मुताबिक जेएससीए स्टेडियम, धुर्वा में चल रहे बैंक्वेट हॉल, ओवल ग्राउंड, होटल रूम एवं अन्य आयोजन स्थल का अवैध रूप से निजी ठेकेदारी होने का सबूत आधे दर्जन वेबसाइट पर मौजूद है। इन वेबसाइट पर समग्र बैंक्वेट हॉल एंड लॉन नामक एक निजी कंपनी द्वारा सार्वजनिक पैसे से बने संसाधनों के लिए बुकिंग एवं पेमेंट ली जा रही है।

तमाम ऐसे वेबसाइट पर जेएससीए स्टेडियम के भवन, ग्राउंड तथा बैंक्वेट हॉल के फोटो और विज्ञापन दिए गए है। इसके अलावा स्टेडियम के विभिन्न आयोजन स्थलों की सीटिंग कैपेसिटी एवं रेट दिया गया है। जेएससीए स्टेडियम के अमिताभ चौधरी पवेलियन से चल रहे होटल के 90 कमरों का रेंट भी दिया गया है। उपलब्ध स्क्रिन शॉट के मुताबिक एडवांस के तौर पर 50 प्रतिशत की मांग समग्रा द्वारा रखी गई है। गौरतलब है की इन वेबसाइट पर कांटेक्ट नंबर संतोष सिंह व रंजीत सिंह (दोनों जेएससीए के आजीवन सदस्य) का दिया गया है। फोन पर एक संभावित ग्राहक को गेस्ट रूम के अलावे मेहंदी फंक्शन इत्यादि के लिए जेएससीए परिसर में 2 विल्ला का ऑफर भी दिया गया।

उल्लेखनीय है कि जेएससीए ने अधिकांश गैर-क्रिकेटिंग सुविधाएं और परिसर कंट्री क्रिकेट क्लब को किराये पर दे रखा है। ऐसे में यह आश्चर्य का विषय है कि कंट्री क्रिकेट क्लब के वेबसाइट पर गेस्ट रूम और बैंक्वेट के बुकिंग ऑप्शन से पृथक कोई निजी कंपनी बुकिंग कैसे ले रही है। पूर्व में जेएससीए परिसर से चल रहे समग्रा रेस्टोरेंट को बिना पट्टे के आधिपत्य हासिल होने पर भी जेएससीए मेंबर द्वारा सवाल उठाया गया है।

दुष्कर्मी के लिए मुआवजा पीड़िता के लिए मौन : मरांडी

नवीन मेल संवाददाता

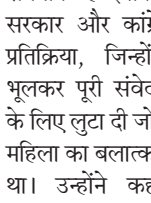

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को झारखंड सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार का मॉडल कुछ ऐसा है जिसमें दुष्कर्मी को मुआवजा मिलता है और पीड़ित पर मौन रखा जाता है। बाबूलाल मरांडी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि बोकारो के कडरूखुट्ठा गांव में एक आदिवासी महिला तालाब में स्नान करने गई थी। वहीं गांव में काम कर रहा अब्दुल कलाम, महिला से छेड़खानी करता है और दुष्कर्म की कोशिश करता है। महिला चिल्लाती है, ग्रामीण जुटते हैं और आरोपित की जमकर पिटाई होती है। पिटाई के दौरान उसकी मौत हो जाती है। घटना दुखद है क्योंकि कानून को हाथ में लेना सही नहीं। उन्होंने कहा कि लेकिन उससे भी ज्यादा शर्मनाक है इसके बाद झारखंड सरकार और कांग्रेस नेताओं की प्रतिक्रिया, जिन्होंने पीड़ित को भूलकर पूरी संवेदना उस व्यक्ति के लिए लुटा दी जो एक आदिवासी महिला का बलात्कार करना चाहता था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक डॉण्इरफान अंसारी ने पूरे मामले को 'मॉब लिंचिंग' कहकर मुस्लिम उत्पीड़न की कहानी बना दी। हेमंत सोरेन सरकार ने तत्काल अब्दुल कलाम के परिवार को 4 लाख मुआवज़ा, एक लाख सहायता राशि और स्वास्थ्य विभाग में नौकरी तक ऑफर कर दी। एक बलात्कारी के साथ शहीद जैसी राजकीय सहानुभूति।

बाबूलाल ने डीसी को पत्र लिखा, कांके सीओ पर की कार्रवाई की मांग

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रांची डीसी को पत्र लिखकर कांके अंचलाधिकारी के खिलाफ जांच कराने और कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। मरांडी ने आरोप लगाया है कि कांके अंचलाधिकारी ने स्वार्थवश अवैध तरीके से दोहरा जमाबंदी कायम किया है। आरोप है कि कांके अंचलाधिकारी जय कुमार राम ने निजी स्वार्थवश लेन-देन के आधार पर 03/04/2025 को वर्णित जमीन की दोहरी जमाबंदी सलीमा खातून के नाम से कर दी है, जो पूर्णत: गलत है। इस जमीन का लगान रसीद निर्गत करने का आदेश भी दिया गया है। आरोप है कि जमीन दलालों ने विवादित भूमि पर क जा कर बेचने की कोशिश की और जमीन मालिकों के साथ लाठी और डंडे से मारपीट की। इस मामले में अनुमंडल न्यायालय में वाद लंबित है और यथास्थिति बनाए रखने का आदेश है।

आजसू पार्टी में शामिल हुए दर्जनों बुद्धिजीवी व युवा, सुदेश ने कहा

विचारों से भटक गया है झामुमो

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा कि गुरुजी शिबू सोरेन के मूल सोच और विचारधारा से झामुमो भटक चुका है। गुरुजी शराब को समाज के लिए घातक मानते थे, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि खनिज संसाधनों से भरे–पूरे राज्य में शराब बेचकर राज्य का खजाना भरने की बात हेमंत सरकार कर रही है। श्री महतो ने पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि राज्य सरकार की कथनी और करनी में भेद दिख रहा है। श्री महतो ने कहा कि पेसा कानून के संबंध में भी राज्य सरकार का रवैया स्पष्ट नहीं है और इससे संबंधित बैठक में मुख्यमंत्री स्वयं उपस्थित नहीं दिखे। पेसा कानून को हुबहू लागू किया जाना चाहिए ताकि जनता की भावनाओं का सम्मान हो सके। उन्होंने कहा कि जेपीएससी को पटरी पर लाने में सरकार विफल रही है, जिससे युवाओं में आक्रोश दिख रहा है। इससे पूर्व आजसू पार्टी के मिलन समारोह में दर्जनों बुद्धिजीवियों एवं युवाओं ने पार्टी का दामन थामा। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो एवं झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने पार्टी का पट्टा पहनाकर उनलोगों का स्वागत किया। पार्टी में शामिल होने वालों में संजय साहू, डॉ. अमित कुमार साहू, डॉ.अभिषेक झा, डॉ. अंबुज मिश्रा, मोहित गोप, रोहित प्रजापति, सुभाष गोप, देवेंद्र साहू, अमित साहू सहित अन्य युवा शामिल हैं।

मुख्यमंत्री से बीआईटी मेसरा के कुलपति ने की मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी) मेसरा के कुलपति डॉ इंद्रनील मन्ना ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

संजय सेठ ने सीएम को लिखा पत्र, कहा

सब्जी और फल बेचने वाले फुटपाथ दुकानदार पर हुई कार्रवाई अमानवीय

● दुकानदारों के लिए स्थाई व्यवस्था किया जाए ताकि रोजगार का संकट नहीं हो

नवीन मेल संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखा है। वहीं कहा कि मोरहाबादी में सब्जी और फल बेचने वाले फुटपाथ दुकानदारों पर हुई कार्रवाई अमानवीय है। इसकी निंदा करते हुए कहा कि काफी लंबे समय से यहां फुटपाथ पर सब्जी और फल की दुकान लगाई जा रही है परंतु दो दिन पूर्व इन दुकानदारों पर की गई कार्रवाई मानवता को शर्मसार करने वाली है। वहां से सैकड़ों परिवारों का लालन-पालन होता है। लोग फल-सब्जी बेचकर अपना घर चलाते हैं। उन्हें स्थायित्व प्रदान करने के बजाय यह कार्रवाई बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इन दुकानदारों में ज्यादातर संख्या ग्रामीण क्षेत्र से जुड़े लोगों की रहती है। कई ग्रामीण किसान खुद की उपजाई सब्जी, फल और फसल बेचने के लिए यहां आते हैं। उनके आर्थिक स्वावलंबन की पूरी निर्भरता इसी फुटपाथ की दुकानदारी से होती है। दो दिन पूर्व नगर निगम और पुलिस के द्वारा इन्हें हटाने के नाम पर इनके साथ बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की गई है। इनके फल सब्जी को उठाकर फेंक दिया गया। उसे जब्त करने के नाम पर अमानवीय कृत्य किया गया। यह कार्रवाई बेहद गलत है। यह वर्तमान समय की जरूरत है कि मोरहाबादी के फुटपाथ दुकानदारों को स्थाई व्यवस्था देना चाहिए। इससे सरकार को राजस्व की प्राप्ति भी होगी और इनके रोजगार के लिए स्थायी समाधान भी हो पाएगा। राज्य सरकार को इस बात पर गंभीरता दिखानी चाहिए कि ऐसी अन्यायपूर्ण कार्रवाई नहीं हो। इन दुकानदारों की रोजी रोजगार पर संकट नहीं हो। उनके समक्ष परिवार के लालन पालन का संकट नहीं हो। उनके बच्चों की फीस भरने में समस्या नहीं हो।

श्री सेठ ने कहा इसका अविलंब स्थायी समाधान निकालने हेतु आवश्यक निर्देश जारी किया जाए।

मोरहाबादी की चौपाल से

सड़क किनारे बैठे आतंकवादियों को नेस्तनाबूद कर दिया गया

मोरहाबादी की चौपाल से शुक्रवार को समाचार पत्रों के माध्यम से जो पता चला, मन खुश हुआ कि मोरहाबादी में सड़क किनारे बैठे आतंकवादियों को पूरी तरह से नेस्तनाबूद कर दिया गया है। खबर सही है या नहीं, चौपाल के सदस्य देखने गए। दृश्य देख कार्य को इस अंजाम तक पहुंचाने वाले अधिकारियों पर नाज हुआ कि उन्होंने अपनी कार्य कुशलता, ईमानदारी, निष्ठा का परिचय दिया है। कुछ लोग झोला लेकर स जी ढूंढ रहे थे, जैसे अगर स जी नहीं मिली तो उनका क्या होगा। हम लोगों ने समझाया कि स जी के बारे में इतना क्यों सोचते हैं, अगर बहुत जरूरी है तो निकल जाइए बाइक लेकर गांव की तरफ, सीधे किसानों से स जी खरीद लीजिए और वहां तक नहीं जाते हैं तो रेस्टोरेंट में भोजन का प्रोग्राम कर लीजिए और आजकल तो जोमैटो जैसी सेवाएं भी हैं ,उनको ऑर्डर दे दीजिए वे कहीं लेकर पहुंचा देंगे। चौपाटी के एक सदस्य ने कहा कि हम लोग भी अधिकारियों की मदद करेंगे,जब भी पूरे मोरहाबादी मैदान में किसी भी तरह का खाने पीने का ठेला लगेगा या स जी लगेगी तो इसकी सूचना अधिकारियों तक पहुंचा देंगे। हमारा भी कर्तव्य होता है अधिकारियों की मदद करना।

सीएसआईआर-एनएमएल ने स्वच्छता पखवाड़ा मनाया, बोले दीपांकर चौधरी

स्वच्छता को मौलिक मूल्य के रूप में देखा जाना चाहिए

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के अनुरूप, सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला (सीएसआईआर-एनएमएल), जमशेदपुर ने 1 से 15 मई तक "स्वच्छता पखवाड़ा-2025" के अन्तर्गत 15 दिवसीय स्वच्छता अभियान मनाया। यह पहल सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी के मार्गदर्शन में संचालित की गई और इसका समन्वयन डॉ. शर्मिष्ठा सागर, मुख्य वैज्ञानिक के साथ-साथ जय शंकर शरण, विप्लव विशाल, पंकज कुमार, भोला आजाद, विश्वजीत भौमिक, उदय भास्कर राव और कई अन्य कर्मचारियों की समर्पित टीम द्वारा किया गया। समापन समारोह के दौरान, सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी ने स्वागत भाषण दिया तथा स्वच्छता पखवाड़ा के महत्व और भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन के साथ इसके संरेखण पर जोर दिया। उन्होंने इस तरह की पहलों के दीर्घकालिक सामाजिक और पर्यावरणीय लाभों के तहत, विशेषकर भावी पीढ़ियों की भलाई पर प्रकाश डाला। डॉ। चौधरी ने स्वच्छ और अधिक जिम्मेदार समाज के निर्माण में स्थिरता और पुनर्चक्रण की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की समन्वयक और मुख्य वैज्ञानिक, डॉ. शर्मिष्ठा सागर ने प्रयोगशाला के विभिन्न परिसरों में पखवाड़े के दौरान आयोजित गतिविधियों का विस्तृत सारांश प्रस्तुत किया। उन्होंने आगे की राह भी बताई और पखवाड़े के बाद भी दैनिक व्यवहार में स्वच्छता और स्थिरता को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि परियोजना निदेशक, एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी, पूर्वी सिंहभूम दीपांकर चौधरी ने कार्यस्थल पर दक्षता बढ़ाने हेतु स्वच्छता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्वच्छ और सुव्यवस्थित वातावरण न केवल बेहतर स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देता है, बल्कि कर्मचारियों के मनोबल, एकाग्रता और उत्पादकता को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाता है। श्री चौधरी ने बताया कि स्वच्छता को महज एक नियमित कार्य के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि एक मौलिक मूल्य के रूप में देखा जाना चाहिए जो किसी भी संगठन के समग्र अनुशासन और व्यावसायिकता में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

समारोह के एक भाग के रूप में, गणमान्य व्यक्तियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं-जैसे निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी, आशु भाषण और कला प्रतियोगिता-के विजेताओं को उनकी भागीदारी और उपलब्धियों के सम्मान में पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्रदान करके सम्मानित किया। समापन समारोह के सांस्कृतिक भाग में प्रयोगशाला की महिला सफाई कर्मचारियों द्वारा जीवंत नृत्य प्रस्तुति दी गई, जिसे दर्शकों ने दिल से सराहा। इसके बाद सीएसआईआर-एनएमएल के कर्मचारियों द्वारा एक आकर्षक नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें स्वच्छता, सामाजिक जिम्मेदारी और सामुदायिक भागीदारी जैसे विषयों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का समापन सीएसआईआर-एनएमएल के प्रशासन नियंत्रक जयशंकर शरण द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिसके बाद राष्ट्रगान की प्रस्तुति हुई और इसके साथ ही स्वच्छता पखवाड़ा-2025 समारोह का औपचारिक समापन सम्पन्न हुआ।

विल जैक्स भारत लौटे, सोशल मीडिया पर शेयर किया पोस्ट

नई दिल्ली (आईएएनएस)। आईपीएल 2025 के फिर से शुरू होने से पहले मुंबई इंडियंस को एक महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला, जब इंग्लैंड के विल जैक्स ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की, जिसमें उन्हें भारत वापस जाने के लिए उड़ान भरते हुए दिखाया गया। इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन में, जैक्स ने एक विशेष पोस्ट शेयर की, जिसमें उनका बोर्डिंग पास, भारतीय तिरंगे का इमोजी और बैक एरो दिखाया गया। एमआई के अभियान में लगातार उपस्थिति रखने वाले जैक्स ने उनके पहले 12 मैचों में से 11 में भाग लिया, नौ पारियों में 195 रन बनाए और अपनी ऑफ-स्पिन के जरिए पांच विकेट लिए। उनका प्रभाव उल्लेखनीय रहा है।

मिचेल स्टार्क आईपीएल के बचे मैचों में डीसी से नहीं जुड़ेंगे

नई दिल्ली (आईएएनएस)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने आईपीएल 2025 में बचे मैचों में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के साथ जुड़ने से इंकार कर दिया है। एएपी को पता चला है कि धर्मशाला में मैच रद्द होने के बाद स्टार्क ने फ्रेंचाइजी को बता दिया था कि वह लीग खत्म नहीं कर पाएंगे। इस अपडेट का मतलब है कि स्टार्क सीधे विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में उतरेंगे। इससे उनके इस मैच के एक सप्ताह पहले भारत में टी20 खेलने की संभावना पर पूर्ण विराम लग गया है। स्टार्क ने अभी तक 11 मैचों में 26.14 की औसत से 14 विकेट लिए हैं। फाफ डुप्लेसी के बारे में भी अभी कोई पुष्टि नहीं है।

जब भी बुमराह को आराम की जरूरत होगी, गिल टेस्ट कप्तान हो सकते हैं: जाफर

नई दिल्ली (आईएएनएस)। भारत के नए टेस्ट कप्तान के रूप में किसे नियुक्त किया जाना चाहिए, इस पर बहस के बीच, पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर ने कहा कि जब भी जसप्रीत बुमराह को आराम की जरूरत होगी, शुभमन गिल को इंग्लैंड के आगामी दौरे पर टेस्ट टीम का नेतृत्व करना चाहिए। रोहित शर्मा ने इस महीने की शुरुआत में टेस्ट से संन्यास की घोषणा की, गिल को 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होने वाली पांच मैचों की श्रृंखला में नई-नवेली भारतीय टेस्ट टीम का नेतृत्व करने के लिए सबसे आगे देखा जा रहा है। भारत ने 2007 के दौरे के बाद इंग्लैंड में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है, जहां उन्होंने राहुल द्रविड़ के नेतृत्व में 1-0 से जीत हासिल की थी। भारत के लिए 31 टेस्ट मैच खेलने वाले जाफर ने शुक्रवार को अपने 'एक्स' अकाउंट पर लिखा, "मुझे लगता है कि बुमराह कप्तानी के लिए एकदम सही विकल्प हैं।

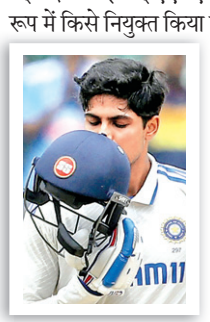

आईपीएल 2025 के दूसरे चरण का आगाज शनिवार से होने जा रहा है। यह लीग का 58वां मुकाबला होगा और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा।इस मैच में सभी की निगाहें हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले विराट कोहली पर होंगी। 10 दिनों के अप्रत्याशित रुकावट के बाद आरसीबी और केकेआर दोनों प्लेऑफ में पहुंचने के लिए पूरा जोर लगाएंगे। आरसीबी 11 मैचों में 16 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है। वहीं, केकेआर 12 मैचों में 11 अंकों के साथ तालिका में छठे स्थान पर है।

आरसीबी-केकेआर मुकाबले से फिर से शुरू होगी लीग...

टेस्ट से संन्यास ले चुके कोहली पर नजरें

बंगलूरू । एजेंसी

10 दिनों के अप्रत्याशित रुकावट के बाद आरसीबी और केकेआर दोनों प्लेऑफ में पहुंचने के लिए पूरा जोर लगाएंगे। आरसीबी 11 मैचों में 16 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है और केकेआर के खिलाफ जीत टीम के लिए प्लेऑफ में जगह लगभग पक्की कर देगी। वहीं, केकेआर 12 मैचों में 11 अंकों के साथ तालिका में छठे स्थान पर है और एक भी हार मौजूदा चैंपियन की नॉकआउट में जगह बनाने की उम्मीदों को खत्म कर देगी। वहीं, लीग की रुकावट से पहले दोनों टीमें शानदार लय में थी। आरसीबी ने जहां अपने पिछले चारों मैचों में जीत दर्ज की है, जबकि केकेआर की टीम लगातार दो जीत के साथ इस मैच में उतरेगी। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि ये टीमों अपनी लय को किस तरह से बनाये रखती है। कागजों पर दोनों टीमों की तुलना करें तो इसमें कोई शक नहीं की केकेआर पर आरसीबी का पलड़ा भारी होगा।

कप्तान पाटीदार के अंगुली में लगी है चोट : चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ चोटिल हुए कप्तान रजत पाटीदार ने अभ्यास सत्र में बिना किसी परेशानी के बल्लेबाजी की। पाटीदार को अंगुली में चोट लगी थी, लेकिन नेट सत्र में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की। मेजबान टीम के अधिकांश विदेशी खिलाड़ी भी भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव के बाद स्वदेश लौट आए हैं। फिल सॉल्ट, लुंगी एनगिडी, टिम डेविड, लियाम लिविंगस्टोन और रोमारियो शेफर्ड जैसे खिलाड़ी टीम के लिए उपलब्ध हैं।

मयंक अग्रवाल खुद को साबित करना चाहेंगे : देवदत्त पडिक्कल और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की चोट के कारण गैरमौजूदगी हालांकि एक बड़ी समस्या हो सकती है। आरसीबी पडिक्कल की जगह लेने वाले मयंक अग्रवाल से इस मौके को भुनाने की उम्मीद करेगी। हेजलवुड के कंधे में चोट है और फ्रेंचाइजी ने अभी तक उनकी उपलब्धता के बारे में जानकारी नहीं दी है। मैच में हालांकि सबकी नजरें कोहली पर होंगी। इस दिग्गज बल्लेबाज ने इस सप्ताह की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। प्रशंसक खेल के पारंपरिक प्रारूप को सबसे ज्यादा महत्व देने वाले इस बल्लेबाज को सम्मानित करने के लिए सफेद जर्सी पहनने की योजना बना रहे हैं।

कोहली पर होंगी सभी की निगाहें

1. प्रभावशाली पारियां खेलना चाहेंगे विराट कोहली : शानदार लय में चल रहे कोहली भी टेस्ट करियर के अचानक समाप्त होने के बाद बल्ले से कुछ प्रभावशाली पारियां खेलना चाहेंगे। केकेआर को मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा निराशा अपने बल्लेबाजों से हुई है। कप्तान अजिंक्य रहाणे और युवा अंगकृष रघुवंशी के अलावा किसी भी बल्लेबाज ने निरंतरता नहीं दिखायी हैं।

2. केकेआर की बल्लेबाजी सबसे बड़ी समस्या : केकेआर टीम के लिए लीग चरण के सभी मैच करो या मरो की तरह है ऐसे में उसे वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह से प्रभावी पारियों की उम्मीद होगी। टीम को इंग्लैंड के अनुभवी हरफनमौला मोईन अली की कमी खलेगी। मोईन वायरल बुखार के कारण लीग से बाहर हो गए हैं। वरुण चक्रवर्ती, सुनील नरेन, वैभव अरोड़ा और हर्षित राणा की केकेआर की गेंदबाजी लाइन-अप ने कई मौकों पर महंगे साबित होने के बावजूद अपनी पकड़ बनाए रखी है।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11

- **आरसीबी:** जैकब बेथेल/फिल सॉल्ट, विराट कोहली, स्वास्तिक चिकारा/मयंक अग्रवाल, रजत पाटीदार (कप्तान/फिटनेस के अधीन), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, कुणाल पांड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, लुंगी एनगिडी, यश दयाल। सुयश शर्मा इम्पैक्ट प्लेयर हो सकते हैं।
- **केकेआर:** रहमनुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सुनील नरेन, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती। हर्षित राणा इम्पैक्ट प्लेयर हो सकते हैं।

'विराट ने कहा, तुमने कप्तानी अर्जित की है' : रजत पाटीदार

बेंगलुरु (आईएएनएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने उस अवास्तविक पल को याद किया जब विराट कोहली ने उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से पहले फ्रेंचाइजी की कप्तानी सौंपी और कहा कि उन्हें नहीं पता था कि इस स्थिति पर कैसे प्रतिक्रिया करनी है, फिर कोहली ने उन्हें शांत करते हुए कहा, "तुम इसके लायक हो, तुमने इसे अर्जित किया है। आरसीबी पॉडकास्ट पर बोलते हुए, 31 वर्षीय पाटीदार ने आरसीबी प्रबंधन से पूर्व आश्वासन के बावजूद 2022 आईपीएल मेगा नीलामी में खारिज होने से लेकर एक ऐसी फ्रेंचाइजी के लीडर बनने तक की अपनी यात्रा पर विचार किया।

बिहार और महाराष्ट्र को पछाड़ा हरियाणा शीर्ष स्थान पर

पटना (आईएएनएस)। हरियाणा ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईवाईजी) 2025 बिहार में कुश्ती के मैदान पर अपना दबदबा कायम करते हुए लड़कों और लड़कियों की श्रेणियों में 21 पदक - आठ स्वर्ण, पांच रजत और आठ कांस्य - जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। महाराष्ट्र चार स्वर्ण सहित 17 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि दिल्ली के लड़के और राजस्थान की लड़कियां अपने-अपने वर्गों में शीर्ष तीन में रहीं। महाराष्ट्र ने अंतिम दिन जोरदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक सहित सात पदक जीते। आयुष्का पांडुरंग ने लड़कियों के 57 किग्रा वर्ग का खिताब जीता, उसके बाद सुजय नागनाथ तनपुरे ने लड़कों के 71 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में जीत हासिल की।

रवि शास्त्री का बड़ा बयान... अगर मैं कोच होता तो रोहित सिडनी का टेस्ट जरूर खेलता

नई दिल्ली (आईएएनएस)। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि वह सुनिश्चित करते कि रोहित शर्मा, जिन्होंने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है, इस साल की शुरुआत में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट के लिए मैदान पर उतरे। पिछले हफ्ते, रोहित ने 67 मैचों में 40.57 की औसत से 4,301 रन बनाकर अपना टेस्ट क्रिकेट समाप्त किया, जिसमें 12 शतक और 212 का करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। 2022 से भारत के टेस्ट कप्तान के रूप में, रोहित ने 24 टेस्ट में टीम का नेतृत्व किया और 12 मौकों पर जीत हासिल की, जिसमें 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में उपविजेता बनना भी शामिल है। लेकिन पिछले साल सितंबर से खराब फॉर्म का मतलब था कि रोहित का टेस्ट करियर मुश्किल स्थिति में था।

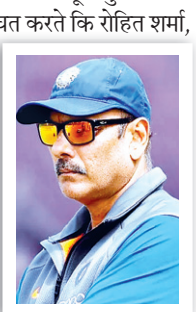

एफसी बार्सिलोना ने एस्पेनयोल को हराकर अपना 28वां ला लीगा खिताब जीता

बार्सिलोना (आईएएनएस)। एफसी बार्सिलोना ने एस्पेनयोल को 2-0 से हराकर 28वीं बार ला लीगा खिताब जीता है। ला लीगा का ताज अब स्पेनिश सुपर कप और कोपा डेल रे के साथ जुड़ सकता है। 2024-25 सीजन बार्सिलोना के लिए यादगार साबित हो रहा है। 28वीं बार ला लीगा खिताब जीतने से पहले टीम ने अपना 32वां कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप भी जीता था। बार्सिलोना ने अपने घर में शानदार प्रदर्शन किया। मैच के 53वें मिनट में लैमिन यामल ने एक शानदार गोल दागा इसके बाद इंजरी टाइम के आखिरी सेकंड में फर्मिन लोपेज ने दूसरा गोल कर टीम की मैच पर पकड़ मजबूत कर दी जो बाद में निर्णायक साबित हुई। लैमिन यामल का गोल बेहतरीन और दर्शनीय था, जब उन्होंने दूर कोने में एक शॉट लगाकर गेंद को गोल पोस्ट में भेजा था।

गंभीर चोट से उबरने के बाद पूवन्ना की नजर भारत के लिए सीनियर पदार्पण करने पर

बेंगलुरु (आईएएनएस)

2023 में भारतीय जूनियर टीम के साथ कुछ समय बिताने के बाद, पूवन्ना चंदुरा बॉबी अब एफआईएच हॉकी प्रो लीग लेग के यूरोपीय चरण से पहले सीनियर कोर ग्रुप के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं। 22 वर्षीय पूवन्ना वर्तमान में बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) केंद्र में वरिष्ठ राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा हैं और उन्होंने 40 सदस्यीय कोर ग्रुप में जगह बनाई है। जूनियर टीम के साथ, पूवन्ना ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने क्रमशः 2022 और 2023 सुल्तान ऑफ जौहर कप में स्वर्ण और कांस्य पदक जीते। वह 2023 में पुरुषों की जूनियर एशिया कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे और अगस्त 2024 में सीनियर राष्ट्रीय शिविर में शामिल हुए। शिविर में प्रशिक्षण के अपने अनुभव के बारे में पूवन्ना ने कहा, "मैंने 2023 में जूनियर टीम के लिए खेला है और अब सीनियर खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण ले रहा हूं, मुझे उनके और हमारे बीच बहुत अंतर दिखाई देता है। उस स्तर तक पहुंचने के लिए हमें बहुत मेहनत करनी होगी। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने फिट हैं।

आईपीएल के लीग मुकाबलों के लिए मुस्तफिजुर रहमान को मिली अनुमति

नई दिल्ली (आईएएनएस)। मुस्तफिजुर रहमान को 18 मई से 24 मई तक के लिए दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के दल के साथ जुड़ने की अनुमति मिल गई है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शुक्रवार दोपहर को अपने एक बयान के जरिए इसकी जानकारी दी। बीसीबी से एनओसी मिलने के चलते मिचेल स्टार्क की अनुपस्थिति में मुस्तफिजुर डीसी के शेष तीन मुकाबलों के लिए उपलब्ध रहेंगे। हालांकि अगर डीसी प्लेऑफ में प्रवेश करती है तो मुस्तफिजुर उपलब्ध नहीं रह पाएंगे। बीसीबी ने बताया है कि भारत के लिए रवाना होने से पहले मुस्तफिजुर शनिवार को शारजाह में यूएई के खिलाफ पहले टी20 के लिए भी उपलब्ध रहेंगे। हालांकि 18 मई को भारत पहुंचने के बाद वह उसी शाम डीसी के मुकाबले के लिए उपलब्ध रह पाएंगे या नहीं यह देखना होगा।

प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 31 मई और 1 जून को मुंबई में

मुंबई (आईएएनएस)

मशाल स्पोर्ट्स ने घोषणा की है कि प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 की के लिए खिलाड़ियों की नीलामी का आयोजन 31 मई और 1 जून 2025 को मुंबई में किया जाएगा। यह बहुप्रतीक्षित आयोजन पीकेएल सीजन 11 की रोमांचक समाप्ति के बाद हो रहा है, जहां हरियाणा स्टीलर्स ने पहली बार खिताब जीतने के लिए तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स को 29 दिसंबर 2024 को हुए फाइनल मुकाबले में हराया था। 2014 में शुरुआत के बाद से अब तक के 11 सीजनों में 8 अलग-अलग टीमों ने चैंपियनशिप जीती है। सीजन 11 जो कि 18 अक्टूबर से 29 दिसंबर 2024 तक खेला गया, एक अहम मोड़ था क्योंकि इसके साथ पीकेएल ने अपने दूसरे दशक में प्रवेश किया था और इससे यह बात और पुख्ता हुई कि पीकेएल भारत की प्रमुख खेल लीगों में से एक बन चुकी है, जिसने देश और दुनिया भर में कबड्डी के प्रति रुचि और विकास को निरंतर बनाए रखा है। सीजन 12 के लिए होने वाली खिलाड़ियों की यह नीलामी एक बार फिर टीमों की रणनीति, संकल्प और खिताब जीतने की महत्वाकांक्षा को दर्शाने का मंच बनेगी।

व्यापार/लाइफ व साइंस

निर्यात 9 फीसदी बढ़ा, व्यापार घाटा पांच माह के उच्च स्तर पर, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की अच्छी रही मांग

मुंबई । इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग उत्पादों की मांग में अच्छी वृद्धि के कारण भारत का निर्यात अप्रैल, 2025 में सालाना आधार पर 9.03 फीसदी बढ़कर 38.49 अरब डॉलर पहुंच गया। कच्चे तेल और उर्वरक की खरीदारी बढ़ने से देश का आयात भी एक साल पहले की तुलना में 19.12 फीसदी बढ़कर 64.91 अरब डॉलर पहुंच गया। वाणिज्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, निर्यात की तुलना में अधिक आयात के कारण अप्रैल में देश का व्यापार घाटा पांच महीने के उच्च स्तर 26.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पहले नवंबर, 2024 में सबसे ज्यादा 31.77 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ था। अप्रैल, 2024 में देश से 35.30 अरब डॉलर का निर्यात किया गया था, जबकि आयात 54.49 अरब डॉलर रहा था।

सेंसेक्स लाल निशान में बंद, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई खरीदारी

मुंबई (आईएएनएस)

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार के कारोबारी सत्र लाल निशान में बंद हुआ। कारोबार के अंत में सेंसेक्स 200.15 अंक या 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ 82,330.59 और निफ्टी 42.30 अंक या 0.17 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,019.80 पर था। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 529.65 अंक या 0.94 प्रतिशत की तेजी के साथ 57,060.50 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 320 अंक या 1.86 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,560.40 पर था। सेक्टोरल आधार पर ऑटो, पीएसयू बैंक, एफएमसीजी, रियल्टी, मीडिया, एनर्जी और प्राइवेट बैंक हरे निशान में बंद हुए। आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा और मेटल लाल निशान में बंद हुए।

आईआईएफटी ने दुबई में पहला विदेशी कैंपस खोलकर अपने ग्लोबल फुटप्रिंट का किया विस्तार

नई दिल्ली (आईएएनएस)

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत स्वायत्त निकाय भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) ने शुक्रवार को दुबई में अपना पहला विदेशी कैंपस खोलने की घोषणा की। यह आईआईएफटी की वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार शिक्षा में भारत की भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, यह ऐतिहासिक विकास शिक्षा मंत्रालय से मंजूरी और विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय और यूनिवर्सिटी ग्रांट कमिशन (यूजीसी) से 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' मिलने के बाद संभव हुआ है। मंत्रालय ने कहा, "यह भारतीय उच्च शिक्षा के वैश्वीकरण में एक गौरवपूर्ण क्षण है, जो कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 के दृष्टिकोण के अनुरूप है और भारतीय संस्थानों के अंतरराष्ट्रीयकरण और वैश्विक शिक्षण केंद्रों के निर्माण पर जोर देता है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि यह नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) 2020 की भावना को दर्शाता है, जो भारतीय शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण और वैश्विक स्तर पर विचार नेतृत्व को आकार देने में इसकी बढ़ती भूमिका में एक नया अध्याय है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा, "यह भारत-यूएई साझेदारी को मजबूत करने का भी प्रमाण है और यह नया कैंपस भविष्य के बिजनेस लीडर्स को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आईआईएफटी को इसके पहले अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर बधाई देते हुए वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि यह आईआईएफटी के 62 साल के इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ है कि संस्थान दुबई में एक पूर्ण विकसित कैंपस स्थापित कर रहा है। यह भारत के एक ऐसे देश के रूप में उभरने का प्रतिनिधित्व करता है, जो विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करता है। आईआईएफटी के कुलपति प्रोफेसर राकेश मोहन जोशी ने आईआईएफटी को विश्वस्तरीय संस्थान में बदलने और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में रिसर्च, ट्रेनिंग और रिसर्च में उत्कृष्टता के माध्यम से अपने नए दुबई कैंपस में अपनी छाप छोड़ने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

मुनाफा 30 प्रतिशत घटा, आय भी गिरी : मैट्रिमोनी डॉट कॉम

मुंबई (आईएएनएस)। ऑनलाइन मेट्रीमोनियल सर्विस प्रोवाइडर कंपनी मैट्रिमोनी डॉटकॉम ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए। जनवरी-मार्च अवधि में कंपनी के आय और मुनाफे में दोनों में गिरावट दर्ज की गई। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि मैट्रिमोनी डॉटकॉम का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 30.26 प्रतिशत कम होकर 8.18 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पिछली वित्त वर्ष की समान तिमाही में 11.73 करोड़ रुपए था।

भारत का चालू चीनी सीजन 52 लाख टन बफर स्टॉक के साथ होगा समाप्त : इस्मा

नई दिल्ली (आईएएनएस)

भारतीय चीनी एवं जैव-ऊर्जा निर्माता संघ (इस्मा) ने शुक्रवार को कहा कि भारत का 2024-25 चीनी सीजन लगभग 261 से 262 लाख टन शुद्ध चीनी उत्पादन के साथ समाप्त होने का अनुमान है, जिससे घरेलू मांग पूरी करने के लिए 52 लाख टन का अच्छा-खासा बफर स्टॉक बचेगा। इस्मा के बयान में बताया गया है कि उत्पादन में चालू सीजन में मई के मध्य तक उत्पादित 257.44 लाख टन चीनी के अलावा तमिलनाडु और कर्नाटक में विशेष पेराई सीजन से अनुमानित चार से पांच लाख टन चीनी शामिल है। इस्मा ने कहा, "इस सीजन की शुरुआत 80 लाख टन के शुरुआती स्टॉक के साथ हुई।

हुंडई इंडिया का मुनाफा 4% घटा, आय में बढ़ोतरी

मुंबई। हुंडई मोटर इंडिया ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के नतीजों का ऐलान किया। जनवरी-मार्च अवधि में कंपनी के मुनाफे में कमी देखने को मिली है। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में हुंडई मोटर इंडिया की आय 1,614 करोड़ रुपए रही है, जो कि वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही की आय 1,677 करोड़ रुपए से 4 प्रतिशत कम है।

लोहरदगा जिला के 43 वां स्थापना दिवस मना रहे समस्त लोहरदगा वासियों को हार्दिक-हार्दिक बधाई

लोहरदगा जिला अपने 42 साल के सफर तय कर 43 वें साल में प्रवेश कर गया है। इसको विकसित और सुदृढ़ बनाने में सबकी सहभागिता जरूरी है।

राजेश कुमार महतो

पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष

फेडरेशन आफ झारखंड चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज दक्षिणी छोटा नागपुर, लोहरदगा।

भूमि संरक्षण विभाग, लोहरदगा की ओर से 43 वें जिला स्थापना दिवस के मौके पर सभी लोहरदगा वासियों को हार्दिक हार्दिक बधाई

स्वच्छ सुंदर और विकसित लोहरदगा जिला के निर्माण का आईए ले संकल्प

संजय कुमार राम

भूमि संरक्षण पदाधिकारी, लोहरदगा।